धनबाद
शुक्रवार 20.12.2024
मूल्य- ₹ 1.50
वर्ष-30 अंक-296 पृष्ठ- 12
पौष कृष्ण पक्ष-5
संवत 2081

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑब्जर्वर

संसद परिसर में धक्का-मुक्की, भाजपा के दो सांसद घायल होकर अस्पताल में भर्ती

आरोप- राहुल गांधी ने धक्का दिया, राहुल बोले- भाजपा सांसदों ने धमकाया, संसद जाने से रोका 0 संसद में धक्कामार सियासत, थाने में काउंटर एफआईआर

नई दिल्ली (ईएमएस): संसद का शीतकालीन सत्र पूरी तरह से हंगामे की भेंट चढ़ा हुआ है। अडानी से लेकर भीमराव आंबेडकर पर गृहमंत्री अमित शाह के बयान पर घमासान मचा हुआ है। लेकिन आज संसद परिसर में धक्कामार सियासत देखने को मिली। इस धक्काकांड में भाजपा के दो सांसद घायल होकर अस्पताल में भर्ती हो चुके हैं। राहुल गांधी पर भाजपा ने धक्का देने का आरोप लगाया है। महिला सांसद ने भी राहुल गांधी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा कि हमने दिल्ली पुलिस में राहुल गांधी के खिलाफ मारपीट और उकसावे की शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने कहा कि हमने मकर द्वार के बाहर हुई घटना का विस्तार से उल्लेख किया है, जहां एनडीए सांसद शांतिपूर्ण तरीके से विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। हमने राहुल गांधी के खिलाफ धारा १०९, ११५, ११७, १२५, १३१ और ३५१ के तहत शिकायत दी है। धारा १०९ हत्या का प्रयास है, धारा ११७ स्वेच्छा से गंभीर चोट पहुंचाना है। दूसरी तरफ कांग्रेस सांसद दिग्विजय सिंह, राजीव शुक्ला और प्रमोद तिवारी ने मल्लिकार्जुन खड़गे से धक्का-मुक्की करने और खराब व्यवहार किए जाने की शिकायत दर्ज कराई है।

कांग्रेस द्वारा भी शिकायत दर्ज कराए जाने पर ठाकुर ने कहा कि उल्टा चोर कोतवाल को डांटे। ये वही राहुल गांधी हैं जो अपनी ही सरकार में अपनी ही सरकार के ऑर्डिनेंस को फाड़ देते हैं। ये वही कांग्रेस है जिसने बाबा साहब आंबेडकर का बार-बार अपमान किया। लेकिन उधर राहुल और प्रियंका गांधी समेत पूरी कांग्रेस पार्टी भाजपा पर भी इसी तरह के आरोप लगा रही है। इस बीच खबर है कि भाजपा के एक और सांसद संतोष पांडे भी राहुल गांधी के धक्के की वजह से गिर गए थे। बताया जा रहा है कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के घुटने में चोट लगी है। ऐसे में जानना जरूरी हो जाता है कि इस धक्कांड की शुरुआत कैसे हुई।

कैसे शुरू हुआ धक्काकांड

दरअसल आंबेडकर पर गृहमंत्री अमित शाह के बयान के विरोध में कांग्रेस पार्टी संसद में प्रोटेस्ट कर रही थी। ठीक इसी समय भाजपा भी कांग्रेस के खिलाफ प्रदर्शन कर रही थी। इस बीच गुरुवार सुबह १०.४० बजे कांग्रेस प्रोटेस्ट करते हुए संसद के मकर द्वार तक आ रही थी। इसी समय भाजपा मकर द्वार पर खड़ी थी। इस तरह भाजपा और कांग्रेस के सांसद एक दूसरे के ठीक सामने थे। दोनों ओर से नारेबाजी होने लगी। यह घटनाक्रम लगभग २० मिनट तक चला। कांग्रेस का आरोप है कि भाजपा सांसदों ने उन्हें रोकने की कोशिश की और उनसे धक्का मुक्की। भाजपा का भी ठीक यही कहना है। भाजपा का आरोप है कि इस बीच राहुल गांधी ने एक सांसद के साथ धक्का-मुक्की की, जिससे वो सांसद भाजपा एमपी प्रताप सारंगी के ऊपर गिर गया। इस धक्का-मुक्की में सारंगी और भाजपा के एक और सांसद मुकेश राजपूत घायल हो गए। इस पूरे घटनाक्रम पर प्रताप सारंगी ने कहा कि मैं सीढ़ियों पर खड़ा था। राहुल गांधी ने एक सांसद को धक्का दिया और वो सांसद मेरे ऊपर गिर गए, जिससे मैं गिर गया और चोट लग गई।

राहुल गांधी को जानबूझकर रोका

कांग्रेस के राज्यसभा सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा कि असल में भाजपा सांसदों ने राहुल गांधी को घेर लिया। भाजपा सांसदों ने राहुल गांधी को जानबूझकर रोका। उन्होंने उनका रास्ता रोक लिया। हमने इस संबंध में स्पीकर के समक्ष शिकायत दर्ज कराई है। कांग्रेस के एक अन्य सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि हर किसी ने देखा कि कांग्रेस और इंडिया ब्लॉक के अन्य नेताओं ने अमित शाह से इस्तीफे की मांग को लेकर आंबेडकर की प्रतिमा के पास प्रोटेस्ट किया। इसके बाद हमने संसद के भीतर जाने की कोशिश की लेकिन भाजपा ने हमारा रास्ता रोक लिया और हमें संसद के भीतर नहीं जाने दिया।

उप-राष्ट्रपति के खिलाफ विपक्ष का अविश्वास प्रस्ताव खारिज

उप-सभापति बोले- यह धनखड़ की छवि खराब करने की कोशिश

नई दिल्ली (ईएमएस): राज्यसभा के सभापति और उप-राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के खिलाफ विपक्ष की तरफ से लाए गए अविश्वास प्रस्ताव को उप-सभापति हरिवंश ने खारिज कर दिया है। सूत्रों के मुताबिक, उप-सभापति ने कहा कि यह नोटिस विपक्ष का गलत कदम है, जिसमें बहुत खामियां हैं और जो सिर्फ सभापति की छवि खराब करने के मकसद से लाया गया है। उन्होंने अपने जवाब में कहा कि महाभियोग का नोटिस देश के संवैधानिक संस्थानों को बदनाम करने और वर्तमान उपराष्ट्रपति की छवि धूमिल करने की साजिश का हिस्सा है।

संसद के शीतकालीन सत्र के १०वें दिन विपक्षी सांसदों ने राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया था। विपक्षी सांसदों ने राज्यसभा के जनरल सेक्रेटरी पीसी मोदी को धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दिया था। पीसी मोदी ने ही आज उप-सभापति का जवाब सदन में रखा।

बारिश के बाद घने कोहरे की चपेट में रहेगा झारखंड, अलर्ट जारी

रांची (एजेंसी): झारखंड में शीतलहर का सितम जारी है. मौसम विभाग के अनुसार, बंगाल की खाड़ी में निम्न दबाव का क्षेत्र बनने के कारण शुक्रवार को राज्य के दक्षिणी भागों में आंशिक बादल छाये रहने और कहीं-कहीं पर हल्की बारिश होने की संभावना जताई गई है. जिसके तहत पश्चिमी सिंहभूम, पूर्वी सिंहभूम, सिमडेगा, सरायकेला खरसावां में बारिश होने की संभावना है.

मौसम विभाग के अनुसार, बारिश के बाद राज्य में घने कोहरे की चपेट में रहेगा. इसे लेकर येलो अलर्ट भी जारी किया गया है. शनिवार की सुबह राज्य के उत्तर-पश्चिमी एवं मध्य भागों में सुबह में कहीं-कहीं पर घना कोहरा होने की संभावना है. इस दौरान रांची समेत गुमला, पलामू, चतरा, हजारीबाग, लातेहार, लोहरदगा, गढ़वा, पलामू और रामगढ़ में कोहरा रहने की संभावना है.

वहीं २२ दिसंबर को राज्य के उत्तर-पूर्वी, मध्य एवं दक्षिणी भागों में सुबह में कोहरा रहने की संभावना है. इस दौरान गुमला, रांची, बोकारो, धनबाद, देवघर, जामताड़ा, दुमका, साहिबगंज, पाकुड़, पश्चिमी सिंहभूम, पूर्वी सिंहभूम, सिमडेगा और सरायकेला खरसावां में कोहरा रहने की संभावना है. इस दौरान सुबह में गाड़ी संभलकर चलाने की बात कही गई है. साथ ही विभाग ने बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखने की बात कही है.

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने भारत-चीन के बीच हुए नवीनतम समझौते का स्वागत किया

नई दिल्ली (ईएमएस): संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने भारत-चीन के बीच हुए नवीनतम समझौते का स्वागत किया है। एंटोनियो गुटेरेस ने एक बयान में कहा, हम द्विपक्षीय कूटनीति के इस प्रयास के सकारात्मक परिणाम का स्वागत करते हैं। द्विपक्षीय कोशिशों के जरिए अंतरराष्ट्रीय विवादों को निपटाने की 'प्रशंसा' की जानी चाहिए।यह बयान ऐसे समय में आया है जब भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल चीन के दौरे पर हैं। वह विशेष प्रतिनिधियों की २३वें दौर की वार्ता में हिस्सा लेने के लिए मंगलवार को यहां पहुंचे। भारत और चीन के विशेष प्रतिनिधियों की बैठक बुधवार को बीजिंग में आयोजित हुई। भारत की ओर से राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और चीन की ओर से वांग यी ने इस बैठक में भाग लिया। वांग यी चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) केंद्रीय समिति के राजनीतिक ब्यूरो के सदस्य और विदेश मंत्री है। इस दौरान सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और सौहार्द बनाए रखने के महत्व को रेखांकित करते हुए, दोनों नेताओं ने जमीनी स्तर पर शांतिपूर्ण स्थिति सुनिश्चित करने की जरूरत पर बल दिया, ताकि सीमा पर मुद्दे द्विपक्षीय संबंधों के सामान्य विकास में बाधा न बनें।

सुप्रीम कोर्ट ने लगाई उत्तर प्रदेश और हरियाणा में भी पटाखों पर पूरी तरह से पाबंदी

नई दिल्ली (ईएमएस): सुप्रीम कोर्ट ने प्रदूषण को कम करने के लिए दिल्ली के अलावा उत्तर प्रदेश और हरियाणा में भी अगले आदेश तक पटाखों की बिक्री पर रोक लगा दी है. सुप्रीम कोर्ट में दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण के मामले पर सुनवाई हुई. इस दौरान दिल्ली सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में बताया कि राजधानी में पटाखों पर पूरे साल स्टॉक और बिक्री पर रोक लगा दी है. इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा, इसका असर तभी पड़ेगा, जब दूसरे शहरों में भी ऐसी ही रोक हो. इसलिए यूपी और हरियाणा भी ऐसा करें. अब इस मामले में १५ जनवरी को अगली सुनवाई होगी.

पटाखों पर बैन लगाने के मामले में एमिक्स ने कोर्ट को बताया कि दिल्ली में पटाखों पर पूरी तरह से प्रतिबंध है, लेकिन इसे प्रभावी बनाने के लिए एनसीआर राज्यों पर भी प्रतिबंध होना चाहिए. दिल्ली सरकार की ओर से सीनियर एडवोकेट फ्रासत ने अदालत को सूचित किया कि दिल्ली ने पटाखों के निर्माण, भंडारण, बिक्री, वितरण और उपयोग पर व्यापक प्रतिबंध लगा दिया है. उन्होंने जोर देकर कहा कि इस उपाय के प्रभावी होने के लिए, पड़ोसी एनसीआर राज्यों को इसी तरह के प्रतिबंधों को अपनाना चाहिए, क्योंकि पटाखे अभी भी उन राज्यों से दिल्ली में लाए जा सकते हैं. इस पर सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश और हरियाणा को दिल्ली की तर्ज पर पटाखों की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने का निर्देश दिया. जस्टिस अभय एस ओक और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने कहा, हमारा मानना है कि यह प्रतिबंध तभी प्रभावी होगा जब एनसीआर क्षेत्र में शामिल अन्य राज्य भी इसी तरह के उपाय लागू करेंगे.

याचिका दायर करने में देरी पर संपत्ति अधिकार से नहीं कर सकते वंचित

सुप्रीम कोर्ट ने अनिवमितता से जुड़ी याचिका को 21 साल बाद स्वीकारा

नई दिल्ली (ईएमएस): सुप्रीम कोर्ट ने याचिका दायर करने में देरी को लेकर कहा कि यह अहम फैक्टर है, लेकिन इसके आधार पर किसी शख्स को संपत्ति के अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस जेबी पारदीवाला की अगुवाई वाली बेंच ने भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया में कथित अनियमितता से जुड़ी याचिका को २१ साल की देरी के बाद स्वीकार किया है। कोर्ट ने १३ दिसंबर को दिए फैसले में कहा था कि सुप्रीम कोर्ट के फैसलों ने लगातार यह माना है कि संपत्ति का अधिकार संविधान में निहित है। निष्पक्षता और मनमानी से बचने के लिए प्रक्रियात्मक सुरक्षा उपायों का पालन किया जाना चाहिए, विशेष रूप से राज्य की ओर से अधिग्रहण के मामलों में। सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल करने में देरी को अहम माना है, लेकिन कहा कि संपत्ति के अधिकार की रक्षा के लिए इस देरी को हम माफ करते है। आर्टिकल ३००ए में निहित संपत्ति के अधिकार की रक्षा करने की जरुरत पर देरी को प्राथमिकता नहीं दी जा सकती है। कानूनी कार्यवाही में संतुलन बनाना जरूरी है। व्यक्तिगत संपत्ति की रक्षा और उसे मान्य करने का अधिकार केवल देरी और निष्क्रियता के आधार पर खारिज नहीं किया जा सकता। शहरी सुधार ट्रस्ट की ओर से दायर चार अपीलों को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है। इन अपीलों में राजस्थान हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी थी, जिसने राजस्थान शहरी सुधार अधिनियम के तहत भूमि मालिकों की जमीन के अधिग्रहण को रद्द कर दिया था।

कुलगाम में एनकाउंटर 5 आतंकी ढेर

श्रीनगर (ईएमएस): जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले के कदेर इलाके में सेना और पुलिस ने जॉइंट ऑपरेशन में ५ आतंकियों को ढेर कर दिया। इनमें हिजबुल मुजाहिदीन का कमांडर फारूक अहमद भट्ट भी शामिल है। हालांकि, आतंकियों के शव मिलने बाकी हैं। मुठभेड़ में दो जवान भी घायल हुए हैं। गुरुवार सुबह सेना और पुलिस को इलाके में आतंकियों के छिपे होने की जानकारी मिली थी। इसके बाद जॉइंट सर्च ऑपरेशन चलाया गया। तलाशी के दौरान आतंकियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। सेना ने भी जवाबी कार्रवाई की।

पंजाब में फिर थाने पर अटैक

चंडीगढ़ (ईएमएस): पंजाब में एक बार फिर पुलिस चौकी पर हमला किया गया है। बख्शीवाला पुलिस चौकी पर ग्रेनेड से हमला करने का मामला सामने आया है। आतंकी संगठन खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स ने इसकी जिम्मेदारी ली है।

राष्ट्रपति ने गोवा मुक्ति दिवस पर वीरों को दी श्रद्धांजलि, राज्यवासियों को शुभकामनाएं

नई दिल्ली (ईएमएस): राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुरुवार को गोवा मुक्ति दिवस के अवसर पर राज्य के लोगों को शुभकामनाएं दीं और स्वतंत्रता सेनानियों व सशस्त्र बलों के असाधारण साहस को नमन किया। हर साल १९ दिसंबर को गोवा मुक्ति दिवस पुर्तगाल के औपनिवेशिक शासन से राज्य की मुक्ति के उपलक्ष्य में मनाया जाता है।

राष्ट्रपति मुर्मु ने अपने संदेश में कहा, गोवा मुक्ति दिवस पर, राष्ट्र उन वीरों को श्रद्धांजलि देता है जिन्होंने औपनिवेशिक शासन से गोवा की मुक्ति के लिए निस्वार्थ बलिदान दिया।

हम निडर स्वतंत्रता सेनानियों और सशस्त्र बलों के असाधारण साहस व अटूट समर्पण को नमन करते हैं। उन्होंने गोवा के निवासियों को बधाई देते हुए कहा, मैं गोवा के लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं देती हूं और उनके समृद्ध भविष्य की कामना करती हूं।

गोवा मुक्ति दिवस १९६१ में भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा किए गए ऑपरेशन विजय की सफलता की याद में मनाया जाता है। इस सैन्य अभियान के जरिए गोवा को पुर्तगाली शासन से मुक्त कराया गया था, जो ४५० वर्षों तक वहां कायम रहा। यह दिवस गोवा के इतिहास और संस्कृति में गर्व का प्रतीक है। राष्ट्रपति के संदेश के साथ, पूरे देश में गोवा की आजादी के नायकों को श्रद्धांजलि देने और उनके बलिदानों को याद करने का सिलसिला जारी है।

सुप्रीम कोर्ट में भावुक याचिका दायर, बच्ची के इलाज के लिए 14 करोड़ के इजेंक्शन की जरुरत, प्लीज मदद करें

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से मांगा जबाव

नई दिल्ली (ईएमएस): सुप्रीम कोर्ट में एक भावुक याचिका दायर की गई है, इस याचिका में ११ माह की एक बच्ची के इलाज के लिए १४ करोड़ रुपये की आवश्यकता की बात की गई है। बच्ची स्पाइनल मस्क्युलर अट्रोफी (एसएमए) नामक एक दुर्लभ और खतरनाक बीमारी से जूझ रही है, जिसका समय रहते इलाज नहीं किया गया, तब २४ महीने की उम्र तक जानलेवा हो सकती है। इस बीमारी में बच्चों की मांसपेशियां कमजोर हो जाती हैं, जिससे सांस लेने में परेशानी होती है और शरीर के अन्य अंगों का कार्य प्रभावित होता है। इस गंभीर स्थिति में बच्ची को बचाने के लिए उसकी मां ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है।

एसएमए के विभिन्न प्रकार होते हैं, जिसमें से सबसे गंभीर प्रकार में बच्चे की मौत २ साल की उम्र से पहले हो सकती है। इस बीमारी का कोई स्थायी इलाज नहीं है, लेकिन हाल के वर्षों में ज़ोलजेंस्मा नामक एक इंजेक्शन को इस बीमारी के इलाज के लिए मंजूरी दी गई है, जो बेहद महंगा है और इसका असर बच्चे की स्थिति को स्थिर करने और मांसपेशियों को फिर से सक्रिय करने में मदद करता है।

याचिका में बच्ची की मां ने अपील की है कि उनकी बच्ची को इलाज के लिए ज़ोलजेंस्मा इंजेक्शन की तत्काल जरुरत है, जिसकी कीमत १४ करोड़ २० लाख रुपये है। दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ने इस इंजेक्शन के लिए यही राशि निर्धारित की है, जो एक सामान्य परिवार के लिए जुटाना नामुमकिन है। याचिकाकर्ता ने बताया कि बच्ची के पिता भारतीय वायुसेना में एक नॉन-कमीशंड अधिकारी है वायुसेना में सैनिकों और उनके आश्रितों के इलाज के लिए एक प्रावधान है, लेकिन दुर्लभ बीमारियों के इलाज के लिए दी जाने वाली वित्तीय सहायता में इस बीमारी का इलाज शामिल नहीं है। इस कारण से बच्ची के परिवार को काफी कठिनाई हो रही है। सैनिकों के बीच क्राउड फंडिंग (आपसी चंदे से राशि जुटाने) के लिए उच्च अधिकारियों ने अनुमति देने से मना कर दिया।

मंत्री नितिन गडकरी ने यूट्यूब पॉडकास्ट के दौरान कहा-सेक्स रेश्यो का संतुलन जरूरी

नई दिल्ली (ईएमएस): केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने एक यूट्यूब पॉडकास्ट में कहा कि समाज में सेक्स रेश्यो का संतुलन जरूरी है। अगर १५०० महिलाओं और १००० पुरुष होंगे, तो पुरुषों को २ पत्नियां रखने की इजाजत देनी पड़ सकती है। इस शो में गडकरी ने कहा कि लिवइन रिलेशनशिप का कॉनसेप्ट गलत है और यह समाज के नियमों के खिलाफ है। समलैंगिक विवाह भी सामाजिक ढांचे को ध्वस्त कर देगा। गडकरी ने कहा कि बच्चे पैदा करना और उनका सही तरीके से पालन-पोषण करना माता-पिता का कर्तव्य है। अगर आप कहते हैं कि आपने मजे के लिए बच्चे पैदा किए हैं और जिम्मेदारी नहीं उठाना चाहते तो यह सही नहीं है। २०११ की जनगणना के मुताबिक, भारत में प्रति १००० पुरुषों पर ९४३ महिलाएं हैं। २०२१ में नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे-५ की रिपोर्ट के मुताबिक, देश में प्रति १००० पुरुषों पर १०२० महिलाएं हैं।

महिलाएं बहीं तो पुरुषों को रखनी पड़ेंगी 2 पत्नियां

गडकरी ने कहा- एक बार मैंने लंदन में ब्रिटिश संसद का दौरा किया था। इस दौरान मैंने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री से उनके देश के सामने खड़े सबसे बड़े मुद्दों के बारे में पूछा था। तब मुझे पता चला कि यूरोपीय देशों में सबसे बड़ी समस्या यह है कि पुरुष-महिलाएं शादी में रुचि नहीं रखते और लिवइन रिलेशनशिप को प्राथमिकता देते हैं।

कांग्रेस विधायिका श्वेता सिंह ने एल.बी.सिंह देवप्रभा परिवार से भेंट कर संवेदना प्रकट की

आज होगा स्वर्गीय रामदेव सिंह के सद्गति के लिए 24 घंटे का रामायण-पाठ और अष्टजाम

धनबाद (कासं) : धनबाद कोयलांचल के जाने माने प्रसिद्ध समाजसेवी सह भाजपा के वरिष्ट नेता लाल बाबू सिंह के पिता स्वर्गीय रामदेव सिंह के निधन की खबर सुनकर बोकारो के कांग्रेस विधायक श्वेता सिंह ने आज शोकाकुल देवप्रभा परिवार और एल.बी.सिंह सहित उनके बड़े भाई शत्रुघ्न सिंह, भरत सिंह, कुंमनाथ सिंह, लखन सिंह, विश्वविजय सिंह आदि से उनके घरों पर जाकर संवेदना प्रकट की।

बोकारो की महिला विधायक और पूर्व मंत्री समरेश सिंह की बहू श्वेता सिंह ने कहा कि समाजसेवी सह उद्योगपति स्वर्गीय रामदेव सिंह से उनके ससुर पूर्व मंत्री समरेश सिंह से पारिवारिक संबंध था। श्वेता सिंह ने कहा है कि इस दुख की घड़ी में हम और मेरा परिवार एल.बी.सिंह के परिवार के साथ खड़ा है। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की है कि भगवान विष्णु और महादेव भगवान शिव उन्हें स्वर्ग प्रदान करें। एल.बी.सिंह के पिता के निधन की खबर सुनकर कई सांसद विधायक और अधिकारियों ने मिलकर शोक संवेदना प्रकट किया था।

आज शुक्रवार २० दिसम्बर को स्वर्गीय रामदेव सिंह के सद्गति के लिए अखंड रामायण का पाठ २४ घंटे का रखा गया है और शनिवार २१ दिसम्बर को कुसुम बिहार फेज-२ के काशी निवास में महाप्रसाद और ब्राह्मण भोज का आयोजन किया गया है।

खनन टास्क फोर्स पर जानलेवा हमला, 4 पर मामला दर्ज

धनबाद (कासं) : जिला खनन पदाधिकारी रितेश राज तिग्गा के निर्देश पर गुरुवार की सुबह खान

अवैध बालू लदे चार वाहन जब्त

निरीक्षक विजय करमाली, सुमित प्रसाद एवं आवंटित पुलिस बल द्वारा जांच अभियान चलाया जा रहा था। इस क्रम में टीम ने बालाजी पेट्रोल पंप के पास बलियापुर रोड पर बिना परिवहन चालान के बालू लदे २ ट्रैक्टर को पकड़ा।

जब तक आगे की कार्रवाई की जाती इससे पहले अचानक ८१० व्यक्तियों ने धारदार हथियार, लाठी, डंडा, बेलचा, पत्थर इत्यादि से खनन टास्क

फोर्स पर जानलेवा हमला कर दिया और जबरन बिना परिवहन चालान के बालू लदे दोनों वाहनों को वहां से भगा दिया। स्थानीय लोगों से पूछताछ के दौरान हमलावरों के नाम की जानकारी टीम को प्राप्त हुई।

इसके बाद सरायढेला थाना में कोला कुसमा निवासी राजेंद्र सिंह, असीम मंडल उर्फ चीकू मंडल, राकेश मंडल उर्फ प्रकाश मंडल तथा गोर्विदपुर के रहने वाले राहुल सिंह एवं अन्य अज्ञात लोगों के विरुद्ध खनन टास्क फोर्स पर जानलेवा हमला करने के लिए नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई।

इससे पहली टीम ने सुबह लगभग ८ बजे डीजीएमएस के सामने हटिया मोड़ के पास चार टाटा ४०७ संख्या जेएच १० जी ४७३७, जेएच १० ए ३२८२, जेएच ०९ एम ७४७८ तथा बीआर १६ जी ८९६३ को बिना परिवहन चालान के बालू का परिवहन करते पकड़ा। टीम ने चारों वाहन को जब्त करके धनबाद थाना को सुपुर्द कर प्राथमिकी दर्ज करा दी गई।

आईएसएम के पूर्व छात्र प्रो. राकेश सलाम की मौत

धनबाद (कासं) : दीक्षांत समारोह में बुधवार की शाम एक पास आउट छात्र की मौत हो गई। प्रबंधन के कार्यालय सूत्रों से मिली जानकारी मुताबिक छत्तीसगढ़ निवासी ४१ वर्षीय प्रो राकेश सलाम का दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। प्रो राकेश सलाम २०१७ बैच में पास आउट हुए थे। वह १४ दिसंबर को आयोजित दीक्षांत समारोह में डिग्री लेने पहुंचे थे। प्रबंधन सूत्रों के मुताबिक राकेश सलाम के सीने में दर्द उठा था। जिससे वह गिर पड़े थे। मौके पर अन्य छात्रों ने उन्हें उठाकर परिसर स्थित हेल्थ सेंटर ले गए। जहां डॉक्टर्स ने उन्हें जालान अस्पताल रेफर कर दिया। वहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। घटना की सूचना राकेश सलाम के परिजनों को दे दी गई है। राकेश सलाम उत्तर प्रदेश नोएडा के बेनेट यूनिवर्सिटी में असिस्टेंट प्रोफेसर थे।

मुगमा में कोयला लोड दो ट्रैक्टर जब्त

निरसा (ससे) : निरसा थानांतर्गत मुगमा स्टेशन रोड स्थित हाई स्कूल के समीप बुधवार रात शीतलपुर सीआईएसफ हेड क्वार्टर की टीम ने छापामारी कर कोयला लदे दो ट्रैक्टर को जब्त किया। जब्त दोनों ट्रैक्टरों को निरसा पुलिस के हवाले कर दिया गया।

टीम को सूचना मिली थी कि हाई स्कूल के बगल स्थित सक्षम भट्ठा में इन दिनों चोरी का कोयला ट्रैक्टर, पिकअप वाहन व बाइक साइकिल से धड़ल्ले लिया जा रहा है। फैक्ट्री में जमा कोयले को ट्रकों के माध्यम से जाली कागजात के माध्यम से पश्चिम बंगाल, बिहार एवं उत्तर प्रदेश भेजा जा रहा है। इसी आधार पर सीआईएसएफ की टीम ने बीती रात्रि सक्षम फैक्ट्री के बगल में जब छापेमारी करने

पहुंची तो टीम ने देखा कि सक्षम सीआईएसएफ टीम के इस फैक्ट्री के बाहर कोयला लोड दो अभियान से तस्करों के बीच ट्रैक्टर अंदर जाने के लिए खड़ा है। खलबली है।

पुलिस के हत्थे चढ़ा लाल वारंटी

लोयाबाद (ससे) : लोयाबाद थाना प्रभारी सत्यजीत कुमार ने गुप्त सूचना पर चार साल से धनबाद कारा से फरार लाल वारंटी देव भुईयां उम्र २८ वर्ष को सेन्द्रा नं.१० से गिरफ्तार किया। लोयाबाद थाना में गुरुवार को प्रेस वार्ता कर थाना प्रभारी सत्यजीत कुमार ने बताया कि देव भुईयां का पूर्व में अपराधिक इतिहास रहा है। देव भुईयां की गिरफ्तारी धनबाद पुलिस के लिए काफी चुनौती भरा था। यह बार बार अपना ठिकाना बदलता रहता था। कुछ दिनों से हजारीबाग में होने की सूचना पुलिस को थी। देव भुईया पर कतरास थाना में पोस्को एक्ट का मामला दर्ज था। वह २० वर्ष का सश्रम सजा काट रहा था। २०२१ में वह धनबाद कारा से फरार हो गया था। लोयाबाद थाना कांड संख्या १९/१९, ७२/१९, केन्द्रुआडीह कांड संख्या २९/१९, में मामला दर्ज था। फरारी के बाद भी यह फिरौती, लूटपाट, रंगदारी, मारपीट आदि घटना को अंजाम देता था। जिसमें कतरास थाना कांड संख्या ३२७/२२, राजगंज थाना कांड संख्या ७१/२२, ईस्ट बसेरिया ओपी कांड संख्या ३२७/२२ दर्ज है। पुलिसिया पूछताछ जारी है। पूछताछ में क्रम में किसी बड़े गिरोह के लिए काम करने की बात सामने आई है, जिसकी जांच पड़ताल पुलिस कर रही है। गिरफ्तारी टीम में एसआई राहुल कुमार सिंह व हवलदार दलित उरांव शामिल थे।

महिलाओं के लिए कानूनी जागरुकता जरूरी : न्यायाधीश

धनबाद (कासं) : महिलाओं तथा विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाली महिलाओं के उत्थान के लिए कानूनी जागरुकता का सर्वोपरि महत्व है। वे अपने कानूनी और अन्य अधिकारों, समाज में अपनी स्थिति और अपनी समस्याओं के समाधान के बारे में अनभिज्ञ हैं। इसी कारण से राष्ट्रीय महिला आयोग ने राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार के सहयोग से विधान से संविधान योजना को चला रही है। जिसके तहत जिला विधिक सेवा प्राधिकार चेयरमैन सह प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश वीरेंद्र कुमार तिवारी के निर्देश पर राष्ट्रीय महिला आयोग के सहयोग से महिलाओं को जागरूक बनाने का काम कर रही है। उक्त बातें गुरुवार को सिविल कोर्ट में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अवर न्यायाधीश राकेश रोशन ने कही। उन्होंने कहा कि जब तक महिलाएं अपने अधिकार के प्रति जागरूक नहीं होगी और कानून को नहीं जानेगी तब तक वह विभिन्न तरीकों से प्रताड़ित होती रहेगी। कार्यक्रम में एलएडीसीएस और डालसा के पैनल अधिवक्ताओं ने भी महिलाओं से संबंधित कानून, उनके अधिकार व विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी।

मजदूरों की मांग को लेकर आमरण अनशन जारी

जोड़ापोखर (ससे) : सेल कंपनी जीतपुर के कोलियरी गेट के समक्ष की मजदूरों के पांच सूत्री मांग को लेकर विजय कुमार गुप्ता द्वारा की जा रही भूख हड़ताल का चौथा दिन भी जारी रहा। चौथे दिन डॉक्टर की टीम विजय कुमार गुप्ता का स्वस्थ्य जांच किया। सेल प्रबंधन ने असंगठित मजदूर मोर्चा के प्रतिनिधिमंडल को वार्ता के लिए बुलाया, परंतु एक बार फिर वार्ता विफल रहा। मोर्चा के प्रतिनिधिमंडल तथा सेल के चासनाला अधिकारी द्वारा सुबह से कई चक्र वार्ता हुई, परंतु कोई नतीजा नहीं निकल सका। चार दिनों से वार्ता विफल होने से मजदूरों में आक्रोश व्याप्त है। मजदूरों द्वारा शुक्रवार को सेल प्रबंधन के खिलाफ उग्र आंदोलन की चेतावनी दिया। वार्ता में प्रबंधन की ओर से महाप्रबंधक बादल मंडल, चासनाला से पहुँचे अधिकारी उदय कुलकर्णी, यूनियन प्रतिनिधि निताई महतो, राजकुमार सिंह, संजय सिंह, सुरेश सिंह, नगीना पासवान, भगलू राउत, पंकज कुमार आदि मौजूद थे।

हृदय रोग जांच शिविर का आयोजन

जोड़ापोखर (ससे) : कम उम्र में हृदयघात के बढ़ते मामलों और लोगों को इसके प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से रूबी जेनरल हॉस्पिटल एवं माहि हेल्थ केयर के तत्वावधान में नि:शुल्क हृदय रोग जांच शिविर का आयोजन झरिया ऊपर कुल्ही में किया गया। शिविर में मरीजों की भीड़ उमड़ी पड़ी।

शाम पांच बजे तक २०५ मरीजों की जांच की गई। सभी लोगों का ईसीजी, सुगर की भी जाँच की गई। रूबी जेनरल हॉस्पिटल के हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ.संख्दिप प्रमाणिक एवं संदीप सरकार ने मरीजों को स्वास्थ्य परीक्षण किया। शिविर में वृद्धों, युवा के अलावा काफी संख्या में महिलाएं भी जांच कराने पहुंचे। डॉ.संख्दिप प्रमाणिक ने कहां की हमारा उद्देश है कि ज्यादा से ज्यादा लोगों को हृदय रोग जैसी बीमारी से बचाया जा सके। आर्थिक रूप से कमजोर एवं (बीपीएल धारक) जैसे लोगों को हृदय रोग जैसी बीमारी से मुक्त कराया जाए। काफी संख्या में हृदय रोग के मरीज शिविर में मिले है। जिनका नि:शुल्क एवं बेहतर इलाज के लिए बुलाया गया था। आयुष्यमान भारत योजना के तेहत उनका इलाज किया जायेगा माहि हेल्थ केयर संस्थापक मो मक़सूद ने कहा की अभी तक दर्जनों शिविर का आयोजन किया जा चुंका है। झरिया में पहली बार शिविर लगाया गया है। हृदयघात के बढ़ते मामलों को देखते हुए जगह जगह शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर में हृदय रोग विशेषज्ञ के साथ साथ ईसीजी, सुगर की भी जाँच की जाती है। गरीब एवं आर्थिक रूप से लाचार हृदय रोग जैसे बीमारियों का इलाज नहीं करवा सकते वो शिविर में आकर अपना इलाज करवा सकते है। शिविर में मुख रूप से मक़सूद अंसारी, मो मुख्तार ,फिरदौस अंसारी, नाजिया परवीन, जावेद अंसारी, मो नसीम, मो इम्तियाज़ आदि थे।

प्रदूषण के विरुद्ध जमसं ने बंद कराया साइडिंग

जोड़ापोखर (ससे) : विधानसभा चुनाव खत्म होते ही रघुकुल समर्थकों की जन समस्या को लेकर आंदोलन की गतिविधियां तेज हो गई है। इसी क्रम में गुरुवार को पूर्व डिप्टी मेयर एकलव्य सिंह के निर्देश पर लोदना क्षेत्र के जमसं पूर्णिमा गुट के समर्थकों ने प्रदूषण पर रोक लगाने सहित अन्य मांगों को लेकर क्षेत्र के नौ नंबर साइडिंग एवं कांटा घर को अनिश्चितकाल के लिए जबरन बंद करा दिया है। साइडिंग और कांटा घर के बंद होने से पावर हाउस को रेलवे रैक से होनेवाली कोयला डिस्पैच पूर्ण रूप से प्रभावित हो गया है। संघ समर्थको ने बिना लिखित सूचना के आज सुबह में रामबाबू सिंह एवं रूपक सिन्हा के नेतृत्व में

साइडिंग में प्रदर्शन करते हुए आउटसोर्सिंग एवं बीसीसीएल प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए आउटसोर्सिंग परियोजना से बड़े पैमाने पर उड़ रही धूल कण पर तत्काल रोक लगाने, हैवी ब्लास्टिंग पर रोक लगाते हुए नियमित ब्लास्टिंग करने तथा आउटसोर्सिंग परियोजना के जद में आनेवाली घरों व मोहल्लों को सुविधा के साथ एक स्थान पर विस्थापित करने की मांग की है।

श्याम अमृत महोत्सव की तैयारी को ले बैठक

निरसा (ससे) : तीन बानधारी भक्त मंडल चिरकुंडा द्वारा दो दिवसीय श्याम अमृत महोत्सव की तैयारी को लेकर चिरकुंडा उपर बाजार स्थित धनंजय शर्मा के आवास में बुधवार की संध्या बैठक संपन्न हुई। बैठक में मंडल के सदस्यों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि चिरकुंडा सोनारडंगाल के रेलवे साइडिंग लाइन के समीप स्थित प्रकृति फार्म (पुराना एफसीआई गोदाम) में दो दिवसीय श्याम अमृत महोत्सव ४ जनवरी से प्रारंभ होगा जो ५ जनवरी को समापन होगा।

इसकी जानकारी देते हुए मंडल के अनिल शर्मा व संजय शर्मा ने बताया कि दो दिवसीय श्याम महोत्सव में ४ जनवरी को भव्य निशान शोभा यात्रा निकाली जाएगी, जो चिरकुंडा से पश्चिम बंगाल के न्यामतपुर स्थित दादी श्याम मंदिर तक जाएगा। वहीं ५ जनवरी की संध्या भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। जिसमें नागपुर से कृष्ण प्रिया व जमशेदपुर से कृष्णा मूर्ति भजन गाकर श्रद्धालुओं को भाव विभोर करेंगे।

बैठक में मंडल के अनिल शर्मा, संजय शर्मा, बुद्धराम शर्मा, धनंजय शर्मा, टिंका गाड़िया, संदीप जिंदल, किटू सरदार, भोला सिंह, संदीप अग्रवाल, गप्पू शर्मा, संजय केजरीवाल, श्यामा सेन, मनोज हकुा, विक्की अग्रवाल, छोटू अग्रवाल, संजय अग्रवाल, श्याम अग्रवाल, पवन अग्रवाल आदि सदस्यगण मौजूद थे।

संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करेंगे श्री श्री रवि शंकर

धनबाद (कासं) : श्री श्री रवि शंकर २१ दिसंबर को संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा विश्व ध्यान दिवस के रूप में घोषित किए जाने के बाद एक ऐतिहासिक लाइव वैश्विक ध्यान का मार्गदर्शन करेंगे। यह क्षण एक नई शुरुआत का प्रतीक है। यह ध्यान के अद्भुत और परिवर्तनकारी लाभों को वैश्विक स्तर पर स्वीकार किए जाने का दिन है। ध्यान न केवल लोगों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है, बल्कि यह समाज में शांति और एकता का संदेश भी देता है। विश्व ध्यान दिवस एक वार्षिक उत्सव बनने जा रहा है जो पूरी दुनिया को एकसूत्र में जुड़ने का अवसर प्रदान करेगा। प्रेस विज्ञप्ति

जारी कर संस्था के झारखंड मीडिया प्रभारी अजय मुखर्जी ने यह जानकारी दी। भारत के स्थायी मिशन द्वारा २० दिसंबर को संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय न्यूयॉर्क में विश्व ध्यान दिवस का आयोजन किया जाएगा। इस समारोह में गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर मुख्य वक्त होंगे। यह ऐतिहासिक अवसर वैश्विक शांति और सामंजस्य के लिए ध्यान विषय पर आयोजित किया जाएगा जो पहले विश्व ध्यान दिवस के रूप में मान्यता प्राप्त करेगा।

इस विषय पर गुरुदेव ने कहा संयुक्त राष्ट्र द्वारा ध्यान की स्वीकृति एक महत्त्वपूर्ण कदम है। ध्यान आत्मा को पोषित करता है, मन को शांत करता है और आधुनिक चुनौतियों का समाधान प्रदान करता है।

भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक

जोड़ापोखर (ससे) : बृहस्पतिवार को भारतीय जनता पार्टी बलियापुर पश्चिम मंडल अध्यक्ष बीरांची सिंह की अध्यक्षता में कार्यकर्ताओं की बैठक हुई। जिसमे सदस्यता अभियान में ज्यादा से ज्यादा लोगों को मिस कॉल के माध्यम से जोड़ने का कार्यक्रम करना है। इसके अतिरिक्त क्षेत्र में हो रहे विकास के कार्यों पर बढ़ चढ़ कर भाग लेने पर विचार विमर्श किया गया। जिसमें मुख्य रूप से जमशेदपुर से चलकर आए ग्रामीण जिला प्रभारी शैलेंद्र सिंह, सिंदरी विधानसभा प्रत्याशी तारा, प्रदेश कार्य समिति सदस्य धर्मजीत सिंह, प्रभारी मनोज मिश्रा, जगदीश, महामंत्री मुक्तेश्वर महतो, उपाध्यक्ष जय राम रवानी, उपाध्यक्ष कुलदीप साव, मनबोध रवानी, मंटू रवानी, शैलेंद्र मंडल, पंकज सिंह, श्रीराम गोराई, हरे कृष्णा रवानी, कुमार महतो, अशोक महतो, जयदेव महतो, मुकेश मोदक, विनोद रवानी, गुप्तेश्वर साव आदि शामिल हुए।

अनुश्रवण समिति के सदस्यों को मिला प्रशिक्षण

धनबाद (कासं) : नगर आयुक्त रवि राज शर्मा की अध्यक्षता में गुरुवार को न्यू टाउन हॉल में वार्डवार प्रतिनियुक्त प्रगणक एवं वार्ड स्तरीय अनुश्रवण समिति के सदस्यों को प्रशिक्षण दिया गया।

इस संबंध में नगर आयुक्त ने कहा कि नगर पालिका निर्वाचन २०२४ के निमित्त पिछड़े वर्गों को आरक्षण दिए जाने की पात्रता निर्धारण के लिए नगर निगम के ५५ एवं चिरकुंडा नगर परिषद के २१ वार्ड में प्रगणक द्वारा डोर टू डोर सर्वे किया जाना है।

प्रशिक्षण के दौरान प्रगणकों को सावधानीपूर्वक और ध्यान से वोटर लिस्ट का वार्ड वार बिखंडीकरण करने और डोर टू डोर सर्वे कर त्रुटि रहित प्रपत्र १ सहित अन्य प्रपत्रों को भरने का प्रशिक्षण दिया गया।

साथ ही निवर्तमान वार्ड पार्षद, वार्ड सुपरवाइजर एवं वार्ड में कार्यरत एक सरकारी कर्मी के साथ गठित तीन सदस्यीय वार्ड स्तरीय अनुश्रवण समिति के सदस्यों को प्रतिदिन सर्वे की निगरानी रखने और प्रगणकों की सहायता करने का अनुरोध किया गया। नगर आयुक्त ने कहा कि सभी प्रगणकों को ३१ दिसंबर तक सर्वे पूरा कर लेने के लिए निर्देशित किया है। इसके बाद दावा आपत्ति के लिए ७ दिन रहेंगे। उन्होंने सभी प्रगणकों को अपनी पूरी क्षमता के साथ सर्वे करने और निर्धारित समयावधि में सर्वे पूरा करने का अनुरोध किया।

प्रशिक्षण में नगर आयुक्त रवि राज शर्मा, अपर नगर आयुक्त कमलेश्वर नारायण, जिला पंचायती राज पदाधिकारी मुकेश कुमार बाउरी, चिरकुंडा नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी विजय कुमार हांसदा, प्रशिक्षक दिलीप कुमार कर्ण, पुरुषोत्तम कुमार सिंह के अलावा धनबाद, बाघमारा, एगारकुंड एवं बलियापुर के प्रखंड विकास पदाधिकारी, धनबाद, बाघमारा, झरिया, पुटकी, एगारकुंड एवं बलियापुर के अंचल अधिकारी, सभी वार्ड के निवर्तमान पार्षद उपस्थित थे।

अमित शाह के बयान के खिलाफ हाड़ी समाज में उबाल

धनबाद (कासं) : बाबा साहेब डॉ. भीम राव अंबेडकर पर किए गए गृह मंत्री अमित शाह के द्वारा विवादित टिप्पणी के खिलाफ गुरुवार को हाड़ी समाज ने संयुक्त रूप से अमित शाह का रणधीर वर्मा चौक पर पुतला जलाया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि बाबा साहेब अंबेडकर पर टिप्पणी कर गृहमंत्री अमित शाह ने ओछी मानसिकता का परिचय दिया है। भारतीय संविधान के रचयिता पर ऐसा बयान अशोभनीय है। पार्टी इसकी घोर निंदा करती है। बाबा साहेब पर निंदनीय टिप्पणी को नहीं सहेंगे। वक्ताओं ने कहा कि अविलम्ब अमित शाह को गृहमंत्री के पद से हटाया जाना चाहिए। पुतला दहन कार्यक्रम में राजू प्रसाद हाड़ी, अजय हाड़ी, कार्तिक प्रसाद हाड़ी, मनोज हाड़ी, कार्तिक हाड़ी, मनु हाड़ी, भोला हाड़ी, संजय हाड़ी, प्रकाश हाड़ी, दिनेश हाड़ी, मनोज हाड़ी, राम प्रसाद, पाजी हाड़ी, विकाश हाड़ी आदि उपस्थित हुए।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ापाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक -गणेश मिश्रा. फोन -9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

जमीन कारोबारी को मारी गोली, जांच में जुटी पुलिस

धनबाद (कासं) : सिंदरी के कांड्रा में गुरुवार की देर शाम फायरिंग की घटना हुई है। यह घटना शाम लगभग ६ बजे के आसपास हुई। जिस व्यक्ति को गोली मारी गई है, उसका नाम प्रमोद सिन्हा बताया गया है। यह घटना कांड्रा के चिटाही बस्ती में हुई है। सूचना के मुताबिक दो बाइक सवार प्रमोद सिन्हा पर फायर झोंक दिया। उसके बाद चलते बने। इलाके बाद क्षेत्र में अफरातफरी का माहौल कायम हो गया। प्रमोद सिन्हा को धनबाद अस्पताल ले जाया गया।

सूचना है कि प्रमोद सिन्हा जमीन कारोबार से भी जुड़े हुए थे, लेकिन इसकी पुष्टि नहीं हो रही है। कोई कह रहा है कि ठेका के काम से भी जुड़े हुए है। घटना की सूचना पुलिस को मिल गई है और पुलिस छानबीन में जुट गई है।

अमित शाह के बयान पर शमशेर आलम ने जतायी आपति

धनबाद (कासं) : डॉ.बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के नाम को लेकर दिया गया बयान न केवल असंवेदनशील है, बल्कि उनकी गरिमा और सम्मान के खिलाफ है। अंबेडकर सिर्फ एक नाम नहीं, बल्कि भारतीय संविधान और सामाजिक न्याय का आधार हैं। ऐसे बयान यह दर्शाते हैं कि भाजपा के नेताओं में न केवल संवेदनशीलता की कमी है, बल्कि उनके विचारों और योगदान को समझने की भी कमी है। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि जिनका नाम समानता, अधिकार और न्याय का प्रतीक है, उनके नाम पर इस तरह की हल्की टिप्पणियां की जाती हैं। अमित शाह जैसे वरिष्ठ नेता से ऐसी अपेक्षा नहीं थी। उनके बयान से समाज के उन वर्गों की भावनाएं आहत हुई हैं, जिनके अधिकारों और स्वतंत्रता के लिए अंबेडकर ने अपना जीवन समर्पित कर दिया।

ऐसे बयान न केवल डॉ. अंबेडकर का अपमान हैं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र और संविधान के मूल्यों का भी अनादर करते हैं। अमित शाह को इस गैरजिम्मेदाराना बयान के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, अमित शाह को अविलम्ब बर्खास्त करना चाहिए।

झारखंड से मजदूरों का पलायन रुकेगा : उद्योग मंत्री

गोविंदपुर (ससे) : श्रम नियोजन प्रशिक्षण कौशल विकास एवं उद्योग मंत्री संजय यादव ने गुरुवार को पार्कलेन कौआबांध में मीडिया से कहा कि उन्होंने अपने विभाग की समीक्षा की है। झारखंड से मजदूरों का पलायन रोकने की दिशा में वह काम करेंगे। राज्य में उद्योग फले-फूले, इस दिशा में भी काम करेंगे। उन्होंने कहा कि यदि झारखंड में उद्योग चलेंगे तो यहां के मजदूरों को पलायन करना नहीं पड़ेगा।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी मजदूरों को अधिक से अधिक सुविधा देने तथा झारखंड में उद्योगों का जाल बिछाने की दिशा में प्रयासरत है। देशविदेश कहीं भी मजदूरों पर आफत आती है तो मुख्यमंत्री ऐसे मामलों को गंभीरता से लेते हैं।

उन्होंने कहा कि उन्होंने अपने विभागों के सभी अधिकारियों को निर्देश दे दिया है कि कार्यालय में बिचौलिया और दलालों को बैठने नहीं दे। ऐसे लोगों से सावधान रहें।

बिचौलियावाद एवं दलाली से विभाग की बदनामी होती है। इसके पूर्व पार्कलैंड रिजॉर्ट कौआबांध पहुंचने पर राकेश यादव एवं संतोष कुमार की अगुवाई में मंत्री का स्वागत किया गया।

यादव महासभा के बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। स्वागत करने वालों में कांग्रेस नेता सुंदर प्रसाद यादव, सुरेश प्रसाद यादव, आरएन सिंह, लालमुनी यादव, महेंद्र यादव, मुमताज कुरैशी, मजहर आलम, मानस रंजन, शंकर यादव, बसंत यादव, शशि शेखर, बालेश्वर यादव, शिवजी सिंह यादव, चंद्रदेव यादव, राकेश कुमार, राजेश्वर यादव, संजय यादव आदि शामिल थे।

एसएसएलएनटी में टीवी उन्मूलन जागरूकता कार्यक्रम

धनबाद (कासं) : भारतीय रेडक्रास समिति धनबाद के प्रयास से टीवी उन्मूलन जागरुकता अभियान लुबी सर्कुलर रोड स्थित एसएसएलएनटी में किया गया। इस दरम्यान जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डा. सुनील कुमार, चेयरमैन भारतीय रेडक्रॉस समिति धनबाद कौशलेंद्र कुमार सिंह, कार्यकारिणी सदस्य सह चेयरमैन सलाहकार भारतीय रेडक्रॉस समिति कुमार मधुरेन्द्र सिंह, एसएसएलएनटी कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. शर्मिला रानी एवं कॉलेज की अन्य अध्यापिका एवं करीब डेढ़ सौ छात्राएं शामिल रही। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मो. जावेद अंसारी जिला कार्यक्रम समन्वयक ने सभी बिंदुओं पर ध्यान केंद्रित किया। संजय जायसवाल, प्रकाश लायक़, शंकर प्रमाणिक, ने अपनी सहभागिता सुनिश्चित की। अंत में कौशलेंद्र कुमार सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन दिया और टीवी कार्यक्रम को सफल बनाने का आव्हान किया। इस दरम्यान आजीवन सदस्य भारतीय रेडक्रास समिति धनबाद के रूप में डा. सुनीता हेम्ब्रम, बिमल मिंज, डा. नीलू कुमारी ने लिया। तीनों एसएसएलएनटी महाविद्यालय में विभिन्न पदों पर कार्यरत सभी का स्वागत कुमार मधुरेन्द्र सिंह, चेयरमैन सलाहकार भारतीय रेडक्रॉस समिति धनबाद ने किया।

पत्थरबाजी में प्रशासन पर एक पक्षीय कार्रवाई का आरोप

निरसा (ससे) : गोपीनाथपुर ओसीपी कोयला खदान के नजदीक गोपीनाथपुर कोलियरी बेरोजगार संघर्ष मोर्चा ने प्रशासन के एकपक्षीय कार्रवाई तथा ओसीपी में काम कर रहे स्थानीय मजदूर को बेरोजगारों करने की नीयत से एक पक्ष द्वारा दिया जा रहा धरना के विरोध में धरना दिया। बीते १६ दिसंबर को एक पक्ष के द्वारा ओसीपी में अपने ९ सूत्री मांग को लेकर धरना दिया जा राहा था जिसका वर्तमान में वहां काम कर रहे दूसरे पक्ष द्वारा विरोध किया गया था। इस दौरान हुए पत्थरबाजी में कुछ लोग घायल भी हुए। जिसमें कुछ लोग घायल हुए। इस हंगामा के बाद दोनों पक्षों द्वारा थाना में प्राथमिकी भी कराई गई। एक पक्ष का आरोप है कि प्रशासन के द्वारा सरकार के दबाव में आकर एकपक्षीय कार्रवाई किया जा रहा है, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

कतरास क्षेत्र के अध्यक्ष बने टोनी सिंह

झरिया (ससे) : कतरास क्षेत्र संख्या ४ में केंद्रीय उपाध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह की अध्यक्षता में जनता श्रमिक संघ की एक बैठक गुरुवार को बुलाई गई। जिसमें कतरास क्षेत्र के अध्यक्ष पद पर टोनी सिंह को सर्वसम्मति से मनोनीत किया गया एवं भारतीय मजदूर संघ कतरास क्षेत्र के शाखा अध्यक्ष विनोद सिंह दर्जनों पदाधिकारियों के साथ जनता श्रमिक संघ में आस्था व्यक्त करते हुए कतरास क्षेत्र के वेस्ट मोदीडीह के शाखा अध्यक्ष पद पर सर्वसम्मति से मनोनीत हुए। सभी नए पदाधिकारियों को जनता श्रमिक संघ की महामंत्री एवं झरिया विधायक रागिनी सिंह ने बुके के एवं मनोनय पत्र देकर सम्मानित किए जिसमें कतरास एरिया सचिव राजू सिंह राजपूत, शाखा सचिव राजेश सिंह, दिलीप सिंह, सीडी सिंह, शंकर बेलदार, दीपक चौहान, चंद्रशेखर महतो, शहाबुद्दीन अंसारी, मुर्शिद, हरेंद्र एवं अन्य लोग मौजूद थे।

छात्रों को बताया गया जीवन जीने की कला

झरिया (ससे) : किड्स गार्डन सेकेंडरी विद्यालय झरिया में देव संस्कृति विश्व विद्यालय शांति कुंज हरिद्वार से तीन आंतरिकता नाम अल्का श्रीवास्तवा, रीना विश्नोई, पूर्वा उजल्यान आयी जो कि हमारे विद्यालय के छात्रछात्राओं को गायत्री मंत्र का शुद्ध उच्चारण के साथ योग आसान के लिए प्रेरित किया और इसके लाभ हानि के बारे मे बताया। अनुशासन के विषय में रोज की दिनचर्या के साथ, अच्छीआदत के साथ आगे बढ़ने की उपदेश दिए। स्वास्थ्य के लिये अच्छी सेहत ही आपकी सबसे बड़ी पूंजी होती है। इसीलिए अपनी सेहत का ध्यान अत्यंत आवश्यक होता है। कभी-कभी कुछ खास टिप्स भी आपके सेहत के लिए लाभदायक सिद्ध होती है। आदि, जिसमें विद्यालय के निर्देशिका शोभा सिन्हा, प्राचार्य स्नेहलता सिन्हा भी सम्मिलित थे विद्यालय के कक्षा सातवीं और नवम् के छात्राओं ने भी प्रश्नउत्तर किए, विद्यालय के छात्र-छात्राओं को गायत्री परिवार ने सिखाया जीवन जीने की कला।

गायत्री शक्ति पीठ मंदिर बस्ताकोला के नरेश भट्ट सभी तरह के योग के बारे में उत्साहित किए, किड्स गार्डन विद्यालय उपस्थिति में कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्य भूमिका रही। असित कुमार बनर्जी मनोज कुमार, रिंकी थे।

दो बाइक की टक्कर में 1 घायल

पुटकी (ससे) : करकेंद पुल के समीप गुरुवार की दोपहर दो बाइक की टक्कर में एक बाइक सवार घायल हो गया। दूसरा बाइक सवार वहां से फरार हो गया। जानकारी के अनुसार पुटकी बैंक ऑफ़ इंडिया के समीप रहने वाले ३८ वर्षीय राकेश आनंद उर्फ़ मोंटी पोद्दार दोपहर करीब २ बजे अपनी स्कूटी से धनबाद से पुटकी अपने घर आ रहा था, तभी पारबाद पुल के पास कच्छी बलिहारी की ओर से तेज गति से आ रही बाइक ने उसे जोरदार टककर मार दी।

घटना के बाद मोंटी सड़क पर बेसुध होकर गिर पड़े, जिसे स्थानीय युवकों के सहयोग से अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं घटना में उसके पैर, सीने व शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें आयी हैं। इधर, करकेंद पारबाद पुल का इलाका क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त क्षेत्र बन गया हैं। पिछले एक महीने में कई लोग उक्त स्थल के आसपास सड़क दुर्घटना में घायल हो चुके हैं।

सदस्यता अभियान को लेकर बैठक

गोविंदपुर (ससे) : गोविंदपुर भाजपा की सदस्यता अभियान को लेकर गोविंदपुर पूर्वी मंडल की बैठक हरदेव राम स्मृति भवन में गुरुवार को मंडल अध्यक्ष तालेश्वर साव की अध्यक्षता में हुई। बैठक में जिला सदस्यता प्रभारी मोहन कुम्भकार गोविंदपुर पूर्वी मंडल के प्रभारी रतिरंजन गिरि विशेष रूप से उपस्थित थे। नेताद्वय ने कहा कि भाजपा का सदस्यता महाअभियान २२ दिसंबर से शक्ति केंद्र से प्रारंभ होगा जो १४ जनवरी तक चलेगा। दो जनवरी से १५ जनवरी तक सक्रिय सदस्य बनाये जाएंगे। संचालन विश्वनाथ पाल जबकि धन्यवाद ज्ञापन मंडल सह सदस्यता प्रभारी अशोक गिरि ने किया। बैठक में सविता बनर्जी, संतलाल सिंह चौधरी, बमबम साव, कृटि रूज, सुरेश, रवि दास, माला मंडल, खगेन चौधरी, अरूण दसौन्धी, दीपक मंडल, प्रशान्त मंडल, राजेन्द्र रजवार, युधिष्ठिर महतो आदि शामिल थे।

प्रोफ़ेसरों की टीम ने किया मुनीडीह खदान का अवलोकन

पुटकी (ससे) : आईआईटी-आईएसएम धनबाद के प्राचार्य डॉ. मृणाली पाण्डेय के नेतृत्व में देश के अलग अलग राज्यों जम्मू कश्मीर, उत्तराखंड, कोलकाता, पटना में स्थित सेंट्रल यूनिवर्सिटी सहित अलग अलग शैक्षणिक संस्थानों के ३३ प्रोफ़ेसर की टीम एन फ्यूचर लीडरशिप प्रोग्राम के तहत गुरुवार को मुनीडीह भूमिगत लोंगवाल माइंस का अवलोकन किया। उक्त टीम के सदस्यों को मूनीडीह प्रोजेक्ट के प्रोजेक्ट ऑफिसर एस के पांजा, मैनेजर डॉ सत्री राव, सहायक प्रबंधक सीता राम राऊत के नेतृत्व में मुनीडीह खदान के ५०० मीटर डेपथ में स्थित १६ नम्बर सीम में चल रहे खनन, उत्पादन एवं डिस्पैच, सेफ्टी के संदर्भ में जानकारी दी। मुनीडीह खदान के खनन से सम्बंधित अन्य तकनिकी जानकारी भी प्राप्त की। कोलियरी प्रबंधन ने सभी सदस्यों का स्वागत किया।

एनजीओ ने किया विधायक रागिनी सिंह को सम्मानित

झरिया (ससे) : ख़ुशियों की उड़ान एनजीओ की महिला सदस्यों ने गुरुवार को झरिया विधायक रागिनी सिंह से उनके आवासीय कार्यालय धनबाद में मुलाकात कर उन्हें सम्मानित किया। इस दौरान मुख्य रूप से सरिता सिंह, मंजु पाण्डे, पूनम अचिंत्य, इन्दु सिंह, निहारिका सिंह, अंजलि कल्याणी, रजनी शर्मा, कल्पना दुबे, रेखा अग्रवाल, मीनू देय, सोनू सिंह आदि मौजूद थी।

एन्जेल्स होम स्कूल का मना स्थापना दिवस

जोड़ापोखर (ससे) : डिगवाडीह स्थित न्यू एन्जेल्स होम स्कूल में गुरुवार को विद्यालय के १९वाँ स्थापना दिवस मनाया गया। मौके पर विद्यालय के निदेशक मोहम्मद परवेज अख्तर और प्राचार्य मोहम्मद आफताब आलम ने स्कूल के संस्थापक स्व. शब्बीर अख्तर को श्रद्धांजलि देते हुए कार्यक्रम का उद्घाटन किया। प्राचार्य ने स्कूल के १९ साल का सफर का बयान करते हुए

कहा की शब्बीर सर ने १९ बच्चे और २ शिक्षको के साथ स्कूल की स्थापना किए, उनका कम शुल्क में बेहतर शिक्षा देने का संकल्प रहा जो आज भी बरकरार है।

स्कूल से पढ़कर बहुत सारे बच्चे सेना और मेडिकल फील्ड में अपना परचम लहरा रहे हैं। आने वाले समय में बच्चे और बेहतर करने की अपेक्षा रखते हुए कोशिश कर रहे हैं। बच्चे अगर कुछ बेहतर करते हैं तो इसमें सिर्फ स्कूल और शिक्षकों का ही योगदान नहीं होता बल्कि इसमें अभिभावकों का भी पूर्ण सहयोग होता है क्योंकि उनके सहयोग के बिना बच्चों को कुछ भी कर पाना मुमकिन नहीं है।

प्राचार्य ने सभी अभिभावकों और शिक्षकों का धन्यवाद देते हुए कहा कि यह उनके सहयोग का ही नतीजा है कि आज स्कूल इस मुकाम पर है। आगे भविष्य में इसी प्रकार सहयोग की अपेक्षा करते हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने में साइमा, बिन्दु, इफ्तेखार, उत्तम, सोनू, संजीव, नियाज, किस्कु, सगीर, जैनब, नाहिदा, पिंकी, सुमित और स्कूल के समस्त शिक्षकगण की भूमिका सराहनीय रही।

स्व. श्यामलाल रवानी को दी गई श्रद्धांजलि

धनबाद (कासं) : झामुमो धनबाद जिला प्रवक्ता समीर रवानी के आवास पहुंचे आजसू पार्टी के

केन्द्रीय अध्यक्ष सह पूर्व उपमुख्यमंत्री झारखण्ड सरकार सुदेश कुमार महतो। विदित हो कि १५ को झामुमो जिला प्रवक्ता समीर रवानी के पिता स्व: श्यामलाल रवानी जी का लम्बी बीमारी के उपरांत देहांत हो गया था।

सूचना पाकर शोकाकुल परिवार से मिलने पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश कुमार महतो, मांडू विधायक तिवारी महतो, गोमिया के पूर्व विधायक लम्बोदर महतो, आजसू जिला अध्यक्ष मंटू महतो, बिल्डर एसोसिएशन के अध्यक्ष विनय कुमार सिंह, पूर्व जिला परिषद उपाध्यक्ष संतोष महतो, समीर रवानी के आवास पहुंच कर सभी ने दिवंगत स्व: श्यामलाल रवानी की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित किया एवं शोकाकुल परिवार को इस दुःख के समय में ढांढस बंधाया। शोकाकुल परिवार से पुत्री सुप्रिया कुमारी, ुत्र सचिन रवानी, श्वेता कुमारी सहित अन्य मौजूद थे।

पत्रकारों के लिए विधानसभा में आवाज उठाऊंगा : चन्द्रदेव महतो

बलियापुर (ससे) : पत्रकार संघ द्वारा प्लस टू हाई स्कूल प्रांगण में गुरुवार को दिवंगत पत्रकार संपद गोप की श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि सिंदरी विधायक चन्द्रदेव महतो ने पत्रकार एवं मीडिया कर्मियों के संघर्षों पर विस्तार ढंग से चर्चा की। कहा कि कठिन परिस्थितियों के बाबजूद पत्रकार अपने दायित्व का निर्वहन करते हैं।

पत्रकारों के हित में विधानसभा में आवाज उठाने की बातें कही। स्व. गोप के तस्वीर पर माल्यार्पण करने वालों में उप प्रमुख आशा देवी, बेंगू ठाकुर, मुखिया दिलीप कुमार महतो, शिक्षक आदित्य प्रसाद मिर्धा, परितोष घोषाल, स्वपन कुमार महतो, राधेश्याम रजक, नयन आचार्य, हीरालाल मोदक, शीतल दत्ता, संतोष कुमार महतो, शेख कलीम, मनोज कुमार, सुरेश प्रसाद सिंह, दिलीप कुमार, कुंदन कुमार, कुलबीर सिंह, रतन अग्रवाल, सतीश मिश्रा, शेख वकील, लालटु मिठारी, मोहम्मद आमिर, विजय कुमार ठाकुर, हरेंद्र सिंह, राहुल पांडे, किशोर रजक, अशोक कुमार, रवीश तिवारी, राहुल मोदक, संजू सेन, प्रवीण महतो, सुरेंद्र महतो, उमेश सेन, देवाशीष पांडे, अविनाश महतो, युधिष्ठिर महतो, सुनील महतो, एसके तौफीक, नयन ठाकुर, निकेश कुमार पाण्डेय, कुंदन विश्वकर्मा, एसके फहीम के अलावे धनबाद, झरिया, सिंदरी व बलियापुर के पत्रकार शामिल थे। इस दौरान स्व. गोप के आत्मा के शांति के लिए दो मिनट का मौन धारण किया।

संपादकीय

श्रीलंका ने चीन की बजाय भारत को चुना

पड़ोसी के रूप में भारत और श्रीलंका के बीच केवल कूटनीतिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि आपसी सहयोग के स्तर पर भी संबंधों की एक मजबूत कड़ी रही है। मगर पिछले कुछ समय से बदलती भू-राजनीतिक तस्वीर में श्रीलंका में चीन के प्रभाव का विस्तार होता दिखा है। हाल ही में जब वहां के संसदीय चुनाव में श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके के नेतृत्व वाले गठबंधन को भारी जीत मिली तो इस धारणा को और बल मिला कि अब शायद चीन को वहां अपने पांव और फैलाने का मौका मिलेगा।

मगर सत्ता में आने के बाद अब जिस तरह दिसानायके ने अपने विदेश दौरे के लिए सबसे पहले भारत को चुना, उससे कई संकेत उभरते हैं। यों भी कोई देश कूटनीतिक स्तर पर भले ही दुनिया भर में अपने संपर्कों का विस्तार करे, लेकिन बहुत कुछ इस पर भी निर्भर करता है कि अपने पड़ोसी देशों के साथ उसके संबंध कैसे हैं। इस लिहाज से श्रीलंका के राष्ट्रपति दिसानायके के भारत दौरे की अपनी अहमियत है।

दरअसल, करीब दो वर्ष पहले जब श्रीलंका घोर आर्थिक संकट से जूझ रहा था और वहां अराजकता जैसे हालात पैदा हुए, तब भी भारत ने उस स्थिति से उबरने में अपनी ओर से हर स्तर पर सहयोग किया था। श्रीलंका के राष्ट्रपति ने इस सहयोग को याद करते हुए एक तरह से भारत के प्रति आभार जताया और साफ शब्दों में यह आश्वासन दिया कि वे अपने देश की जमीन का इस्तेमाल भारत के खिलाफ नहीं होने देंगे। यह भारत के लिए एक राहत भरा संदेश है, क्योंकि सीमापार के इलाकों में स्थित ठिकानों से संचालित आतंकी गतिविधियों का दंश भारत ने लंबे समय से झेला है।

इसके अलावा, भारत और श्रीलंका ने अपनी साझेदारी को विस्तार देने के लिए भविष्योन्मुखी दृष्टिकोण अपनाते हुए रक्षा सौदे को जल्द अंतिम रूप देने का संकल्प लिया और बिजली ग्रिड कनेक्टिविटी और बहु-उत्पाद पेट्रोलियम पाइपलाइन स्थापित करके ऊर्जा संबंधों को मजबूत करने का भी फैसला लिया है। आर्थिक और ऊर्जा क्षेत्र में साझेदारी के साथ ही साइबर सुरक्षा के लिए नए मोर्चे पर काम करने के साथ-साथ आतंकवाद, तस्करी और संगठित अपराधों के खिलाफ साझा लड़ाई के लिए भी सहयोग को विस्तार दिया जाएगा।

कहा जा सकता है कि एक विकट दौर से निकल कर श्रीलंका अब अपनी स्थिति में सुधार के लिए ठोस प्रयास कर रहा है। इस क्रम में भारत के साथ संबंधों के नए अध्याय से भविष्य को लेकर बेहतर उम्मीदें पैदा होती हैं। गौरतलब है कि अनुरा कुमार दिसानायके जनता विमुक्ति पेरामुना यानी जेवीपी के सबसे अहम नेता रहे हैं और उन्होंने वामपंथी दलों के गठबंधन नेशनल पीपल्स पावर यानी एनपीपी के तहत चुनाव लड़ा था। एनपीपी का भारत विरोधी रुख छिपा नहीं रहा है।

इसलिए यह आशंका स्वाभाविक थी कि दिसानायके के सत्ता में पांव मजबूत होने के बाद क्या श्रीलंका की नीति बदलेगी और उसके कदम चीन की ओर बढ़ेंगे! मगर यह भी तथ्य है कि विदेश नीति के मामले में श्रीलंका अब तक गुटनिरपेक्षता की राह पर चलता आया है। आमतौर पर किसी देश की सत्ता के बदलने के बावजूद विदेश नीति में बहुत ज्यादा बदलाव नहीं आता है। सो, श्रीलंका और भारत के बीच साझेदारी का एक लंबा सफर रहा है। इसलिए अगर दोनों देश एक दूसरे के सुरक्षा हितों और संवेदनशीलताओं को ध्यान में रख कर आगे कदम बढ़ाते हैं तो यह द्विपक्षीय हित में एक जरूरी पहल होगी।

तेजी से फैल रहा नशे का कारोबार

पंजाब में बरनाला जिले के एक गांव में नशे के खिलाफ उठी एक आवाज जिस तरह दफ्न कर दी गई, उससे यह साफ है कि नशे के सौदागर अपना कारोबार बचाए रखने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। कहा जाता है कि सामाजिक सुधार के अभियान को केवल कानून और पुलिस के दम पर नहीं छोड़ा जा सकता है। इसके लिए समाज को भी आगे आना होगा। इस लिहाज से देखें तो बरनाला जिले के छना गुलाब सिंह वाला गांव के नवनिर्वाचित सरपंच उम्मीद की किरण थे। मगर उनकी हत्या इसलिए कर दी गई कि वे अपने गांव में नशे के खिलाफ मुहिम चला रहे थे। खबर के मुताबिक, हाल में उन्होंने नशे का इंजेक्शन लगा रहे युवाओं रोका भी था। यों भी, मादक पदार्थों के लत में डूबी पीढ़ी को बचाने के लिए समाज को ही सबसे पहले आगे आना होगा। इस नाते युवा सरपंच ने अपनी जिम्मेदारी निभाई थी, लेकिन इसकी कीमत उन्हें अपनी जान देकर चुकानी पड़ी। इससे यह भी पता चलता है कि मादक पदार्थों के दंश को कम करने के प्रति सरकार का रवैया कितना ढीला-ढाला है और उससे उपजी आपराधिक प्रवृत्ति की रोकथाम में वह किस स्तर पर नाकाम है। इसी की बात है कि एक तरफ सरकार ठोस कार्रवाई करने का आश्वासन देती रही और दूसरी तरफ नशे का कारोबार फैलता गया। सवाल है कि किसकी सांठगांठ से यह धंधा फल-फूल रहा है? राज्य के सीमावर्ती गांवों और कस्बों में स्थिति बहुत खराब बताई जाती है। योजनाएं बनाने और सिर्फ आश्वासन देने में समय बर्बाद करने के बजाय जरूरत इस बात की थी कि मादक पदार्थों पर पाबंदी लगाई जाती। समाज को भी इसके खिलाफ खड़ा होना चाहिए था, लेकिन किसी के लिए यह कोई जरूरी काम नहीं था। राज्य की सरकार भले ही नशीले पदार्थों की खरीद-बिक्री रोकने और इसके खिलाफ अभियान चलाने के दावे करती हो, लेकिन हकीकत यही है कि वहां भारी संख्या में युवा नशे की गिरफ्त में गहरे फंसते गए हैं। कुछ बड़े शहरों में इसकी लत तेजी से बढ़ी है। कई तरह के मादक पदार्थों का सेवन कोई नई बात नहीं है। मगर यहां के युवाओं में जिस तरह मादक पदार्थों के इंजेक्शन और 'कैप्सूल' लेने का चलन बढ़ा है, यह गंभीर चिंता की बात है।

आज का कार्टून

योगी का विपक्ष पर वार, कहा-जब 86 एस डीएम पदों पर 56 एक ही जाति के भरे गए

जिसकी लाठी उसकी भैंस!!

गायब लेटर्स पर प्रशासनिक कार्रवाई हो, सिर्फ सियासत नहीं!

कमलेश पांडे

> देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के व्यक्तिगत पत्रों को सार्वजनिक किए जाने यानी प्रधानमंत्री संग्रहालय को पुनः सुपुर्द करने को लेकर जो तल्ख सियासी बयानबाजी शुरू हुई है, उसके आधिकारिक लापरवाही वाले पहलुओं पर भी विचार किया जाना जरूरी है। क्योंकि लगभग 15 वर्ष बाद इस रहस्य से पर्दा उठा है। वहीं, इससे जवाहरलाल के प्रासंगिक सियासी कद का भी पता चलता है। साहित्य मिजाजी राजनीतिज्ञ और देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के व्यक्तिगत पत्रों को सार्वजनिक किए जाने यानी प्रधानमंत्री संग्रहालय को पुनः सुपुर्द करने को लेकर जो तल्ख सियासी बयानबाजी शुरू हुई है, उसके आधिकारिक लापरवाही वाले पहलुओं पर भी विचार किया जाना जरूरी है। क्योंकि लगभग 15 वर्ष बाद इस रहस्य से पर्दा उठा है। वहीं, इससे जवाहरलाल के प्रासंगिक सियासी कद का भी पता चलता है।

अब बीजेपी जिस तरह से नेहरू के लेटर्स को पीएम म्यूजियम को वापस करने के लिए विदेशी मूल की उनकी मनाती बहू, राज्यसभा सांसद व कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी व लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर दबाव बढ़ा रही है और केंद्र की सत्तारूढ़ पार्टी बोल रही है कि ये पत्र देश की संपत्ति हैं, के राजनीतिक मायने स्पष्ट हैं। जबकि इसमें प्रशासनिक लापरवाही का पहलू भी समीचीन होना चाहिए। क्योंकि इससे हमेशा नामचीन व जिम्मेदार लोग ही जुड़े रहते हैं। आपको याद होगा कि आरएसएस और भाजपा से जुड़े लोग स्वतंत्रता सेनानी नेहरू और उनके वंशजों के राजनीतिक फैसलों और व्यक्तिगत जीवन पर तथ्यात्मक और मनगढ़ंत हमले करके कांग्रेस का बुरा हाल कर चुके हैं और यदि अपेक्षित पत्र भी उसके हाथ लग गए तो उनको सियासी हमले का पुख्ता आधार मिल जाएगा। यही वजह है कि गांधी परिवार ने भावनात्मक भूलों और तत्कालीन मजबूरियों से जुड़े सुबूतों पर कुंडली मारकर बैठने का फैसला किया है, क्योंकि लगभग 6 दशक तक उसने यही तिकड़मी तौर पर शासन किया है। हालांकि, उनकी जगह आए समाजवादियों व राष्ट्रवादियों ने भी कुछ वही किया और आज भी कमोबेश कर ही रहे हैं। इससे बहुतेरे कांग्रेसी पाप अब धूल चुके हैं। बता दें कि बीजेपी ने सोमवार को कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी से कहा कि उन्हें देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की ओर से कई बड़ी हस्तियों को लिखी गई चिट्ठी को प्राइम मिनिस्टर म्यूजियम ऐंड लाइब्रेरी को लौटा देना चाहिए। क्योंकि ये ऐतिहासिक दस्तावेज देश की संपत्ति होते हैं न कि किसी की निजी संपत्ति। इस मामले को लेकर संसद में हंगामा भी हुआ। बीजेपी की ओर से सांसद संबित पात्रा ने सोमवार को लोकसभा में यह मुद्दा उठाया।

पात्रा का दावा था कि नेहरू ने ये लेटर्स गवर्नर जनरल लार्ड माउंटबेटन की पत्नी एडविना माउंटबेटन, बाबू जगजीवन राम, जयप्रकाश नारायण, अरुणा आसफ अली, गोविंद वल्लभ पंत जैसे नेताओं और साइंटिस्ट अल्बर्ट आइंस्टाइन को लिखा था। बताया जाता है कि पीएमएमएल से जुड़े सदस्य रिजवान कादरी ने राहुल गांधी को लेटर लिखकर कांग्रेस के पास मौजूद जवाहरलाल नेहरू के अहम खतों को संग्रहालय को सौंपे जाने की अपील की थी। यह लेटर 10 दिसंबर को लिखा गया था, जिसमें दस्तावेज लाने में राहुल गांधी से भी मदद मांगी गई। बताया जाता है कि कांग्रेस की तरफ से अब तक कोई जवाब या प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। इस पर बीजेपी ने सवाल उठाए कि आखिर इन खतों में ऐसा क्या था जिसे छुपाया जा रहा है। सवाल है कि पूर्व पीएम जवाहरलाल नेहरू के वे कौन कौन से खत थे और ये किसे लिखे गए थे जिन्हें वापस मांगा जा रहा है और कौन मांग रहा है? यही नहीं, सवाल है कि देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के ढेरों खत जो कभी नेहरू मेमोरियल में सुरक्षित तौर पर रखे हुए थे, बाहर कैसे गए और इसके लिए कौन से अधिकारी जिम्मेदार हैं, उन पर कार्रवाई की जाए।

बताया जाता है कि देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के ढेरों खत जो कभी नेहरू मेमोरियल में सुरक्षित तौर पर रखे हुए थे, जो अब वहां नहीं हैं। सवाल है कि न तो ये चोरी हुए हैं और न ही रखे-रखे नष्ट हो गए हैं, बल्कि इन्हें साल 2008 में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने अपनी सरकार के रहते मंगवा लिया था। हैरत की बात है कि इन्हें मंगवाने के डेढ़ दशक बाद भी लौटाया नहीं गया। जबकि केंद्र में लगभग 11 वर्षों से भाजपा की सरकार है और नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री संग्रालय का स्वरूप भी बदल दिया है। इसके लिए जिम्मेदार व लापरवाह अधिकारियों पर कार्रवाई होनी चाहिए।

खबर है कि पहले भी सितंबर 2024 में लेटर लिखकर मांगा गया था और अब एक बार फिर इन्हें देश की धरोहर बताते हुए वापस मांगा जा रहा है। राहुल को लिखे लेटर में यहां तक कहा गया है कि यदि वे ऑरिजिनल नहीं दे सकते तो डिजिटल या फोटोकॉपी ही भिजवा दें। लेकिन उधर से कोई जवाब नहीं आया है। इसके बाद संसद में भी यह मुद्दा उछाल दिया गया। दरअसल जवाहर लाल नेहरू के ये पत्र केवल एडविना माउंटबेटन से ही जुड़े हुए नहीं हैं बल्कि अल्बर्ट आइंस्टीन, जयप्रकाश नारायण, पद्मजा नायडू, विजया लक्ष्मी पंडित, अरुणा आसफ अली, बाबू जगजीवन राम आदि के बीच के संवाद भी इसमें शामिल हैं। इनमें लेडी माउंटबेटन (एडविना माउंटबेटन) को लिखे हुए खत भी हैं। यही वजह है कि 10 साल बाद जगी मोदी सरकार अब इस मसले पर राहुल गांधी और सोनिया गांधी को आड़े हाथों ले रही है। बीजेपी के प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा है कि सोनिया गांधी ने इन खतों को गायब कर दिया है। यह पहली बार नहीं है कि नेहरू के खतों को लेकर बवाल मचा है। पहले भी एडविना माउंटबेटन और नेहरू के बीच हुए पत्राचार पर बीजेपी कांग्रेस को निशाने पर लेती रही है। ऐसे में गांधी परिवार का इन लेटर को मेमोरियल (जो कि अब प्रधानमंत्री संग्रहालय एवं पुस्तकालय के नाम से जाना जाता है) से मंगवाना और फिर बार-बार कहने पर भी न लौटाना, संदेह पैदा करता है।

गौरतलब है कि ये वे दस्तावेज हैं जो मेमोरियल को दान किए गए थे। इनमें नेहरू के एडविना माउंटबेटन, अल्बर्ट आइंस्टीन जैसी हस्तियों के साथ हुए पत्राचार हैं।पहले ये सारी चिट्ठियां नेहरू मेमोरियल के पास थीं। लेकिन 2008 में सोनिया गांधी ने वहां से 51 डिब्बे (कार्टन) अपना एक प्रतिनिधि भेजकर मंगवाए। लिहाजा, एक बार फिर अब नेहरू मेमोरियल के सदस्य और इतिहासकार रिजवान कादरी ने इन्हें वापस मांगने के लिए लेटर लिखा है। ये लेटर राहुल गांधी को लिखा गया है कि वे नेहरू से जुड़े दस्तावेजों के वे 51 डिब्बे लौटाएं जो सोनिया गांधी ले गई थीं।

वहीं, भाजपा सांसद और प्रवक्ता संबित पात्रा ने तो आरोप लगाए हैं कि नेहरू और माउंट बेटन की वाइफ के बीच जो खत लिखे गए थे, उसे गायब कर दिया है। नेहरू और जय प्रकाश नारायण के बीच जो संवाद हुआ था वो राष्ट्र की सम्पत्ति थी और उन लेटर को वापस किया जाना चाहिए। संबित कहते हैं, 'मुझे इस बात की उत्सुकता है कि नेहरू जी ने एडविना माउंटबेटन को क्या लिखा होगा जिसे सेंसर करने की आवश्यकता थी।

वहीं, इतिहासकार कादरी ने पत्र लिखकर कहा है कि राहुल अपनी माताजी से बात करिए और ये सारे पेपर्स लौटाइए क्योंकि ये राष्ट्र की धरोहर हैं। हर हिन्दुस्तानी को ये अधिकार है कि उनके पहले प्रधानमंत्री किससे क्या बात कर थे और कौन से दस्तावेजों पर साइन कर रहे थे, ये देश को पता होना चाहिए। कादरी ने आगे कहा कि सोनिया गांधी से कोई जवाब नहीं मिलने के बाद ही उन्होंने राहुल गांधी को एक और पत्र लिखा। बता दें कि पीएमएमएल सोसाइटी का कार्यकाल 4 नवंबर 2024 को समाप्त होने वाला था, लेकिन संस्कृति मंत्रालय ने इसे 13 जनवरी 2025 तक दो महीने का विस्तार दिया है।

इस मामले का दिलचस्प पहलू यह है कि प्रधानमंत्री संग्रालय के अधिकारियों द्वारा बरती गई इतनी बड़ी लापरवाही की बात कोई नहीं कर रहा है। इससे आशंका पैदा होती है कि संभव है कि इससे भी बड़ी बड़ी लापरवाही हमारे अधिकारियों ने की हो, जिससे राष्ट्रहित का मसौदा देशी-विदेशी लोगों तक पहुंच चुका है। इस बारे में गहन जांच होनी चाहिए और स्पष्ट नियमन बनाए जाने चाहिए। यदि है तो उसे सख्ती पूर्वक लागू किया जाए। यह सियासत से ज्यादा महत्वपूर्ण बात है।

नेहरू के गायब कर दिए गए पत्रों के बीच केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अभिव्यक्ति की आजादी से लेकर आपातकाल आदि से जुड़े संविधान संशोधनों का जिक्र करते हुए कांग्रेस पर एक परिवार के हित में संविधान संशोधन करते रहने का आरोप लगाया। राज्यसभा में चर्चा के दौरान उन्होंने कहा कि संशोधनों के दौरान कांग्रेस की सरकारों ने न तो प्रक्रिया का पालन किया और न ही संविधान की भावना का कोई सम्मान किया। इसलिए संभव है कि पत्र मिल जाएं तो ये आरोप पुष्ट हो जाएं। वहीं, राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर राज्यों को आरक्षण को लेकर पंडित जवाहरलाल नेहरू की ओर से लिखे गए पत्र के बारे में तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर देश को गुमराह करने का आरोप लगाया। साथ ही, माफी की मांग की। खरगे ने कहा कि पहला संशोधन संविधान सभा के सदस्यों ने किया था, जिसमें श्यामा प्रसाद मुखर्जी भी शामिल थे। अब सच या है, और झूठ क्या है, ये तो पत्र ही रहस्योद्घाटन करेंगे, बशर्ते कि वह सही सलामत मिल जाएं। यदि ये पत्र मिल गए तो नेहरुकालीन कांग्रेस के रिकॉर्ड को तोड़ चुकी भाजपा अब कुछ ऐसे भी यत्न करेगी जिससे वह कांग्रेस मुक्त भारत के महात्मा गांधी के स्वप्न और अपने अभियान के लक्ष्य को पूरा कर सके। इसीलिए तो सत्ता के ग्यारहवें वर्ष में उसे इन पत्रों की याद आई है। यदि एजेंसी छपामारी करें तो बहुतेरे महत्वपूर्ण रिकॉर्ड नेताओं के अलमारियों में मिल जाएंगे, क्योंकि कभी वो उनसे जुड़े हुए थे और किसी को फंसाने के लिए उपयुक्त समय पर उनका उपयोग करेंगे लेटर बम की तरह!

जहरीली धरती से खाने व खून में घुलता जहर...

> पंजाब की जिस हरियाली व खुशहाली का जो रूप हमने देखा है, वह अब एक डरावनी हकीकत की ओर तेजी से बढ़ रहा है। बठिंडा, मानसा और लुधियाना के खेतों की मिट्टी के 60 फीसदी नमूनों में एंडोसल्फान और कार्बोफ्यूरान जैसे जहरीले कैमिकल कीटनाशकों के अवशेष पाए गए हैं। यह खतरा एक ऐसे टाइम बम जैसी चेतावनी है, जो न केवल हमारी फसलों में जहर घोल रहा है, बल्कि आने वाली नस्लों पर संकट का संकेत है। हर साल 5 दिसंबर को मनाए जाने वाले 'वर्ल्ड सॉयल डे' के मौके पर जहां दुनिया के तमाम देश धरती में घुलते इस जहर पर कड़ी नजर रखने के उपायों बारे चर्चा करते हैं, वहीं भारत को भी इस जहर के कहर से बचने के कारगर कदम उठाने होंगे।

अमृत सागर मित्तल

85 फीसदी से अधिक रकबे में धान व गेहूं की खेती पर निर्भर पंजाब में कैमिकल कीटनाशकों की बढ़ती खपत चिंताजनक है। राष्ट्रीय स्तर पर जहां कीटनाशकों की खपत प्रति हैक्टेयर 62 किलो है, वहीं 77 किलो प्रति हैक्टेयर कीटनाशकों की खपत करने वाला पंजाब जैसा छोटा प्रदेश यू.पी. व महाराष्ट्र जैसे बड़े राज्यों के बाद देश में तीसरे नंबर पर है। इस पागलपन के परिणाम विनाशकारी हैं। हमारी उपजाऊ जमीन बंजर हो रही है। मिट्टी में प्राकृतिक उर्वरता बनाए रखने वाले सूक्ष्मजीव कैमिकल कीटनाशकों के बढ़ते इस्तेमाल के कारण 30 से 50 फीसदी तक खत्म हो चुके हैं। इसका सीधा असर मिट्टी की गुणवत्ता व फसलों की पोषण क्षमता पर पड़ा है। सैंटर सॉयल सैलेनिटी रिसर्च इंस्टीच्यूट (सी.एस.एस.आर.आई.) के मुताबिक एग्रो-कैमिकल्स के अधिक इस्तेमाल के कारण भारत में 67 लाख हैक्टेयर जमीन लवणता से प्रभावित हो चुकी है। मिट्टी में घुले कैमिकल हमारे खाए हर निवाले से हमारे डी.एन.ए. में जहर घोल रहे हैं, जिसका असर आने वाली पीढ़ियों में भी दिखेगा। इसके लिए अभी से जागरूक होकर इस संकट का कारगर समाधान ढूंढना होगा।

कीटनाशकों के उत्पादन व इस्तेमाल पर नियंत्रण रखने के लिए साल 1968 का इंसैक्टिसाइड एक्ट व 1971 के इंसैक्टिसाइड रूल्स आज के दिन कारगर नहीं हैं। कीटनाशकों के दुष्परिणामों को कम करने के लिए पैस्टीसाइड मैनेजमैंट बिल 2020 जैसे संशोधन की कोशिशें हुईं, लेकिन इसमें कई बड़ी खामियां हैं। यह बिल हमें जहरीले कीटनाशकों से बचाने की बजाय केवल इनके निर्माताओं के रजिस्ट्रेशन व लाइसैंसिंग प्रक्रियाओं पर केंद्रित होकर रह गया। 1968 का इंसैक्टिसाइड एक्ट व 1971 के इंसैक्टिसाइड रूल्स आज के दिन कृषि पर गहराते इस संकट को संभालने में पूरी तरह नाकाम साबित हो रहे हैं। पैस्टीसाइड एक्शन नैटवर्क के मुताबिक, हर साल दुनियाभर में कीटनाशकों के जहर के कारण औसत 11,000 मौतें होती हैं, जिनमें से 6,600 मौतें भारत में ही रही हैं। इन आंकड़ों से यह स्पष्ट है कि हमारे देश में कीटनाशकों के इस्तेमाल व सुरक्षा उपायों में कानूनी स्तर पर भारी खामियां हैं।

फसलों में कीटनाशकों की भूमिका से इंकार नहीं किया जा सकता लेकिन इनके जहरीले प्रभावों के कारण इनके उत्पादन, खपत और निपटान पर कड़ी निगरानी की जरूरत है। बीते 3 दशकों में कैमिकल कीटनाशकों का अंधाधुंध इस्तेमाल बढ़ा है, जिसका बड़ा कारण कीटनाशक निर्माता कंपनियों की आक्रामक मार्केटिंग रणनीतियां हैं। ऐसे में कीटनाशकों के रिटेल विक्रेताओं की भूमिका पर भी सवाल खड़े होते हैं कि वे किसानों को अधूरी या भ्रमित करने वाली जानकारी देते हैं। फसल की जरूरत मुताबिक कीटनाशकों के सही इस्तेमाल के लिए किसानों को कारगर ट्रेनिंग नहीं मिल रही। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के 'प्लांट प्रोटैक्शन डिपार्टमैंट' ने 1994 से 2022 तक देश के करीब 15 करोड़ किसानों में से केवल 5.85 लाख किसानों को इंटीग्रेटिड पैस्ट मैनेजमैंट की ट्रेनिंग दी। पैस्टीसाइड मैनेजमैंट पर इंटरनैशनल कोड ऑफ कंडक्ट की हिदायतों मुताबिक, सरकारें व निर्माता कंपनियां किसानों को सही ट्रेनिंग और जानकारी दें, पर इन हिदायतों के पालन पर सख्ती करने की जरूरत है।

कीटनाशकों के जहर से होने वाली मौतों का देश में सटीक रिकॉर्ड न होना भी इन पर नियंत्रण रखने वाले रैगुलेटरी सिस्टम को कमजोर करता है। नैशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो (एन.सी.आर.बी.) के रिकॉर्ड में वही मामले होते हैं, जो मैडिको-लीगल केस के तौर पर सामने आते हैं। जमीनी हकीकत यह है कि कीटनाशक निर्माता कंपनियों के खिलाफ मैडिको-लीगल मामला दर्ज कराना किसानों के लिए बहुत मुश्किल व खर्चीला है। सटीक डाटा के अभाव में किसी की भी जवाबदेही तय नहीं हो पा रही। राज्य सरकारें भी घातक कैमिकल कीटनाशकों पर 60 दिन तक का अस्थायी प्रतिबंध लगा अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ रही हैं, जिसके चलते समस्या का स्थायी समाधान नहीं निकल रहा। भारत में सुरक्षा संबंधी जानकारी अक्सर पर्चियों में भर दी जाती है, जिससे किसानों को कीटनाशकों के जोखिमों व सही मात्रा में इस्तेमाल बारे स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पाती। हालांकि सैद्धांतिक रूप से कंज्यूमर प्रोटैक्शन एक्ट किसानों पर भी लागू होता है, लेकिन भ्रमित करते लेबल और घटिया कीटनाशक निर्माताओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई नहीं होती।

सरकार को खतरनाक कीटनाशकों पर प्रतिबंध के साथ पर्यावरण एवं स्वास्थ्य के लिए सुरक्षित विकल्पों को बढ़ावा देना चाहिए। पैस्टीसाइड मैनेजमैंट बिल 2020 की खामियां दूर हों, ताकि कीटनाशकों के लेबलिंग मानकों से किसानों को उनके खतरों और सही इस्तेमाल की सटीक जानकारी मिल सके। आने वाली पीढ़ियों का सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करने के लिए कारगर गैर-कैमिकल कीटनाशकों को बढ़ावा देना होगा।

विक्रेता विकास कार्यक्रम सह औद्योगिक प्रदर्शनी का समापन

बोकारो (ससे): बोकारो स्टील प्लांट तथा भारत सरकार, एमएसएमई मंत्रालय के झारखंड राज्य स्थित, एमएसएमई-विकास कार्यालय, रांची के संयुक्त तत्वावधान में मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग में आयोजित दो दिवसीय विक्रेता विकास सह औद्योगिक प्रदर्शनी कार्यक्रम का समापन हुआ . विक्रेता विकास कार्यक्रम - २०२४ सह औद्योगिक प्रदर्शनी में १० सार्वजनिक क्षेत्र एवं सरकारी उपक्रम तथा लगभग ५८ सूक्ष्म एवं लघु उद्यम इकाइयों द्वारा स्टॉल लगाए गए थे, जिसमें इकाइयों ने अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया. लगभग १५० से ज्यादा एमएसएमई उद्यमियों ने तकनीकी सत्र में भाग लिया.

बोकारो स्टील प्लांट के अधिशासी निदेशक (सामग्री प्रबंधन) श्री सी आर मिश्रा की अध्यक्षता में कार्यक्रम के दूसरे दिन प्रथम सत्र में श्री सुरेन्द्र शर्मा, सहायक निदेशक, एमएसएमई-विकास कार्यालय, रांची ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया एवं पब्लिक प्रोक्योरमेंट पॉलिसी पर एक प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विस्तृत जानकारी दी. तत्पश्चात श्री ए भट्टाचार्जी, महाप्रबंधक (सामग्री प्रबंधन), ओएनजीसी, बोकारो, श्री मयंक कुमार, सीनियर ऑफिसर, गेल, बोकारो, श्री एस.के. गुप्ता. जीएम (कॉन्ट्रैक्ट्स), मेकॉन लिमिटेड, रांची, श्री अंकित रावल, उप प्रबंधक, सीएमपीडीआई, रांची आदि ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से अपने विभाग के प्रोक्योरमेंट प्रोसेस एवं वेंडर रजिस्ट्रेशन से अवगत कराया. कार्यक्रम के दौरान आयोजित क्रेता-विक्रेता मिलन सत्र एवं तकनीकी सत्र में सेल - बी एस एल, ओएनजीसी - बोकारो, गेल - रांची एवं मेकॉन लिमिटेड, रांची के अधिकारियों ने अपने विभागों द्वारा क्रय किए जाने वाले उत्पादों का पब्लिक प्रोक्योरमेंट पॉलिसी के तहत क्रय प्रक्रिया की जानकारी दी.

कार्यक्रम के आयोजन में आयोजन समिति के सदस्य के रूप में बी एस एल के सामग्री प्रबंधन विभाग के महाप्रबंधक श्री भूपेंद्र सिंह , श्री प्रभात कुमार, श्री राजीव गौतम, श्री पी के ठाकुर , श्री धनञ्जय कुमार तथा प्रबंधक श्री मनोज मंडल की सराहनीय भूमिका थी.

श्रीमती प्रेमा जुली होरो, मैनेजर सिडबी एवं श्री सर्वोत्तम, मुख्य प्रबंधक, बैंक ऑफ इंडिया ने एमएसएमई के लिए उपलब्ध ऋण योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया. जिला उद्योग केन्द्र, बोकारो से आए अधिकारी ने झारखंड सरकार की ओर से एमएसएमई के विकास के लिए उपलब्ध योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया तथा उन्होंने प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि तकनीकी विकास के बिना किसी भी उद्योग का आगे बढ़ पाना कठिन है. इसके पश्चात् श्री एम.एस. भुये, मास्टर ऑफ क्राफ्टस्मैन, आई डी टी आर, जमशेदपुर एवं श्री मासुम हैदर, असिस्टेन्ट टेकनिकल ऑफिसर, सीपेट, रांची ने भी अपने विभाग की ओर से एमएसएमई के लिए उपलब्ध विकास योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया एवं सूक्ष्म एवं लघु उद्यमियों को इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए बधाई दी.

कार्यक्रम के समापन समारोह में मुख्य अतिथि बी एस एल के श्री हर्ष निगम, मुख्य महाप्रबंधक (सामग्री प्रबंधन) तथा श्री प्रकाश कुमार , मुख्य महाप्रबंधक (मैकेनिकल) उपस्थित थे. श्री हर्ष निगम, मुख्य महाप्रबंधक (सामग्री प्रबंधन) ने इस कार्यक्रम के आयोजन पर प्रशन्नता जताई. उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस कार्यक्रम से सूक्ष्म एवं लघु उद्यमी अवश्य ही लाभान्वित हुए होंगे. उन्होंने सभी से पब्लिक प्रोक्योरमेंट पॉलिसी का पालन करने का अनुरोध किया. मुख्य अतिथि श्री प्रकाश कुमार , मुख्य महाप्रबंधक (मैकेनिकल) ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए एमएसएमई-डीएफओ, रांची को बधाई दी. कार्यक्रम के अन्त में सभी प्रतिभागियों को उनके द्वारा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया. इस अवसर पर एमएसएमई-विकास कार्यालय, रांची के श्री गौरव, सहायक निदेशक एवं कार्यक्रम संयोजक ने सभी सरकारी कार्यालयों, सार्वजनिक उपक्रमों तथा सभी स्टॉलधारकों तथा विशेष रूप से बोकारो स्टील प्लांट का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके सहयोग से ही इस कार्यक्रम को सफल बनाया जा सका.

उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य बड़े उद्योगों एवं छोटे उद्योगों को एक-दूसरे के सामने लाना एवं उनके बीच समन्वय स्थापित करना था। कार्यक्रम का संचालन श्री उदय प्रताप सिंह, मुख्य महाप्रबंधक (सामग्री प्रबंधन) तथा सुश्री तनु प्रिया, प्रबंधक (सामग्री प्रबंधन) के द्वारा किया गया. कार्यक्रम श्री सुरेन्द्र शर्मा, सहायक निदेशक के धन्यवाद ज्ञापन के साथ सम्पन्न हुआ.

खेलकूद प्रतियोगिता का हुआ समापन

डुमरी (ससे): नेहरु युवा केन्द्र द्वारा केबी उच्च विद्यालय डुमरी मैदान में आयोजित २ दिवसीय प्रखंड स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का समापन हो गया। प्रतियोगिता में खेले गये विभिन्न खेलों में सफल रहे प्रतिभागियों को मेडल देकर पुरस्कृत किया गया।

पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि एनवाईके के उपनिदेशक गोपालचंद्र ओझा एवं विशिष्ट अतिथि डुमरी थाना प्रभारी प्रणीत पटेल व निमियाघाट थाना प्रभारी सुमन कुमार थे वहीं इस दौरान मुख्य रुप से मुखिया जागेश्वर महतो पंसस मौजीलाल महतो भाजपा नेता निर्मल जायसवाल एवं दीपक श्रीवास्तव कुवियुमो के केंद्रीय अध्यक्ष थानेश्वर महतो, रामचन्द्र महतो,बैजनाथ महतो आदि उपस्थित थे। बालक एवं बालिका वर्ग में खेले गये अलग अलग खेलों के विजेता एवं उपविजेता को अतिथियों द्वारा पुरस्कृत किया गया। फुटबॉल का फाइनल मैच डुमरी एवं जरीडीह के बीच खेला गया जिसमें डुमरी प्लेंटी शूटआउट ३ से विजय रहा वहीं कबड्डी प्रतियोगिता योगीडीह एवं घुटबाली के बीच खेला गया जिसमें योगीडीह टीम ने जीत हासिल किया जबकि बालिका वर्ग में २०० मीटर रेस में में रोशनी कुमारी प्रथम,वर्षा कुमारी द्वितीय स्थान पर सफल हुई,रस्सी कूद में प्रथम स्थान रोशनी कुमारी,द्वितीय स्थान वर्षा कुमारी, तृतीय स्थान गुड़िया कुमारी जबकि बालक वर्ग के ४०० मी रेस में प्रथम स्थान अमन बास्के,द्वितीय स्थान सतीश कुमार महतो एवं तृतीय स्थान नीलेश कुमार हांसदा लाया। लंबी कूद में प्रथम स्थान सौरभ कुमार, द्वितीय स्थान चिक्कू शर्मा व तृतीय स्थान अमित सिंह लाया।

सभी सफल खिलाड़ियों एवं टीमों को मोमेंटो व मेडल देकर पुरस्कृत किया गया।इस दौरान एनवाईके डुमरी इकाई अध्यक्ष केदार महतो कोषाध्यक्ष संतोष कुमार बैजनाथ महतो, दुलारचंद महतो कैलाश महतो, सचिन कुमार, राजकुमार महतो, करमचंद महतो रेफरी राजेश सिंह व हीरालाल महतो आदि उपस्थित थे।

एनसीसी कैडेटों ने चलाया सड़क जागरूकता अभियान

डुमरी (ससे): पारसनाथ महाविद्यालय के एनसीसी कैडेटों के द्वारा गुरुवार को बेरमो मोड़ में सड़क सुरक्षा अभियान चलाया गया। इस दौरान एनसीसी कैडेट्स ने यातायात नियमों का पालन नहीं करने वाले चालकों को नियमों के प्रति जागरूक किया। वहीं जिन चालकों ने नियमों का पालन किया था,उनकी प्रशंसा की गयी साथ ही बाइक चालकों से हेलमेट पहनने एवं चारपहिया वाहन चालकों व सवार लोगों से सीट बेल्ट लगाने की अपील की।

इस दौरान एनसीसी पदाधिकारी लेफ्टिनेंट डॉक्टर पिन्टू कुमार पांडेय उर्दू विभाग के एचओडी मौलामा इसराइल कॉलेज के प्राचार्य डॉ मनोज कुमार मिश्रा उपप्राचार्य यशवंत सिन्हा एनसीसी कैडेट्स सीपीएल ओमप्रकाश माहतो कैडेट्स हीरालाल महतो,प्रेम राज, जागृति कुमारी,कुश रविदास,लव रविदास,सुमित्रा कुमारी,मोनिका कुमारी,सध्या कुमारी,कंचन कुमारी, रूपा कुमारी आदि उपस्थित थे।

लंच बॉक्स में मांसाहारी खाना, प्रिंसिपल ने बच्चों को स्कूल से निकाला

लखनऊ (ईएमएस): स्कूल के लंच बॉक्स में मांसाहारी खाना लाने के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने छात्रों के हक में फैसला सुनाया है, जिसे स्कूल से कथित तौर पर टिफिन में मांसाहारी भोजन लाने के कारण निकाल दिया था। दरअसल, अमरोह के एक स्कूल प्रिंसिपल ने तीन नाबालिग छात्रों को टिफिन में नॉन-वेज लाने की वजह से स्कूल से निकाल दिया था। इसके बाद बच्चों की मां ने इलाहाबाद हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। इलाहाबाद हाईकोर्ट में दायर याचिका में याचिकाकर्ता ने स्कूल प्रिंसिपल के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की थी।

इंग्लिश ओलिंपियाड के झारखण्ड टॉपर बने डीपीएस चास के रतन

चास, बोकारो (ससे): डीपीएस चास, बोकारो के चार छात्रों ने सिल्वर जोन फाउंडेशन, नई दिल्ली द्वारा आयोजित इंग्लिश लैंग्वेज ओलंपियाड २०२४-२५ में जोनल रैंक १ से ४ तक हासिल कर अपनी छाप छोडी है। रतन, अद्वित, अनंत, वैभव तथा प्रणव ने अपनी-अपनी कक्षा श्रेणियों में जोनल रैंक क्रमशः पहला, दूसरा, तीसरा व चौथा स्थान प्राप्त किया।

पहली कक्षा के रतन सिंह ने पहला स्थान हासिल किया जिसके लिए उसे ५०००/- (पांच हजार रुपये नकद), अद्वित सिंह को दूसरे स्थान के लिए उसे २५००/- (ढाई हजार रुपये नकद), अनंत आशीष को तीसरे स्थान के लिए उसे १०००/- (एक हजार रुपये नकद) वैभव कुमार और प्रणव त्रिवेदी को चैथे स्थान के लिए ५००/- (पाँच सौ रुपये नकद) पुरस्कार से सम्मानित किया गया। अन्य १२ विद्यार्थियों ने दूसरे लेवल की परीक्षा के लिए क्वालीफाई किया है।

विदित हो कि सिल्वर जोन फाउंडेशन द्वारा संचालित अंतरराष्ट्रीय इंग्लिश ओलंपियाड कक्षा १ से १२ वीं तक के विद्यार्थियों के लिए अंग्रेजी भाषा और व्याकरण प्रतियोगिता है।

परीक्षाओं की सामग्री का उद्देश्य संचार और अंग्रेजी भाषा के प्रयोग पर ध्यान केंद्रित करना है। प्रतिभागियों को पहले स्तर में प्राप्त अंकों के आधार पर रैंक किया जाता है। पहले स्तर की परीक्षा देने के बाद, छात्र स्कूल के स्तर, शहर के स्तर, राज्य के स्तर और अंततः अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने अकादमिक प्रदर्शन का मूल्यांकन कर सकते हैं।

छात्रों की असाधारण उत्कृष्टता पर उन्हें बधाई देते हुए, विद्यालय की चीफ मेंटर डॉ. हेमलता एस मोहन ने कहा कि सफलता निर्धारित व्यक्तिगत लक्ष्यों की प्रगति की अनुभूति है। जो अपने कार्य के लिए दिमाग और दिल से काम करता है, वह विजय का झंडा फहराता है। विद्यालय की निदेशिका डॉ. मनीषा तिवारी ने सफल प्रतिभागियों को निरंतर अध्ययन जारी रखने और भविष्य में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रेरित किया।

तेनुघाट अधिवक्ता संघ का चुनाव आज

बोकारो (ससे): तेनुघाट अधिवक्ता संघ का चुनाव शुक्रवार को होगा. इसकी तैयारी पूरी कर ली गई है. झारखंड राज्य विधिज्ञ परिषद, रांची की ओर से पर्यवेक्षक मृत्युजंय कुमार श्रीवास्तव ने तेनुघाट पहुंचकर चुनाव प्रक्रिया की जानकारी चुनाव पदाधिकारी से ली. उन्हें जरूरी दिशा-निर्देश भी दिए. पर्यवेक्षक मृत्युंजय कुमार श्रीवास्तव, अनिल कुमार महतो व परमेश्वर मंडल के साथ चुनाव पदाधिकारी प्रबोध कुमार महथा, उमेश प्रसाद व बिनोद कुमार गुप्ता की देखरेख में चुनाव होगा.

उपायुक्त की अध्यक्षता में जिला स्तरीय स्टीयरिंग कमेटी की बैठक

कोडरमा (ससे): कोडरमा समाहरणालय सभागार में उपायुक्त मेघा भारद्वाज की अध्यक्षता में जिला स्तरीय स्टीयरिंग सह मॉनिटरिंग कमेटि की बैठक संपन्न हुआ। इस दौरान डीसी ने मुख्य रूप से विद्यालयों में मध्याह्न भोजन वितरण की स्थिति, रसोई सेड, विद्यालयों में खाद्यान्न की प्रत्येक माह ससमय उपलब्धता एवं स्कूलों में रसोईया से जुड़े बर्तन की उपलब्धता, छात्रों की उपस्थिति, ड्रॉपआउट बच्चों को दुबारा स्कूल से जोड़ने की दिशा में किए जा रहे कार्यों को लेकर संबंधित विभाग के अधिकारियों को आवश्यक व उचित दिशा-निर्देश दिया।

उपायुक्त महोदया ने स्कूलों में पढ़ने वाले शत प्रतिशत बच्चों की उपस्थिति, मिड डे मिल व प्रोटीनयुक्त भोजन पर विशेष जोर देने का निर्देश अधिकारियों को दिया। इसके साथ ही स्कूलों में शिक्षकों की उपस्थिति के अलावा शिक्षा व्यवस्था को और अधिक बेहतर करने को लेकर संबंधित अधिकारी को आवश्यक व उचित दिशा-निर्देश दिया गया।

साथ ही उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रखंड व पंचायत के विद्यालयों, कस्तूरबा विद्यालयों आदि की मरम्मति की आवश्यकता को देखते हुए प्रस्ताव तैयार कर रिपोर्ट उपलब्ध कराएं।

उन्होंने संबंधित अधिकारी को निर्देशित किया कि सभी विद्यालयों में मध्याह्न भोजन के लिए गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री समय पर उपलब्ध कराया जाए। ताकि बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ भोजन भी उपलब्ध कराया जा सके। सिविल सर्जन को कस्तूरबा विद्यालयों में नियमित रूप से हेल्थ कैंप का आयोजन करने का निर्देश दिया गया।

इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ अनिल कुमार, जिला आपूर्ति पदाधिकारी अविनाश पुर्णेदु, जिला शिक्षा अधीक्षक अजय कुमार, क्षेत्र पदाधिकारी कंचन समेत सभी प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी समेत अन्य मौजूद रहे।

झारखंड आंदोलनकारियों ने सीओ को दिया पत्र

डुमरी (ससे): झारखंड आंदोलनकारियों ने गुरूवार को अंचल अधिकारी डुमरी को एक मांग पत्र देकर बढ़ोतरी राशि का भुगतान करने की अपील की है।पत्र में लिखा है कि सरकार द्वारा अप्रैल माह २०२१ से ५०० सौ रुपए की बढ़ोतरी की गई है किन्तु अब तक यह राशि हम सभी को नहीं मिली है।

जबकि दुसरे प्रखंड के झारखंड आंदोलनकारियों का पैसा भुगतान कर दिया गया है तथा बढ़ोत्तरी का पैसा भी एरियर के रूप में भुगतान किया जा रहा है। आंदोलनकारियों ने सीओ से आग्रह किया है कि बढ़ोत्तरी हुई राशि का भूगतान करवाने की पहल किया जाए।इस दौरान प्रशांत जायसवाल, महाबीर महतो, राजकमल महतो, किशोरी रविदास, मोती महतो, राजेन्द्र प्रसाद, जितेन्द्र प्रसाद, सुरेश कुमार साहू, महेश महतो आदि उपस्थित थे।वहीं राजकमल महतो ने कहा कि उन्हें अभी तक एरियर का भुगतान नही किया गया है।

नावाडीह पंचायत भवन में जूट क्राफ्ट प्रशिक्षण का समापन

कोडरमा (ससे): कोडरमा डोमचांच प्रखंड के नावाडीह पंचायत भवन में कौशल उन्नयन योजना के तहत २५ दिवसीय जूट क्राफ्ट प्रशिक्षण का गुरुवार को समापन हुआ। इस प्रशिक्षण में २० प्रशिक्षुओं को २५ दिन का प्रशिक्षण दिया गया, जिसका उद्देश्य जूट क्राफ्ट कला कारीगरों को जूट से कढ़ाई एवं बुनाई आर्ट में कुशल उद्यमी बनाना था। समापन समारोह में नावाडीह मुखिया ममता देवी, मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उद्योग विकास बोर्ड के जिला उद्यमी समन्वयक अघनु उरांव, जन सहयोगी विकास केंद्र संस्था के सचिव प्रमोद कुमार वर्मा, ज्योति सिंह, डोमचांच प्रखण्ड उद्यमी समन्वयक आशुतोष कुमार सिन्हा मुख्य रूप से उपस्थित थे। समापन कार्यक्रम के दौरान सभी प्रशिक्षुओं को जुट से बने समान के बाजार , गुणवत्ता आदि के बारे में विस्तार से चर्चा किया गया कि कैसे हमलोग जुट के सामान बना कर अपने आय में वृद्धि कर आत्मनिर्भर बन सकते है। प्रशिक्षण में प्रत्येक प्रशिक्षु को प्रतिदिन ₹३०० का स्टाइपेंड दिया जाएगा।

वही प्रशिक्षण के दौरान बने सामानों को ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर बिक्री के लिए रखा जाएगा। साथ ही स्थानीय स्तर पर आउटलेट लगा कर सामान की बिक्री की जाएगी। प प्रशिक्षुओं को जन सहभागी विकास केंद्र से समय-समय पर वर्क ऑर्डर मिलेगा। उपस्थित अतिथियों द्वारा सभी प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र दिए गएऔर उन्हें शुभकामनाएं दीं गयी। मौके पर संगीता मेहता, सोनी कुमारी, रूबी कुमारी, मनीषा कुमारी, इंदु वर्मा, पूजा कुमारी, संजू कुमारी, प्रेमलता कुमारी, पिंकी कुमारी, प्रियंका कुमारी, राधा कुमारी, नमिता कुमारी, मालती कुमारी, विद्या कुमारी, समेत अन्य लोग उपस्थित थे।

बाबा साहेब का अपमान, नहीं सहेगा हिंदुस्तान : डीएसएमएम

कोडरमा (ससे): कोडरमा संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर के प्रति उपहास उड़ाने वाली टिप्पणी के खिलाफ दलित शोषण मुक्ति मंच के बैनर तले कोडरमा बाजार में अमित शाह का पुतला फूंका गया और जमकर नारेबाजी की गई. मालूम हो कि शीतकालीन सत्र के दौरान भारतीय संविधान के ७५ वर्ष पूरा होने पर संविधान पर चर्चा के दौरान मंगलवार को गृहमंत्री अमित शाह ने कहा था कि एक नया फैशन चला है अंबेडकर अंबेडकर अंबेडकर अगर इतना नाम भगवान का लेते तो सात जन्मों तक स्वर्ग मिल जाता. जिस पर पूरे देश में केन्द्र सरकार और अमित शाह के खिलाफ संपूर्ण विपक्ष और अम्बेडकरवादी लोग सड़क पर उतरकर विरोध कर गृहमंत्री का इस्तीफा और माफी मांगने की मांग कर रहे हैं. इसी मुद्दे पर कोडरमा अम्बेडकर पार्क से कोडरमा बाजार तक डीएसएमएम के जिलाध्यक्ष

दिनेश रविदास और सचिव शम्भु पासवान के नेतृत्व में एक जुलूस निकाला गया, जिसमें बाबा साहेब का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान, गृहमंत्री इस्तीफा दो और माफी मांगों, अमित शाह मुर्दाबाद, भारतीय संविधान और डॉक्टर अम्बेडकर जिन्दाबाद आदि गगनचुम्बी नारे लगाए जा रहे थे.

इस अवसर पर दलित शोषण मुक्ति मंच मंच के उपाध्यक्ष प्रेम प्रकाश की अध्यक्षता में हुई सभा को सीटू के राज्य सचिव संजय पासवान, जिला सचिव रमेश प्रजापति, जिप सदस्य शांति प्रिया, पासवान एकता मंच के सचिव विजय पासवान, कांग्रेस नेता दशरथ पासवान आदि ने सम्बोधित किया. वक्ताओं ने कहा कि बाबा साहेब अंबेडकर के चाहने वालों को स्वर्ग नहीं समानता का अधिकार चाहिए। संविधान के शिल्पकार के प्रति ऐसी घृणित सोच भाजपा और आरएसएस की पाठशाला से ही पनपती है. दरअसल डाक्टर अंबेडकर के प्रति अमित शाह का बयान यूं ही नहीं है, बल्कि पिछले ७० सालों की दबी वह टीस है, जो एक झटके में बाहर आ गई. उनके विचारों के प्रति हिंदुत्ववादियों की नफ़रत और चिढ़ स्वाभाविक है.

वे शुरु से ही उन्हें नापसंद करते आये हैं. आरएसएस - भाजपा ने उनके ख़िलाफ़ खूब अभियान चलाया, संविधान पर खूब जहर उगला. जब संविधान बना तो संघियों ने दिल्ली के रामलीला मैदान में अंबेडकर का पुतला जलाया था। उसके बावजूद बाबा साहेब वैश्विक शख़्सियत बन गये. हां यह सच है कि भारत के संविधान में शोषितों, वंचितों, पिछड़े, दलितों, आदिवासियों और महिलाओं को जो समानता का अधिकार दिया गया है. उनके लिए बाबा साहेब अम्बेडकर हमेशा हमेशा के लिए भगवान बने रहेंगे.

वक्ताओं ने कहा कि संविधान निर्माता का अपमान करने वाले गृहमंत्री अमित शाह को अपने पद पर बने रहने का कोई अधिकार नहीं हैं. प्रधानमंत्री मोदी जी उन्हें तुरंत बर्खास्त करें. कार्यक्रम में अर्जुन पासवान, राजु पासवान, पार्षद सिकनदर कुमार, बिरेन्द्र पासवान, सागर कुमार, सिकंदर अम्बेडकर, संजय दास, जितेन्द्र दास, रवि पासवान, रवि कुमार दास, गौतम कुमार दास, टिंकू कुमार, जितेंद्र कुमार, शैलेन्द्र कुमार वैद्य, दीपन पासवान, सोनू कुमार, काजल पासवान, आंचल पासवान आदि शामिल थे।

पटना में अग्निवीर सेना भर्ती आज से

पटना (एजेंसी): भारतीय सेना में जाने का सपना देखने वाले युवाओं के लिए खुशखबरी है. बिहार की राजधानी पटना में कल यानी २० दिसंबर से अग्निवीर सेना भर्ती रैली का आयोजन होने वाला है. ये रैली भर्ती २७ दिसंबर तक आयोजित की जाएगी. सेना की यह रैली भर्ती दानापुर के नए भवन न्यूकेएलपी ग्राउंड, चांदमारी मैदान में आयोजित की जाएगी. इसको लेकर तैयारियां अपने अंतिम चरण में हैं.

पटना के जिलाधिकारी डॉ. चंद्रशेखर सिंह, एसएसपी राजीव मिश्रा और अन्य अधिकारियों ने रैली भर्ती की तैयारियों का जायजा लिया. प्रशासनिक अधिकारियों ने सेना के अधिकारियों के साथ मिलकर आयोजन स्थल का निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होंने भर्ती प्रक्रिया के सुचारु संचालन के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया और निर्देश दिए.

रैली में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों के लिए सभी प्रकार की सुविधाएं सुनिश्चित की जा रही हैं. सुरक्षा व्यवस्था और भीड़ प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया गया है.

सेना भर्ती रैली में बड़ी संख्या में युवाओं के भाग लेने की संभावना है. बता दें कि अग्निवीर योजना के तहत यह रैली युवाओं को सेना में शामिल होने का एक सुनहरा अवसर प्रदान करेगी. इच्छुक उम्मीदवारों को निर्धारित तिथियों पर आवश्यक दस्तावेजों के साथ समय पर उपस्थित होने की अपील की गई है. बता दें कि इससे पहले कटिहार के गढ़वाल मैदान (आर्मी कैंप) में २५ नवंबर से ०४ दिसंबर तक आर्मी अग्निवीर भर्ती का आयोजन किया गया था. इस भर्ती में भागलपुर, बांका, मुंगेर सहित १२ जिलों के युवाओं ने हिस्सा लिया था. इस भर्ती में चयनित होने के लिए उम्मीदवारों की सबसे पहले लिखित परीक्षा कराई गई थी. इस चरण में सफल होने वाले अभ्यर्थियों को सीएसबी, शारीरिक दक्षता परीक्षण और शारीरिक माप परीक्षण, अनुकूलन क्षमता परीक्षण-ख, और खख, डॉक्युमेंट वेरिफिकेशन और मेडिकल एग्जामिनेशन के लिए बुलाया गया था. सभी चरणों में पास हुए अभ्यर्थियों को अंतिम मेरिट लिस्ट में जगह मिली थी.

गृहमंत्री पर लालू यादव के विवादित बयान पर भड़की बीजेपी

पटना (एजेंसी): बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के कथित बयान पर राजनीति जारी है. विपक्ष इस मामले में गृहमंत्री का इस्तीफा मांग रहा है. इस बीच राजद अध्यक्ष लालू यादव ने गृहमंत्री के लिए विवादित टिप्पणी कर दी है. लालू यादव ने अमित शाह के इस्तीफा की मांग की है.

राजद अध्यक्ष यही नहीं रुके, उन्होंने आगे कहा कि अमित शाह पागल हो चुके हैं. उनको बाबा भीमराव अंबेडकर से घृणा है और वह मैंने देखा भी है. उनसे जब पूछा गया कि क्या अमित शाह का इस्तीफा होना चाहिए, उन्होंने कहा कि उनको (अमित शाह) तुरंत इस्तीफा देना चाहिए. उनको राजनीति त्याग देना चाहिए और भागना चाहिए. बाबा भीमराव अंबेडकर महान हैं, भगवान हैं.

वहीं लालू यादव के विवादित बयान पर बीजेपी ने भी पलटवार किया है. बीजेपी प्रवक्ता अरविंद सिंह ने लालू यादव को जोकर बताया. उन्होंने कहा कि लालू यादव जैसे राजनीति के जोकर इस तरह के बयान दे रहे हैं. आज कुर्सी के लिए चरण वंदना कर रहे हैं. बीजेपी प्रवक्ता ने कहा कि ये लोग दलितों के हत्यारे हैं. राजद अध्यक्ष पर पलटवार करते हुए अरविंद सिंह ने कहा कि आप लोगों ने सदन में बाबा साहब की फोटो तक नहीं लगाने दी. आप लोग राजनीतिक फ्रॉड लोग हैं.

उधर अंबेडकर विवाद पर अब गृहमंत्री अमित शाह की प्रतिक्रिया भी सामने आ चुकी है. विपक्ष के आरोपों का खंडन करते हुए गृहमंत्री ने कहा कि कांग्रेस उनके बयान को तोड़-मरोड़कर पेश कर रही है. शाह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी कल से तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश कर रही है, जिसकी मैं घोर निंदा करता हूं. मैं हमेशा आंबेडकर के रास्ते पर चला हूं, मैं उनका कभी भी अपमान नहीं कर सकता. कांग्रेस बीआर अंबेडकर विरोधी है, यह आरक्षण और संविधान के खिलाफ है. कांग्रेस ने वीर सावरकर का भी अपमान किया. आपातकाल लगाकर उन्होंने सभी संवैधानिक मूल्यों का उल्लंघन किया.

आजकल राजा की दिमागी हालत ठीक नहीं : महेश्वर सिंह

पटना (एजेंसी): बिहार के निर्दलीय विधान पार्षद महेश्वर सिंह ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर विवादित टिप्पणी कर दी है. सीएम नीतीश कुमार की 'प्रगति यात्रा' पर तंज कसते हुए एमएलसी महेश्वर सिंह ने मुख्यमंत्री की दिमागी हालत को सही नहीं बताया है. उन्होंने कहा कि नहर में पानी नहीं है. किसानों के पास बीज नहीं है. जनप्रतिनिधियों के बैठने के लिये कोई जगह नहीं हैं, लेकिन सूबे के राजा यात्रा पर निकल रहे हैं. एमएलसी महेश्वर सिंह इतने पर भी नहीं रुके, उन्होने मुख्यमंत्री के दिमागी हालात पर भी कुछ ऐसा बोल दिया है जो अब वायरल हो गया है.

उन्होंने कहा कि आजकल राजा की दिमागी हालात ठीक नहीं है. वो गड़बड़ा गए हैं. आजकल उनका व्यवहार खराब हो गया है. मोतिहारी के ढाका में आयोजित पूर्व राज्यसभा सांसद स्वर्गीय मोतिउर रहमान के पुण्यतिथि समारोह के अवसर पर जनप्रतिनिधि भवन का उद्घाटन करने पहुचे निर्दलीय विधान पार्षद महेश्वर सिंह ने नीतीश सरकार पर जमकर भड़ास निकाली. विधान परिषद महेश्वर सिंह कहा कि नीतीश कुमार ने जमीन सर्वे के नाम पर पूरे बिहार को गृहयुद्ध में झोंक दिया है. बता दें कि माहेश्वर सिंह २०२२ में एमएलसी बने थे. उन्होंने पूर्वी चंपारण विधान परिषद सीट से राजद प्रत्याशी पूर्व विधायक राजेश रौशन उर्फ बब्लू देव को २१७ मतों से पराजित किया था. पहली वरीयता के मतों की गिनती में माहेश्वर सिंह ने २००१ मत प्राप्त किया था जबकि राजेश रौशन उर्फ बब्लू देव को १८९४ मत मिले थे. वहीं तीसरे स्थान पर निवर्तमान विधान पार्षद भाजपा प्रत्याशी राजेश कुमार उर्फ बब्लू गुप्ता रहे थे.

गृहमंत्री के बयान को तोड़-मरोड़ कर पेश किया जा रहा हैं : संगीता कुमारी

पटना (एजेंसी): बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के बयान को लेकर राजनीति जारी है. विपक्ष इसे बाबा साहेब का अपमान बताकर बीजेपी पर हमलावर है. इस बीच बिहार की मोहनिया सीट से राजद की बागी विधायिका संगीता कुमारी ने बड़ी बात कही है. उन्होंने कहा कि बाबा साहब को भारत रत्न देने और संसद में प्रतिमा लगवाने का काम भाजपा ने किया है. विधायिका संगीता कुमारी ने कहा कि काग्रेस एवं राजद के लोग अमित शाह के बयान को तोड़-मरोड़ कर पेश कर रहे हैं.

मोहनिया पहुंची राजद के बागी विधायक संगीता कुमारी ने इंडी गठबंधन पर हमला बोलते हुए कहा कि गृह मंत्री अमित शाह के बयान को तोड़-मरोड़ कर कांग्रेस और राजद के लोगों द्वारा पेश किया जा रहा है. कांग्रेस के कार्यकाल में ना तो बाबा साहब को संसद में भेजा गया और ना ही उनको सम्मान दिया गया, जबकि भारत रत्न देने का काम बीजेपी ने किया और संसद में प्रतिमा लगाने का काम भी भाजपा ने किया. उन्होंने कहा कि कांग्रेस के लोग सिर्फ उनके नाम पर वोट लेते आए हैं और सम्मान देने का काम सिर्फ भाजपा कर रही है.

ज़ी न्यूज़ से खास बातचीत में मोहनिया से राजद से बागी विधायक संगीता कुमारी ने इंडी गठबंधन पर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस ने अंबेडकर जी को सम्मान क्यों नहीं दिया. अंबेडकर जी को संसद में जाने से किसने रोका? बाबा साहब को सम्मान भाजपा ने दिया. संसद में बाबा साहब अंबेडकर की मूर्ति भारतीय जनता पार्टी ने लगवाया और भारत रत्न की उपाधि भारतीय जनता पार्टी ने दिया. मोहनिया विधायक ने आगे कहा कि कांग्रेस ने १९७५ में संविधान का गला घोट कर इमरजेंसी लगाई थी. उसको देश कभी भुला नहीं है.

उन्होंने कहा कि कांग्रेस कभी भी दलितों की हितैषी नहीं रही है. दलितों का सिर्फ वोट लेने का काम करती है और सम्मान नहीं देती है. कांग्रेस ने ही जगजीवन बाबू को प्रधानमंत्री नहीं बनने दिया था. जब बाबा साहब को संसद में भेजने की बात आई तो कांग्रेस ने विरोध किया था. आज ये लोग दलितों को भ्रमित करने प्रयास कर रहे हैं. कांग्रेस ने संसद में संविधान का चीर हरण किया और सबसे ज्यादा संशोधन किया.

महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म

पटना (एजेंसी): बिहार की राजधानी पटना से एक और हैवानियत का मामला सामने आया है, जहां राजधानी पटना के बिक्रम थाना क्षेत्र में खेत में काम कर रही महिला को चार युवकों ने जबरन उठाकर बगीचे में ले गया, इसके बाद सभी चार युवकों ने महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया है. दुष्कर्म के बाद बेबस हालत में किसी तरह पीड़ित महिला पुलिस स्टेशन पहुंची और घटना के बारे में जानकारी दी. मामले की खबर होते ही पुलिस एक्शन में आई और कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है.

वहीं, पीड़ित महिला को मेडिकल जांच के लिए अस्पताल भेज दिया गया है. बता दें कि पीड़ित महिला की उम्र २६ साल है.

पटना-बांद्रा सुपरफास्ट एक्सप्रेस में लगी आग

पटना (एजेंसी): दानापुर-डीडीयू रेलखंड के डुमरांव रेलवे स्टेशन पर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब २२९७२ पटना-बांद्रा सुपरफास्ट एक्सप्रेस की जनरल बोगी के निचले हिस्से में अचानक आग लग गई. इससे यात्रियों में हड़कंप मच गया. आनन-फानन में रेलवे अधिकारियों को सूचित किया गया और ट्रेन को डुमरांव रेलवे स्टेशन पर रोका गया. जहां फायरब्रिगेड की टीम भी पहुंची. रेलवे स्टेशन पर सभी यात्रिओं को सुरक्षित बाहर निकालने के बाद १३ सदस्यीय फायरब्रिगेड कर्मियों की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया. अच्छी बात ये है कि इस घटना में किसी तरह की जनहानि की सूचना नहीं मिली है. सभी यात्री पूरी तरह से सुरक्षित बताए जा रहे हैं.

जानकारी के मुताबिक, जिस बोगी में आग लगी थी उसे वहीं पर छोड़कर ट्रेन को आगे के लिए रवाना किया गया. बताया जा रहा है कि पटना-बांद्रा सुपरफास्ट ट्रेन बक्सर जिले के टुड़ीगंज रेलवे स्टेशन से रात १ बजकर २ मिनट पर गुजर रही थी. इसी दौरान स्टेशन पर मौजूद रेलवे कर्मचारियों ने ट्रेन की जनरल बोगी के निचले हिस्से से आग की लपटें देखीं. कर्मचारियों ने तुरंत ही रेलवे कंट्रोल रूम को इसके बारे में सूचित किया. स्टेशन पर तैनात कर्मियों ने फायरब्रिगेड को भी इस घटना की सूचना दी.

इस घटना की जानकारी मिलते ही रेलवे में हड़कंप मच गया. ट्रेन को अगले स्टेशन डुमरांव में रोका गया और आनन-फानन में बोगी को खाली कराया गया. इसके बाद दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया. ट्रेन की जिस बोगी में आग लगी थी, उसे यहीं काटकर अन्य ट्रेन को तीन घंटे बाद ट्रेन को आगे रवाना किया गया. बता दें कि २ साल पहले बक्सर-पटना रेलखण्ड के रघुनाथपुर रेलवे स्टेशन पर भीषण ट्रेन हादसा हुआ था. जहां कई लोगों ने अपनी जान गंवा दी थी. ठीक उसी रेलवे स्टेशन के पास ट्रेन की बोगी से निकलती आग की लपटों को देखकर लोगों को वह भयावह मंजर याद आ गया.

अमित शाह की टिप्पणी ने आंबेडकर की गरिमा को ठेस पहुंचाई : मायावती

लखनऊ (ईएमएस) : बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो एवं उप्र की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने बृहस्पतिवार को कहा कि केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने डा. बीआर आंबेडकर की गरिमा को ठेस पहुंचाई है और उन्हें अपनी टिप्पणी वापस ले लेनी चाहिए। बसपा नेता ने कहा कि भाजपा नेता की टिप्पणी ने दलित मसीहा की गरिमा को ठेस पहुंचायी है, और उनके अनुयायियों को अपमानित एवं आहत किया है।

बसपा सुप्रीमो मायावती ने यहां पत्रकार वार्ता में कहा, ''जैसा कि सर्वविदित है कि संसद में भाजपा के श्री अमित शाह द्वारा भारतीय संविधान के मूल निर्माता तथा दलितों व अन्य उपेक्षित वर्गों के पूज्य भगवान एवं मसीहा परम पूज्य बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के बारे में इस्तेमाल किए गए शब्दों से बाबा साहेब की गरिमा एवं अस्तित्व को गहरी ठेस पहुंची है।'' उन्होंने कहा, ''हमारी पार्टी का मानना है कि इससे उनका एक तरह से अपमान हुआ है, जिससे पूरे देश में उनके अनुयायियों में जबरदस्त रोष एवं आक्रोश है, और मैं कहूंगी कि उन्हें जल्द ही अपने इन शब्दों को वापस लेना चाहिए तथा इसके लिए पश्चाताप भी करना चाहिए। अन्यथा उनके अनुयायी इस घटना को कभी नहीं भूल पाएंगे और न ही उन्हें कभी माफ कर पाएंगे।

अखिलेश ने बुलाई सभी विधायकों की बैठक

लखनऊ (ईएमएस): समाजवादी पार्टी ने अपने सभी विधायकों की बैठक बुलाई है। इसमें सदन में कैसे रणनीति से आगे बढ़ाना हैं, इस पर मंथन हो रहा है। बैठक में राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव भी भाग लेने पहुंचे है। इस दौरान मेरठ के सरधना से विधायक अतुल प्रधान ने कहा कि वर्तमान में कैसे लोकतंत्र का हनन हो रहा है। संविधान की धज्जियां उड़ाई जा रही है। विपक्ष किसी विषय पर अपनी बात रखता है, तब विपक्ष को कैसे प्रताड़ित किया जा रहा है।

जिला परिषद कार्यालय, जामताड़ा

डाक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नारायणपुर अंचल अन्तर्गत चन्दाडीह–लखनपुर पंचायत में मौजा देवलबाड़ी में प्रतिवर्ष मकर सक्रांति मेला आयोजित किया जाता है। उक्त सैरात की बन्दोवस्ती डाक द्वारा प्रतिवर्ष की जाती है। वर्ष 2024–25 के लिए बन्दोवस्ती हेतु डाक दिनांक 26.12.2024 (गुरूवार) को 12:00 बजे अपराह्न अद्योहस्ताक्षरी द्वारा जिला परिषद कार्यालय, जामताड़ा में किया जायेगा जिसका न्यूनतम डाक राशि 5900000/– (उनसठ लाख) रूपये है। न्यूनतम डाक राशि का 10 प्रतिशत राशि नाजिर जिला परिषद जामताड़ा के पास बैंक ड्राफ्ट जमा कर उक्त डाक में भाग ले सकते हैं।

ह0/–
उप विकास आयुक्त–सह–
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी,
जिला परिषद, जामताड़ा

PR 342342 Rural Development (24-25)_D

कार्यालय, चास नगर निगम, चास (बोकारो)

आई0टी0आई0 मोड़, NH-32, चास, बोकारो, पिन–827013

E-mail:- chasmunicipalcouncil@gmail.com

–: आम सूचना :–

एतद् द्वारा कालापत्थर के ग्रामवासियों को सूचित किया जाता है कि नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखण्ड सरकार का उपक्रम जुडको लि0 द्वारा मौजा–कालापत्थर, थाना सं0 – 25, खाता सं0 – 148, प्लॉट सं0 – 105, रकवा – 02 एकड में FSTP (Faecal Sludge Treatment Plant) का निर्माण प्रस्तावित है, जिसमें आम नागरिकों के घरों का सैप्टिक टैंक के पानी का Scientific तरीके से Treatment (निस्तारण) किया जायेगा, जो पूरी तरह ECO friendly एवं पर्यावरण के अनुकूल रहेगा)। माह जून 2024 में जुडकों लि0 द्वारा FSTP (Faecal Sludge Treatment Plant) प्लांट निर्माण का कार्य प्रारम्भ किया गया था, परंतु विभिन्न भ्रांतियों के कारण आम नागरिकों द्वारा विरोध किया गया और कार्य अवरूद्ध हो गया। आम नागरिकों FSTP (Faecal Sludge Treatment Plant) के संबंध में पूर्ण जानकारी के उद्येश्य से FSTP (Faecal Sludge Treatment Plant) प्लांट, गिरीडीह का भ्रमण कार्यक्रम दिनांक 21.12.2024 पूर्वाह्न 10:30 बजे रखा गया है। गिरीडीह आने–जाने हेतु बस की व्यवस्था रहेगी। बस कालापत्थर, मेन रोड से पूर्वाह्न 10:30 बजे प्रस्थान करेंगी।

अतः सभी ग्रामवासियों से अनुरोध है कि FSTP (Faecal Sludge Treatment Plant) का भ्रमण कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में भाग लें।

प्रशासक
–सह–
अपर नगर आयुक्त,चास नगर निगम

PR 342412 Urban Development(24-25).D

जिला परिषद कार्यालय, बोकारो

–ःआम सूचनाः–

जिला परिशद्, बोकारो द्वारा विभिन्न स्थानों पर निर्मित खाली दुकानों का बंदोबस्ती/नीलामी खुली डाक के माध्यम से किया जाना है। जिसके लिए इच्छुक व्यक्तियों से आवेदन आमंत्रित की जाती है। जिसकी विस्तृत विवरणी निम्नांकित हैं:–

क्र0	प्रखण्ड	निर्मित स्थल की विवरणी	दुकान संख्या	न्यूनतम सुरक्षित राशि (प्रति दुकान)	मासिक भाड़े की दर (प्रति दुकान)	नीलामी की तिथि, समय एवं स्थान
1	चन्दनकियारी	तालगड़िया रेलवे स्टेशन उपरी तल (पार्ट–1) में निर्मित दुकान	13,14,15,16,17 एवं 18	10,000.00 रु0	400.00 रु0	दिनांक 03/01/2025 को समय–11:30 बजे पूर्वाह्न से स्थान–जिला परिशद कार्यालय, बोकारो
2	चन्दनकियारी	तालगड़िया रेलवे स्टेशन उपरी तल (पार्ट–2) में निर्मित दुकान	1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8 एवं 9	10,000.00 रु0	400.00 रु0	
3	चास	बिजुलिया हाई स्कूल मोड़ उपरी तल (पार्ट–3) में निर्मित दुकान	32, 33, एवं 34	30,000.00 रू0	400.00 रु0	
4	चास	मामरकुदर मोड़ चन्दनकियारी रोड स्थित उपरी तल में निर्मित दुकान	1, 2, 3, 4, 5, 6, 8, 9, 10, 11, 12, 13 एवं 14	60,000.00 रू0	1200.00 रु0	
5	चास	मामरकुदर मोड़ सीमाबाद रोड स्थित उपरी तल में निर्मित दुकान	01,03 एवं 04	40,000.00 रू0	960.00 रु0	
6	पेटरवार	पेटरवार गागीहाट भूतल में निर्मित दुकान	09	50,000.00	500.00 रु0	
7	चास	चास मॉल के प्रथम तल में अवस्थित दुकान	09 एवं 12	5,00,000.00	20.00 रू0 प्रति वर्गफीट	
8	चास	चास मॉल के द्वितीय तल में अवस्थित दुकान	20, 25, 27, 28 एवं 29	3,00,000.00	17.50 रू0 प्रति वर्गफीट	
9	चास	चास मॉल के तृतीय तल में अवस्थित दुकान	35, 36, 37, 38, 39, 40, 41, 42, 43, 44, 45, 46, 47, 48, 49, 50, 51, 52, 53, 54, 55, 56, 57 एवं 58	2,00,000.00	15.00 रू0 प्रति वर्गफीट	

नोटः– जिला परिषद, बोकारो द्वारा विभिन्न स्थानों में निर्मित खाली दुकानों का आवंटन/नीलामी खुली डाक में भाग लेने के लिए इच्छुक आवेदक जिला परिषद कार्यालय, बोकारो के नजारत भाखा में 500 रू0 नगद जमा कर दिनांक 21.12.2024 से दुकान आवंटन संबंधी आवेदन पत्र प्राप्त कर सकते है। आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 01.01.2025 को अपराह्न 5:00 बजे तक होगी।

दुकान आवंटन से सम्बंधित विस्तृत विवरणी जिला परिषद बोकारो के विभागीय वेबसाईट www.zilaparishadbokaro.com /सूचनापट्ट पर देखा जा सकता है।

उप विकास आयुक्त–सह–
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी,
जिला परिषद, बोकारो

PR 342353 (Panchayati Raj)24-25*D

कार्यालय : धनवार नगर पंचायत, गिरिडीह

ई0मेल- nagar.dhanwar@gmail.com / दूरभाष : 06554 796845

शुद्धि पत्र

PR No. 341166

इस कार्यालय के अतिअल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या – 02/2024–25 में निम्नलिखित संशोधन किया जाता है :–

1. अतिअल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना में प्रकाशित ग्रुप सं0– UDD/DNP/09/2023-24, योजना का नाम– धनवार नगर पंचायत कार्यालय में **Rain Water Harvesting** का निर्माण को अपरिहार्य कारणों से रद्द किया जाता है।
2. इस निविदा आमंत्रण सूचना संख्या – 02/2024–25 अन्य सभी योजनाएँ/नियम एवं शर्ते यथावत् रहेगी।

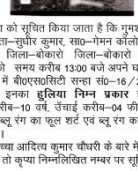

ह0/–
कार्यपालक पदाधिकारी,
धनवार नगर पंचायत

PR 342368 (Urban Development and Housing)24-25*D

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, बोकारो

गुमशूदा बच्चा आदित्य कुमार चौधरी

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि गुमशूदा बच्चा आदित्य कुमार चौधरी उम्र–10 वर्ष पिता–सुधीर कुमार, सा0–गेमन कॉलोनी लकड़ा खन्दा थाना–जिला–बी0एस0सिटी, जिला–बोकारो जिला–बोकारो का निवासी है, जो दिनांक–02.12.2024 को समय करीब 13:00 बजे अपने घर से निकला जो अबतक लापता हैं। इस संबंध में बी0एस0सिटी सन्हा सं0–16/24, दिनांक–03.12.2024 दर्ज किया गया हैं। इनका **हुलिया निम्न प्रकार हैं**– शरीरिक बनावट–दुगला–पतला, उम्र करीब–10 वर्ष, उँचाई करीब–04 फीट 05 इंच, रंग–सांवला, चेहरा–गोल, पहनावा–ब्लू रंग का फूल शर्ट एवं ब्लू रंग का ट्राउजर पहना हुआ हैं। भाषा–हिन्दी बोलता हैं ।

गुमशूदा बच्चा आदित्य कुमार चौधरी के बारे में अगर किसी को कुछ भी जानकारी प्राप्त होती है तो कृप्या निम्नलिखित नम्बर पर सूचित करने का कष्ट किया जाए।

1. पुलिस अधीक्षक, बोकारो का मो0 नं0–9431706418
2. थाना प्रभारी,बीएस0सिटी बोकारो का मो0 नम्बर–9431706424

पुलिस अधीक्षक
बोकारो

PR 342361 Police(24-25).D

उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, गिरिडीह
(जिला समाज कल्याण शाखा)

ई–मेल :– dswgiridih2324@gmail.com

ऑंगनबाड़ी सेविका/सहायिका के रिक्त पदों पर चयन हेतु सूची

क्र0 सं0	परियोजना का नाम	ऑंगनबाड़ी केन्द्र का नाम	चयनित पद	चयन की तिथि	समय	चयन स्थल
1	बगोदर	बिन्द	सहायिका	24.12.2024	11:00 AM	ऑंगनबाड़ी केन्द्र परिसर
2		बिरहोटण्डा कालीचटट्ान	सहायिका	24.12.2024	1:00 PM	ऑंगनबाड़ी केन्द्र परिसर
3		भण्डार टोला बेको	सहायिका	27.12.2024	11:00 AM	ऑंगनबाड़ी केन्द्र परिसर
4		घाघरा खास	सहायिका	27.12.2024	1:00 PM	ऑंगनबाड़ी केन्द्र परिसर
5		गम्हरिया	सहायिका	28.12.2024	11:00 AM	ऑंगनबाड़ी केन्द्र परिसर
6	गिरिडीह सदर	Dudpaniya	सहायिका	06.01.2025	10:00 a.m.	ऑंगनबाड़ी केन्द्र परिसर
7		Gadi laghu	सहायिका	06.01.2025	01:00 p.m.	ऑंगनबाड़ी केन्द्र परिसर
8		Jetko	सहायिका	07.01.2025	10:00 a.m.	ऑंगनबाड़ी केन्द्र परिसर
9		Borotand	सहायिका	08.01.2025	10:00 a.m.	ऑंगनबाड़ी केन्द्र परिसर
10		Manjhaladih	सहायिका	09.01.2025	10:00 a.m.	ऑंगनबाड़ी केन्द्र परिसर
11		Masmohna	सहायिका	10.01.2025	10:00 a.m.	ऑंगनबाड़ी केन्द्र परिसर
12		Ranidih laghu	सहायिका	11.01.2025	10:00 a.m.	ऑंगनबाड़ी केन्द्र परिसर
13		Tarabali	सहायिका	16.01.2025	10:00 a.m.	ऑंगनबाड़ी केन्द्र परिसर
14		Dumriyatand	सहायिका	17.01.2025	10:00 a.m.	ऑंगनबाड़ी केन्द्र परिसर
15		Manikbad	सहायिका	17.01.2025	01:00 p.m.	ऑंगनबाड़ी केन्द्र परिसर
16		Sikdardih	सहायिका	18.01.2025	10:00 a.m.	ऑंगनबाड़ी केन्द्र परिसर
17		Dudkitand	सहायिका	20.01.2025	10:00 a.m.	ऑंगनबाड़ी केन्द्र परिसर
18		Undro	सहायिका	21.01.2025	10:00 a.m.	ऑंगनबाड़ी केन्द्र परिसर
19		Chapargodwa	सहायिका	22.01.2025	10:00 a.m.	ऑंगनबाड़ी केन्द्र परिसर
20		Dhab	सहायिका	24.01.2025	10:00 a.m.	ऑंगनबाड़ी केन्द्र परिसर
21		Jharna	सहायिका	25.01.2025	01:00 p.m.	ऑंगनबाड़ी केन्द्र परिसर

जिला समाज कल्याण पदाधिकारी,
गिरिडीह

PR 342374 Social Welfare,Women and Child Development(24-25)#D

श्री अय्यप्पा पब्लिक स्कूल में वार्षिक खेल दिवस

बोकारो (ससे): श्री अय्यप्पा पब्लिक स्कूल, बोकारो का ३६वां वार्षिक खेल दिवस शुक्रवार, १९ दिसंबर २०२४ को बड़े हर्षो उल्लास के साथ प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर विद्यालय परिसर की सजावट विभिन्न पोस्टरों और रंग बिरंगे नारो से सजाया गया था। यह पोस्टर बच्चों के मनोबल के उत्साह वर्द्धन में चार-चांद लगा रहे थे। चारों ओर उर्जा और उत्साह का वातावरण नजर आ रहा था। आयोजनों में छात्रों, अभिभावकों, षिक्षको और स्कूल कर्मचारियों की भारी उपस्थिति देखी गई। सभी ने इस प्रतियोगिता में उत्सुकता से भाग लिया और अपनी-अपनी टीमों का उत्साहवर्धन किया।

खेल की शुरुआत मुख्य अतिथि श्री सुधीर कुमार, जी.एम. परियोजना प्रबंधक, सेल, बोकारो स्टील सिटी, श्री अभिषेक कुमार, प्राचार्य, श्री गुरू गोविन्द सिंह पब्लिक स्कूल, चास, बोकारो, कोषाध्यक्ष, डॉ. राधाकृष्णन सहोदया कम्पेलक्स, श्री सोमेन चक्रवर्ती, प्राचार्य, श्री गुरू गोविन्द सिंह पब्लिक स्कूल, सेक्टर ५, बोकारो, उपाध्यक्ष, डॉ. राधाकृष्णन सहोदया कम्पेलक्स, श्री सुरज शर्मा, प्राचार्य, चिन्मय विद्यालय, सिटी बोकारो, नगर समन्वयक एवं डी. टी. सी., सीबीएसई द्वारा मशाल जलाकर की गई। मुख्य अतिथियों का स्वागत पुष्प गुच्छ, बच्चों के द्वारा बनाया गया बैंच लगाकर किया गया। स्वागत गान- ''स्वागतम हम आपका अभिनंदन करते है'' ने अतिथियों को भाव विभोर कर दिया।

विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती पी शैलजा जयकुमार ने अपने स्वागत भाषण में अतिथियों का अभिनंदन करते हुए कहा कि-जीवंत और ऊर्जावान स्कूल खेल दिवस ने न केवल एथलेटिक कौशल बल्कि हमारे छात्रों की रचनात्मक और लयबद्ध प्रतिभा को भी प्रदर्शित करने का मार्ग प्रषस्त करते है। इस तरह की खेल प्रतियोगिता प्रादेषिक जन-जातीय आभूषण, परिधान से सुसज्जित, रिंक-विंग नृत्य आकर्षण का केन्द्र रहा। आवष्यक है।

खेल प्रतियोगिता का आकर्षण का केन्द्र योगा नृत्यम् - योग और नृत्य का सम्मिश्रण है। यह नृत्य भावना, उर्जा का स्वतंत्र प्रवाह, लड़ाकुओं के द्वारा विभिन्न आसन को नृत्य के द्वारा कक्षा ३ के विधार्थियों प्रस्तुत किया गया।

दूसरा कक्षा ५ वी के विधार्थियों द्वारा संथराली रिंग-विंग लोक नृत्य (ड्रिल) जो झारखण्ड, पष्चिम बंगाल, उडीसा, असम का लोक नृत्य है जो एकता, खुषी, सामुहिक उत्साह, पर्व-त्योहार, कृषि के प्रदर्षन को बताता है। प्रकृति के प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हुए प्रादेषिक जन-जातीय आभूषण, परिधान से सुसज्जित, रिंक-विंग नृत्य आकर्षण का केन्द्र रहा।

तीसरा पाइका नृत्य जो नागपुरी भाषित लोक नृत्य के रूप में अपनी पहचान परंपरिक मुण्डा जनजाति द्वारा प्रस्तुत बहादुरी, सांस्कृतिक, एकता, कला, युद्ध की तैयारी, मानसिक संतुलन, परंपरागत वाद्य यंत्रों का इतिहास बताते हुए, बहादुरी, धैर्य की कहानी का प्रस्तुतिकरण अपने नृत्य के द्वारा किया। वेष-भूषा, धोती, गमछा, मोर पंखी और युद्ध कौषल (प्रषिक्षण) की तैयारी को प्रदर्षित किया।

जिसके बाद छह सदनों के छात्रों द्वारा भव्य मार्च पास्ट किया गया तथा खेल शपथ लिया। राष्ट्रगान ने दिन भर के लिए देशभक्ति का माहौल तैयार कर दिया। खेल गतिविधियों में जिग-जैग रेस (लड़के और लड़कियाँ) जैसे कई कार्यक्रम शामिल थे। स्कूल के लिए तैयार होना (लड़के और लड़कियाँ), ७५ मीटर दौड़ (लड़के और लड़कियाँ), बाधा दौड़ (लड़के और लड़कियाँ), १०० मीटर छोटे छात्रों के लिए रेस (लड़के और लड़कियां) और ४१०० रिले रेस (लड़के और लड़कियां)। एथलीटों ने हफ्तों के कठोर अभ्यास के दौरान अपने समर्पण और कड़ी मेहनत का प्रदर्शन करते हुए असाधारण उत्साह और खेल कौशल का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण ४१०० रिले रेस (लड़के और लड़कियां) थी जिसने दर्शकों को अपनी सीटों से बांधे रखा।

मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन भाषण में खेल की महत्ता का वर्णन करते हुए उन्होने कहा कि ''हमारे जीवन में खेल-कूद बहुत ही जरूरी है, इनसे बीमारियाँ तो दूर रहती ही हैं साथ ही साथ चित्त भी प्रसन्न रहता है।अपनी ऊर्जा को सकारात्मक दिशा दें और देश की तरक्की में अपना योगदान दें। खेल जीवन को आनंदमय बनाने के साथ आपको पद, पैसा और प्रतिष्ठा भी दिलाता है।

खेल के बगैर विद्यार्थियो में नेतृत्व क्षमता का विकास नहीं हो सकता। विभिन्न खेलों में छात्रों का बेहतर प्रदर्शन हमें संतुष्टि दे रहा है।''

राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन पर कार्यशाला का आयोजन

बोकारो (ससे): तेजी से बदल रहे पर्यारण का प्रभाव सबसे अधिक किसानों और ग्रामीण समुदाय पर देखने को मिल रहा है. ऐसे में समय रहते इन्हें इससे बचाव के तरीकों के बारे में भी सजग करना होगा. इसी सोच के साथ गुरुवार को पेटरवार वन विश्रामागार में वन विभाग की ओर से 'जलवायु परिवर्तन और हम: एक पहल समाधान की ओर' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया. इसमें असर, एसआईडीएच्ए व पंच सफर संस्था का भी सहयोग रहा. कार्यशाला में पेटरवार व आसपास के इलाकों से वन रक्षा समिति से जुड़े लोग व पंचायत प्रतिनिधि शामिल हुए.

मुख्य अतिथि एपीपीसीएफ रवि रंजन ने कहा कि नेशनल मिशन ऑन स्ट्रैटेजिक नॉलेज फॉर क्लाइमेट चेंज से पूरे झारखंड में २५००० हजार लोगों को जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है. इस लक्ष्य को अगले ५ साल में पूरा किया जाएगा. पर्यावरण में हो रहे बदलाव का असर पूरी दुनिया में देखा जा रहा है. सऊदी में बर्फबारी तो पाकिस्तान में बाढ़ आने लगी है. झारखंड भी इससे अछूता नहीं है. इसरो के रिसर्च का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि झारखंड का ६९ प्रतिशत इलाका मरुस्थल में तब्दील होने के कगार पर है. यही वजह है कि पानी की किल्लत राज्य में देखी जा रही है. पानी को रोकने का उपाय करना होगा.

उन्होंने कहा कि औद्योगीकरण से धरती का तापमान १.१ डिग्री बढ़ गया है. इससे बरसात के समय में तेजी से बदलाव हो रहा है. खतरा दरवाजे पर आए, उससे पहले सचेत होने की आवश्यकता है. इसके लिए वर्कशॉप के इतर जो असली काम होना है, वो गांव में, गांव के लोगों के द्वारा ही किया जा सकता है. जंगल के साथ रहनेवाले लोग ही इसे बचाने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकते हैं.

मौके पर बोकारो के डीएफओ रजनीश कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन कार्य योजना के तहत राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन के लिए रणनीतिक ज्ञान मिशन (एनएमएसकेसीसी) संचालित होता है. इसकी शुरुआत साल २००८ में हुई थी. इसका उद्देश्य जलवायु परिवर्तन के बचाव के विभिन्न उपायों के बारे में प्रामीणों को बताना है.कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोगी संस्था असर के मुन्ना झा, इश्तियाक अहमद, एसआईडी एच्ए के हेमंत कुमार, गुलाबचंद्र, मनीष कुमार आदि की भूमिका रही.

पटना पुलिस ने 5 साइबर अपराधियों को किया गिरफ्तार

पटना (एजेंसी): बिहार के नए डीजीपी विनय कुमार के पदभार संभालते ही पुलिस ने अपराधियों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है. इसी कड़ी में पटना पुलिस ने तेलंगाना से साइबर अपराध की घटना को अंजाम देने वाले शातिरों को धर दबोचा है. पुलिस ने साइबर क्राइम करने वाले सरगना सहित कुल ५ लोगों को गिरफ्तार किया है. बताया जा रहा है कि पटना में ऑनलाइन लोन प्रोवाइड के नाम पर शातिर लोगों को अन्य ऑनलाइन माध्यमों से अपना शिकार बनाते और ग्राहकों से लोन सर्टिफिकेट अप्रूव्ड ऑनलाइन भेजने के नाम पर १५ हजार की ठगी कर लेते थे.

पटना साइबर थाने की टिम लगातार ऐसे शातिरों के ऑनलाइन ठगी के माध्यमों पर पैनी निगाह रखती है. इसी कड़ी में मिले इनपुट पर पटना साइबर टीम ने रामकृष्ण नगर थाना क्षेत्र के आदर्श कॉलोनी इलाके में पहुंची, जहां एक फ्लैट में धाबा बोल कुल ५ लोगों को गिरफ्तार किया है.

आरोपियों के पास से साइबर थाना पुलिस ने एक लैपटॉप, १३ मोबाइल, ३ स्टंप, बजाज फाइनेंस एलटीडी मनी रिसिप्ट बरामद हुआ है. गिरोह का सरगना नालंदा जिले के ६ बीघा कतरी सराय का रहने वाला २६ वर्षीय गोपाल कुमार उर्फ राहुल फरार है.

फिलहाल पुलिस ने उसके साथ तेलंगाना के रहने वाले गुट्टा शिव कुमार, मारुति, वारला सुधाकर और पी विक्रम रंगा रेड्डी गिरफ्तार किया है. पुलिस की पूछताछ में तेलंगाना से आए गिरफ्तार युवकों ने बताया कि उसे ३ महीने पहले सरगना गोपाल ने पटना बुलाया था और उसके बाद उन लोगों को प्रति महीना १५ हजार देने के नाम पर ऑनलाइन ठगी में लगाया गया था. पुलिस अब सरगना गोपाल कुमार उर्फ राहुल का एक अन्य फरार साथी की तलाश में जुटी हुई है.

उधर लखीसराय थाना पुलिस ने पिपरिया, किऊल और लखीसराय थाना क्षेत्र में छापेमारी कर अंतरजिला बाइक चोर गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है. इनके पास से चोरी की एक प्लसर, एक होंडा साइन और एक टीवीएस राइडर बाइक बरामद हुई है. गिरफ्तार लोगों की पहचान बब्लू तांती उर्फ केहवा ,सिकंदर कुमार उर्फ बंटी और अर्जुन यादव के रूप में हुई है. एसडीपीओ शिवम कुमार ने बताया कि शहर में बाइक चोरी की घटना लगातार हो रही थी. जिसके बाद पुलिस के द्वारा लगातार वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था.

इसी दौरान पुलिस ने बब्लू तांती को चोरी की बाईक के साथ गिरफ्तार किया. जब पुलिस ने कड़ी पूछताछ की तो बब्लू तांती के निशानदेही पर सिकंदर और अर्जुन यादव को भी गिरफ्तार किया गया.

राजद विधायक के भाई के घर पुलिस का छापा, 3 हथियार बरामद

पटना (एजेंसी): बिहार के राजधानी पटना से बड़ी खबर सामने आई है. पटना पुलिस ने राजद विधायक रीतलाल यादव के भाई पिंकू यादव के घर पर देरात छापा मारा. पुलिस ने राजद विधायक के भाई के घर से भारी मात्रा में कैश के साथ-साथ ३ हथियार बरामद हुए हैं. इसके अलावा पुलिस को भारी मात्रा में फाइनेंशियल ट्रांजेक्शन के डॉक्यूमेंट मिले हैं. पुरानी डेट के जमीन की रजिस्ट्री के स्टाम्प पेपर भी बरामद हुए हैं. नकदी को गिनने के लिए पुलिस को नोट गिनने की मशीन मंगानी पड़ी. राजद विधायक के भाई पर ये कार्रवाई एम्स हॉस्पिटल के चीफ सेक्रेटरी इंचार्ज प्रेमनाथ राय पर हुए जानलेवा हमले के मामले में हुई है.

बता दें कि प्रेमनाथ राय पर अगस्त महीने में जानलेवा हमला हुआ था. जिसमें वे बाल-बाल बच गए थे. फिर उन्होंने (प्रेमनाथ राय) दानापुर के विधायक रीतलाल यादव के भाई पिंकू यादव पर साजिश रचने का आरोप लगाया था. पुलिस ने जांच में पिंकू यादव की संलिप्तता पाई गई थी. इसके बाद पुलिस के द्वारा कई बार पिंकू यादव को गिरफ्तार करने का प्रयास किया गया, लेकिन पिंकू यादव पुलिस के हाथ नहीं आया. इसी कड़ी में पुलिस ने १८ दिसंबर की रात को पिंकू यादव के घर में छापेमारी कार्रवाई की.

एसीएस ने कई शिक्षकों को किया सम्मानित

पटना (एजेंसी): शिक्षा विभाग के एसीएस डॉ. एस सिद्धार्थ ने कई शिक्षकों को बेहतर कार्य करने के लिए सम्मानित किया है. एसीएस ने कई शिक्षकों को 'टीचर ऑफ द मंथ' प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया है. जिससे उनके अंदर उत्साह और उमंग देखने को मिल रहा है.

शिक्षा विभाग के द्वारा नवंबर २०२४ के लिए प्रखंड स्तरीय उत्कृष्ट शिक्षक का प्रशस्ति पत्र कई शिक्षकों को प्रदान किया गया है. सुधांशु कुमार जो गोपालगंज जिला के पंचदेवरी प्रखंड के उच्च विद्यालय में कार्यरत है, इनको नवंबर महीने में प्रखंड स्तरीय उत्कृष्ट शिक्षक का प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया है. अलका भारती जो जमुई के बरहर प्रखंड के +२ उच्च विद्यालय में कार्यरत है, इनको नवंबर महीने में प्रखंड स्तरीय उत्कृष्ट शिक्षक का प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया है.

पटना में बीपीएससी अभ्यर्थियों का सत्याग्रह जारी

पटना (एजेंसी): बीपीएससी की ७०वीं संयुक्त प्रारंभिक परीक्षा में कथित पेपर लीक पर बवाल थमने का नाम नहीं ले रहा है. इस परीक्षा को रद्द करने की मांग को लेकर पटना के गर्दनीबाग में हजारों की संख्या में अभ्यर्थी आंदोलन करने में जुटे हैं. ठिठुरती रात में भी धरनास्थल पर काफी संख्या में अभ्यर्थी रात भर बैठे रहे.

सर्दी के मौसम में अभ्यर्थी कंबल ओढ़कर धरनास्थल पर बैठे हैं. अभ्यर्थियों का कहना है कि पूरी परीक्षा रद्द होनी चाहिए और जब तक मांग पूरा नहीं होगा तब तक ऐसे ही रहेंगे. अभ्यर्थियों का अब कहना है कि इडाउ चेयरमैन को इस्तीफा देना चाहिए.

अभ्यर्थियों का कहना है कि जब तक उनकी मांग मान नहीं ली जाती, तबतक उनका सत्याग्रह जारी रहेगा.

इससे पहले बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों ने बुधवार (१८ दिसंबर) की शाम को सैंडिस कंपाउंड में कैडल मार्च निकाला था. प्रदर्शनकारियों ने इस मार्च

को 'शिक्षा सत्याग्रह' का नाम दिया था. १८ दिसंबर की शाम को प्रदर्शनकारियों ने प्रोटेस्ट नहीं-रिक्वेस्ट, विवाद नहीं - संवाद, व्यवधान नहीं - समाधान के नारे के साथ पूरे सैंडिस कंपाउंड का मार्च किया था. मार्च के अंत में एक जगह बैठ कर आंदोलन शुरू कर दिया था. इस दौरान अभ्यर्थियों ने कहा था कि आयोग ने कदाचार मुक्त और धांधली मुक्त परीक्षा लेने का वादा किया था, लेकिन सारे जिले से कुछ न कुछ गड़बड़ी की बात सामने आई है.

उन्होंने कहा था कि बापू सभागार से घटना खुल कर सामने आई, जिससे साफ जाहिर हुआ है कि परीक्षा पारदर्शितापूर्ण नहीं ली गई है. प्रदर्शनकारियों ने कहा कि पटना के बापू सभागार में १२ हजार अभ्यर्थियों की परीक्षा स्थगित कर दी गई है. १२ हजार परीक्षार्थियों की परीक्षा स्थगित होना,

पूरे जिले की परीक्षा स्थगित होना है. इतनी बड़ी संख्या में अगर अभ्यर्थियों की परीक्षा स्थगित की जाती है तो पूरी तरह से रिजल्ट प्रभावित होगा.

भारत को अक्सर अल्पसंख्यकों के मुद्दों पर ज्ञान दिया जाता है : मोहन भागवत

नई दिल्ली (ईएमएस) : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि भारत को अक्सर अपने अल्पसंख्यकों के मुद्दों पर ध्यान देने की सलाह दी जाती है, लेकिन अब हम देख रहे हैं कि अन्य देशों में अल्पसंख्यक समुदाय किस स्थिति में हैं।

हिंदू सेवा महोत्सव के उद्घाटन के दौरान उन्होंने कहा कि विश्व शांति की बात करके प्रभुत्व स्थापित करने का प्रयास हो रहा है। संघ प्रमुख

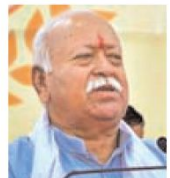

भागवत ने कहा, विश्व शांति के बारे में बड़े ऐलान हो रहे हैं। हम (भारत) को भी विश्व शांति के बारे में सलाह दी जाती है, लेकिन वहीं युद्ध रुक नहीं रहे हैं।

जबकि हमें अक्सर अपने देश में अल्पसंख्यकों के बारे में चिंता करने को कहा जाता है, हम देख रहे हैं कि बाहर अल्पसंख्यक किस प्रकार की स्थिति का सामना कर रहे हैं।

हालांकि, संघ प्रमुख ने बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के खिलाफ हिंसा का कोई संदर्भ नहीं दिया। लेकिन संघ ने शेख हसीना सरकार के पतन के बाद वहां के हिंदुओं की स्थिति को लेकर चिंता जाहिर की थी।

भागवत ने कहा, मानव धर्म (मानवता) सभी धर्मों का शाश्वत धर्म है, जो विश्व धर्म भी है और इस हिंदू धर्म भी कहा जाता है। हालांकि, दुनिया ने इस धर्म को भुला दिया है। उनके पास वही धर्म है लेकिन उन्होंने इस भुला दिया और इसलिए आज हम विभिन्न प्रकार की समस्याओं का सामना कर रहे हैं, जैसे पर्यावरण और अन्य मुद्दे है।

कांग्रेस कार्यकर्ता की मौत पर अज्ञात के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज

गोरखपुर (ईएमएस) : लखनऊ में कांग्रेस के विधानसभा घेराव के दौरान पार्टी के एक युवा नेता प्रभात पांडेय की मौत हो गई। जैसे ही प्रभात का शव उनके गांव पहुंचा वहां मातम छा गया। परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। पुलिस ने प्रभात के चाचा मनीष पांडेय की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिय है। गुरुवार को कड़ी सुरक्षा के बीच प्रभात का अंतिम संस्कार किया गया।

वहीं, यूपी कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय ने सरकार से मृतक प्रभात पांडेय को एक करोड़ का मुआवजा और मृतक के परिवार में किसी एक को सरकारी नौकरी देने की मांग की है। प्रभात की मौत पर राहुल गांधी, प्रियंका गांधी समेत पार्टी के कई बड़े नेताओं ने भी प्रतिक्रिया दी है।

बता दें कि कांग्रेस के युवा नेता प्रभात पांडेय का बुधवार देर रात पोस्टमार्टम कराने के बाद शव उनके परिजनों को सौंप दिया था। पोस्टमार्टम की वीडियोग्राफी भी कराई गई है। फोरेंसिक टीम के साथ डिप्टी सीएम बृजेश पाठक और कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय भी वहां मौजूद थे। आरोप है कि मौत के ठीक पहले दो घंटे तक प्रभात लखनऊ के कांग्रेस कार्यालय में बेहोश हो गए थे। उनके हाथ-पैर ठंडे पड़ चुके थे। शाम ५ बजे उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद प्रभात की मौत पर राजनीति शुरू हो गई।

प्रभात की मौत के बाद कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने प्रदर्शन के दौरान बीजेपी सरकार में पुलिस पर बल प्रयोग का आरोप लगाया तो वहीं राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने एक्स पर इसे बीजेपी राज में पुलिस की बर्बरता करार दिया। उधर, पुलिस ने इस मामले में अफवाह फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है। पुलिस ने प्रदर्शन के दौरान किसी भी तरह के बल प्रयोग से इनकार किया है।

वहीं, इस पूरे मामले में मृतक के चाचा मनीष पांडेय ने बताया कि उन्हें कांग्रेस कार्यालय से फोन आया कि उनका भतीजा बेसुध पड़ा है। उन्होंने बताया कि आनन-फानन में उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मनीष ने बताया कि वे इस मामले की निष्पक्ष जांच कराना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि इस पर किसी भी तरह की राजनीति की जरूरत नहीं है। उन्हें न्याय चाहिए।

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और अन्य लोगों का फोन भी आया था। उन्होंने उनसे भी भतीजे की मौत पर सवाल किया है कि अगर वह दो घंटे तक कांग्रेस कार्यालय में बेहोश था, तो उसे अस्पताल क्यों नहीं ले गए। उन्होंने अज्ञात के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कराया है। डीसीपी सेंट्रल लखनऊ ने बताया कि डॉक्टरों के मुताबिक, उसके शरीर पर कोई चोट नहीं हैं। पोस्टमार्टम कराया गया है, रिपोर्ट आने के बाद सच्चाई सामने आएगी।

देश भर के किसानों को एकत्र कर लड़ेंगे लड़ाई : टिकैत

फतेहपुर (ईएमएस): भारतीय किसान यूनियन के प्रमुख नेता राकेश टिकैत ने केन्द्र सरकार पर निशाना साधते हुए सरकार को किसानों का विरोधी बताया। उन्होंने कहा कि देश में सरकार पूंजीपतियों को फायदा पहुंचाने के लिए रणनीति तैयार करती है।

जबकि किसानों के हित के बारे में सरकार को बिल्कुल भी चिंता नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार एमएसपी गारंटी कानून लागू नहीं कर रही है, जिससे किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य नहीं मिल पा रहा है। जिसकी वजह से देश भर के किसान पिस रहे हैं।

अगर सरकार द्वारा किसानों के हित में कदम नहीं उठाए गए तो देश भर के किसान एकत्रित होकर इसकी लड़ाई लड़ेंगे जिसकी जिम्मेदारी सरकार की होगी।

ग्जले के खागा कस्बे में स्थित गल्ला मंडी परिसर में गुरुवार को भारतीय किसान यूनियन द्वारा किसान महापंचायत का आयोजन किया गया था। किसान महापंचायत में भाकियू प्रवक्ता राकेश टिकैत पहुंचे। जहां भाकियू अध्यक्ष ने किसानों के हित में सरकार के प्रति जमकर हल्ला बोला। महापंचायत में पंजाब में चल रहे किसानों के आंदोलन को समर्थन दिया गया। मंच पर पहुंचते ही

भाकियू अध्यक्ष राकेश टिकैत ने सरकार पर निशाना साधना शुरू कर दिया। राकेश टिकैत ने किसानों से नस्ल और फसल दोनों बचाने की अपील की। कहां सरकार की नीतियां किसानों को खत्म करने पर आमादा है।

उन्होंने सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार झूठ बोल रही है और उनका एजेंडा केवल हिंदू और मुस्लिम को बांटने का है। उन्होंने गृहमंत्री अमित शाह के अंबेडकर वाले बयान पर भी हमला करते हुए कहा कि सरकार इतिहास को मिटाने और संविधान में संशोधन करने की कोशिश कर रही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार पुरानी धरोहरों को नष्ट करने की साजिश कर रही है। अगर किसानों की हित में सरकार फैसला नहीं लेती तो देश भर के किसान एकत्रित होकर एक बड़े आंदोलन की ओर अग्रसर हो जाएंगे जिसकी जिम्मेदारी सरकार की होगी।

कल से राष्ट्रीय खादी व सरस महोत्सव का आयोजन, मुख्यमंत्री करेंगे उद्घाटन

रांची (एजेंसी): झारखंड राज्य खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड, उद्योग विभाग तथा झारखंड राज्य लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी ग्रामीण विकास विभाग के संयुक्त तत्वाधान में राष्ट्रीय खादी एवं सरस महोत्सव २०२४-२५ का आयोजन हो रहा है. ये आयोजन २० दिसंबर से ६ जनवरी तक रांची के मोरहाबादी मैदान में किया जा रहा है. इसे लेकर गुरुवार को उद्योग विभाग की ओर से सुमन पाठक और ग्रामीण विकास विभाग की ओर से मीनाक्षी प्रकाश ने प्रेसवार्ता की.

उन्होंने बताया महोत्सव का उद्घाटन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और समापन राज्यपाल द्वारा किया जायेगा. खादी एवं सरस महोत्सव सुबह १० बजे से रात ८ बजे तक खुला रहेगा. देशभर के विभिन्न राज्यों से स्टॉल लगाए गए है.

साबरमती थीम पर सजा खादी महोत्सव

खादी महोत्सव में इस बार महात्मा गांधी के साबरमती आश्रम के थीम पर आयोजित किया गया है. जिसमें विभिन्न प्रकार के स्टाल बनाए गए हैं. महोत्सव में जीवंत प्रदर्शनी और साबरमती आश्रम आकर्षण का केंद्र होगा. इसमें खादी संस्था, पीएमईजीपी, सरस, फुड स्टॉल, सरकारी स्टॉल लगाए गए हैं. इसमें ५०० से अधिक स्टॉल लगाए गए हैं. महोत्सव में प्रतिदिन विभिन्न वर्गों और बच्चों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित किये जायेंगे. महोत्सव में प्रतिदिन कला एवं संस्कृति विभाग की तरफ से रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये जायेंगे. बच्चों के लिए विभिन्न प्रकार के झूला आकर्षण का मुख्य केंद्र होगा.

10 रुपए में मिलेगा प्रवेश

मेले के लिए १० रुपए प्रवेश शुल्क रखा गया है. उद्घाटन समारोह में महोत्सव परिसर में प्रवेश नि:शुल्क रहेगा.

वाहनों के लिए नगर निगम द्वारा पार्किंग की व्यवस्था की गयी है. किसी भी प्रकार की सहायता के लिए हेल्प डेस्क एवं सीसीटीवी लगाया गया है. वृद्धजनों के लिए ई-रिक्शा की व्यवस्था की गई है.

क्रिसमस के पहले लाभुकों को मिल सकता है मंईयां सम्मान योजना का पैसा

रांची (एजेंसी): मंईयां सम्मान योजना की लाभुकों के लिए अच्छी खबर है. दरअसल क्रिसमस के पहले इस योजना की लाभुक बहनों के खातों में पैसे ट्रांसफर होने की उम्मीद है. चूंकि द्वितीय अनुपूरक बजट को राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार की मंजूरी मिल चुकी है.

बुधवार को ही राज्यपाल ने बजट पर अपनी मंजूरी दे दी है. जिसके बाद विधि विभाग की ओर से अधिसूचना जारी करते ही वित्त विभाग की ओर से भी पत्र जारी किया गया है. मंईयां सम्मान योजना के लिए महिला बाल एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग के अंतर्गत आता है. जिसने स्वीकृति के लिए फाइल विभागीय मंत्री को भेजी है. ये विभाग सीएम हेमंत सोरेन के पास है.

वहीं सीएम की स्वीकृति मिलते ही मंईयां योजना की ५५ लाख लाभुकों के खाते में पैसे आ जाएंगे. पैसे ट्रांसफर करने के लिए महिला बाल एवं सामाजिक विभाग ने सीएम के तारीख देने की

मांग की है. हालांकि अंदरखाने से खबर है कि क्रिसमस के पहले ही लाभुकों के खातों में पैसे ट्रांसफर किए जाएंगे. बता दें कि हेमंत सोरेन की सरकार बनने के बाद विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया गया था. उस सत्र में वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने ११ हजार ६९७ करोड़ ४५ लाख का अनुपूरक बजट पेश किया था. जिसमें से महिला बाल विकास एवं सामांजित सुरक्षा विभाग को सबसे राशि आवंटित किया गया था. जो ६ हजार ३९० करोड़ ५५ लाख रुपए है.

एसबीपीएस की छात्रा ने इंडियन नेशनल मैथमेटिकल ओलिंपियाड में बनाई जगह

रांची (एजेंसी): सरला बिरला पब्लिक स्कूल (एसबीपीएस) की ग्यारहवीं कक्षा की छात्रा जानवी सिन्हा ने रीजनल मैथमेटिकल ओलिंपियाड (आरएमओ) २०२४ में शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया.

यह प्रतिष्ठित परीक्षा छात्रों की तार्किक क्षमता और गणनात्मक कौशल का आकलन करती है. जानवी ने इस परीक्षा में सफलता प्राप्त कर इंडियन नेशनल मैथमेटिकल ओलिंपियाड (आईएनएमओ) २०२४ के लिए अपनी योग्यता साबित की. प्रधानाचार्या परमजीत कौर ने जानवी की इस उपलब्धि की सराहना करते हुए उसके उत्कृष्ट प्रदर्शन को प्रेरणादायक बताया और अगले चरण में भी बेहतर प्रदर्शन की शुभकामनाएं दीं.

राहुल गांधी ने भारतीय लोकतंत्र की गरिमा को तार-तार किया: संजय सेठ

रांची (एजेंसी): केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि उन्होंने आज भारतीय लोकतंत्र को तार-तार कर दिया. यह प्रतिक्रिया उन्होंने संसद परिसर में हुई एक घटना के संदर्भ में दिया है, जिसमें भाजपा के वरिष्ठ सांसद प्रताप चंद्र सारंगी और मुकेश राजपूत के साथ धक्कामुकी की गई, जिसमें उन्हें चोटें आईं.

संजय सेठ ने इस घटना की निंदा करते हुए कहा कि राहुल गांधी निराश और हताश हैं. यह वही लोग हैं जो संविधान का सम्मान नहीं करते, और आज का ये ताजा उदाहरण सबके सामने है.

केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री ने कहा कि इस तरह का व्यवहार लोकतंत्र के लिए एक काला दिन है और भारतीय संसद में ऐसा पहले कभी नहीं हुआ. उन्होंने कहा कि दो वरिष्ठ सांसदों के साथ धक्का देकर जो हुआ, उसकी जितनी भी निंदा की जाए, कम है.

झारखंड में बीज उत्पादन के लिए 10 गांवों के साथ हुआ समझौता

रांची (एजेंसी): झारखंड में कृषि विभाग १० बीज ग्राम की स्थापना करेगा. इसका मुख्य उद्देश्य उन्नत बीज उपलब्ध कराना और राज्य में बीज की कमी को दूर करना है. इसके लिए पश्चिम सिंहभूम, चतरा और लातेहार के १० गांवों के साथ गुरुवार को (समझौता पत्र) पर हस्ताक्षर किए गए. यह जानकारी कृषि, पशुपालन और सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने रांची के हेसाग स्थित पशुपालन भवन में विभागीय समीक्षा बैठक के दौरान दी.

राज्य में हमेशा बीज की कमी रही है-मंत्री

मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि राज्य में हमेशा अच्छे बीज की कमी रही है और डिमांड के अनुसार बीज उपलब्ध नहीं हो पाते हैं. इस समस्या को ध्यान में रखते हुए कृषि विभाग ने १० अलग-अलग गांवों को बीज ग्राम के तौर पर विकसित करने का निर्णय लिया है. इन गांवों के किसानों द्वारा तैयार बीज को सरकार खरीदेगी और उसे राज्य के अन्य किसानों को तय सब्सिडी दर पर वितरित करेगी.

समीक्षा बैठक के दौरान, मड़वा उत्पादन करने वाले राज्य के १४०० किसानों के खातों में डीबीटी (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) के माध्यम से ३,००० रुपये प्रति एकड़ की राशि भी भेजी गई. राज्य सरकार मडुवा की खेती करने वाले किसानों को यह राशि प्रदान करती है. विभाग ने पंचायत स्तर पर इसकी मैपिंग भी की है.

मंत्री ने यह भी बताया कि विभाग एफपीओ (कृषि उत्पादक संगठनों) को मजबूत करने के प्रयास में है. इसी कड़ी में लोहरदगा के एफपीओ को १५ लाख रुपये की राशि प्रदान की गई है. बैठक के दौरान केंद्र और राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं पर भी चर्चा की गई और योजनाओं को तेजी से लागू करने के लिए अधिकारियों को कई निर्देश दिए गए.

बाबा साहेब अंबेडकर पर गृहमंत्री की टिप्पणी निंदनीय : सीपीएम

रांची (एजेंसी): सीपीएम के राज्य सचिव प्रकाश विप्लव ने कहा कि राज्यसभा में संविधान के ७५वीं वर्षगांठ पर आयोजित चर्चा के दौरान देश के गृहमंत्री अमित शाह द्वारा बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर पर की गई अपमानजनक टिप्पणी की सीपीएम भर्त्सना करता है. गृहमंत्री द्वारा की गयी इस टिप्पणी से पूरे देश के लोग आक्रोशित हैं. क्योंकि संसद में जिस संविधान पर चर्चा हो रही थी डॉ अंबेडकर उसके निर्माता थे. यह टिप्पणी अमित शाह के मनुवादी सोच को बेनकाब करता है. प्रधानमंत्री मोदी द्वारा अमित शाह के बचाव में यह कहना कि यह उनके द्वारा अचेतन में कहा गया है कोई मायने नहीं रखता है. इसलिए उन्हें कोई अधिकार नहीं है कि वे गृह मंत्री के पद पर बैठे रहें.

चैंबर की महिला उप समिति की बैठक संपन्न

रांची (एजेंसी): फेडरेशन ऑफ़ झारखण्ड चैम्बर ऑफ़ कॉमर्स की महिला उद्यमिता उप समिति की बैठक एग्जीक्यूटिव मेम्बर एवं महिला उप समिति अध्यक्ष आस्था किरण की अध्यक्षता में चैम्बर भवन में हुई.

बैठक में हाल के दिनों में शहर में महिलाओं के साथ हुई घटनाओं पर चिंता व्यक्त की गई. कहा गया कि महिलाओं पर हो रही ऐसी घटनाएं चिंता का विषय है एवं सरकार को इस पर कड़े कदम उठाने की जरूर है. कहा गया कि कार्यस्थल पर महिलाओं के साथ हो रही ऐसी घटनाओं को रोकने वाले कानूनों को समझना होगा. इसके लिए कानूनी प्रावधानों एवं शिकायत की प्रक्रिया को भी समझने पर जोर दिया गया. इसके लिए कार्यशालाओं के माध्यम से महिलाओं में जागरूकता बढाने की बात कही गई. झालसा वा डालसा एवं महिला जैसे कानून एवं शक्ति एप्प की जानकारी के साथ साथ महिला हेल्पलाइन नंबर १०९८ एवं चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर १८१ महिलाओं एवं बच्चों तक पहुंचाने की बात कही गई. इसके लिए सम्बंधित विभाग एवं महिला विंग के साथ सामंजस्य स्थापित महिलाओ के मार्गदर्शन के लिए प्रशिक्षण सत्र कराने की बात भी कही गई. इसके साथ-साथ वित्तीय संस्थानों के साथ मिलकर महिला उद्यमिता के लिए विशेष फंडिंग योजनाओं की संभावनाएं तलाशने की बात भी कही गई. अनुभवी महिला उद्यमिता और नए व्यवसायों को जोड़ने के लिए एक मेंटरशिप कार्यक्रम का आयोजन करने पर बल दिया गया.

शिक्षा के क्षेत्र में ख्रीस्त विश्वासियों का महत्वपूर्ण योगदानः राज्यपाल

रांची (एजेंसी): ईसाई समुदाय के ख्रीस्त विश्वासियों का शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान है. मेडिकल के क्षेत्र में स्वास्थ को आगे बढ़ाने अपना योगदान दे रहा है. ये बातें गुरुवार को संत जेवियर स्कूल डोरंडा में आंल चर्चेस क्रिसमस गैदरिंग में मुख्य अतिथि के तौर पर बोल रहे थे. उन्होंने कहा कि आज भी देश के लोगों के लिए स्वास्थ्य के क्षेत्र में अपना योगदान दे रहा है. देश के विकास और शिक्षा को बेहतर बनाने काम कर रहे हैं.

आर्च बिशप विंसेंट आईंद ने कहा कि चरनी के आसपास नम्रता भरी दिखाई देती है. चाहे वह जोसेफ, माता मरियम हो. इन सभी ने प्रेम पूर्वक, नम्रता और शांति से बालक यीशु को स्वागत किया है. इसलिए नम्रता के साथ क्रिसमस मनायें और आनंद उठायें. मौके पर संत मरिया महागिरजा चर्च के पल्ली पुरोहित आनंद डेविड खलखो, फादर अजित कुमार खेस, फादर सुधीर कुजूर, फादर जस्टिन कुजूर समेत पांच सौ से अधिक धर्म संघी मौजूद थे.

सड़क सुरक्षा को लेकर एडीजी अभियान ने की समीक्षा बैठक

रांची (एजेंसी): सड़क सुरक्षा को लेकर एडीजी अभियान संजय आनंद लाठकर ने समीक्षा बैठक की. यह बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से गुरुवार को हुई, जिसमें सभी जिले के एसपी शामिल हुए.

बैठक में जिला में घटित सड़क दुर्घटनाओं की चर्चा और चिन्हित ब्लैक स्पॉट और अलग-अलग स्थानों में एमवी एक्ट के तहत गई कार्रवाई के बारे में जानकारी ली गई. साथ ही सभी थानों में फर्स्ट एड किट, ब्रेथ एनालाइजर, स्पीड गन मीटर उपलब्धता और प्रशिक्षित पुलिस कर्मियों की संख्या की समीक्षा की गई. सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाने का निर्देश के साथ समाज में यातायात संबंधी नियमों का पालन करने पर जोर दिया गया. इसके अतिरिक्त दिसम्बर और जनवरी माह में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए निर्देश भी दिये गये.

जारी किए गए कई दिशा निर्देश

शराब सेवन कर वाहन चलाने, हेलमेट न पहनने एवं सीट बेल्ट न लगाने वालों के विरूद्ध विशेष जागरूकता अभियान चलाया जाय. ब्रेथ एनालाइजर, स्पीड गन और अन्य उपकरणों का अधिकाधिक प्रयोग सुनिश्चित की जाये.

बगैर सीट बेल्ट और शराब का सेवन कर वाहन चलाने जैसी अनियमितता तथा अपराध को रोकने के लिए विधिवत अभियोजन की प्रक्रिया सुनिश्चित की जाये. जनवरी २०२५ में सभी जिलों के डीएसपी को सड़क सुरक्षा से संबंधित विशेष प्रशिक्षण का कार्यक्रम, रांची में आयोजित करने का निर्णय लिया गया.

स्कूल में छुट्टी के वक्त सादे लिबास में तैनात हो पुलिस के जवान

रांची (एजेंसी): राजधानी में हाल ही में एक बच्ची के साथ हुई छेड़छाड़ की घटना के बाद झारखंड राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग भी सक्रिय हो गया है. आयोग के सदस्य उज्जवल प्रकाश तिवारी ने गुरुवार को डीजीपी अनुराग गुप्ता से मुलाकात कर एक ज्ञापन सौंपा. श्री तिवारी ने बताया कि स्कूलों के छुट्टी के समय सादे लिबास में महिला और पुरुष पुलिस बल की तैनाती की जाए.

उज्जवल प्रकाश तिवारी ने डीजीपी से बच्चों की सुरक्षा से जुड़े अन्य मुद्दों पर भी गंभीरता से विचार करने का अनुरोध किया गया. डीजीपी ने उनकी बातों को गंभीरता से सुना और उचित कार्रवाई का भरोसा दिया है.

शिकायत पेटी की व्यवस्था- प्रत्येक स्कूल और उसके आसपास शिकायत करने के लिए शिकायत पेटी की व्यवस्था की जाए, ताकि बच्चे अपनी समस्याएं सहजता से व्यक्त कर सकें.

सादे लिबास में पुलिस तैनाती- स्कूल छुट्टी के समय सादे लिबास में महिला और पुरुष पुलिस बल की तैनाती की जाए, ताकि सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके.

सीसीटीवी कैमरे- जिला प्रशासन द्वारा स्कूलों के बाहर सीसीटीवी कैमरे लगाने की व्यवस्था की जाए, ताकि निगरानी बढ़ सके.

पुलिस पोस्ट की स्थापना- प्रत्येक स्कूल के बाहर पुलिस पोस्ट बनाने की दिशा में पुलिस मुख्यालय कार्रवाई करे, जिससे किसी भी आपात स्थिति में त्वरित सहायता मिल सके.

मासिक समीक्षा- प्रत्येक माह बच्चों से संबंधित केस की समीक्षा की जाए और इसकी सूचना आयोग को उपलब्ध कराई जाए, ताकि बच्चों की सुरक्षा को लेकर सतत निगरानी रखी जा सके.

मुंडारी नृत्य प्रतियोगिता में मारवाड़ी कॉलेज बना विजेता

रांची : रांची विश्वविद्यालय अंतर महाविद्यालय जनजातीय एवं क्षेत्रीय नृत्य महोत्सव सह प्रदर्शनी में जनजातीय सामूहिक नृत्य में मारवाड़ी कॉलेज रांची का मुंडारी नृत्य दल विजेता बना. विजेता टीम को रांची विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण संकायाध्यक्ष डॉ. सुदेश कुमार साहू ने पुरस्कृत किया. विजेता टीम को प्राचार्य डॉ. मनोज कुमार ने जीत की बधाई दी. भविष्य में और अच्छा करने की शुभकामना दी. उन्होंने कहा अगर आपमें क्षमता है तो कोई भी प्रतियोगिता कठिन नहीं. आपकी योग्यता ही आपको विजेता बनाती है. अपनी योग्यता को और अधिक मजबूत

1.36 करोड़ के दावे पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से पूछे तीन सवाल

रांची (एजेंसी): भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने हेमंत सरकार पर निशाना साधा है. बाबूलाल ने मुख्यमंत्री से सवाल पूछते हुए कहा कि राज्य की जनता को बकाए से संबंधित सच्चाई जानने का अधिकार है. कहा कि झारखंड के १.३६ लाख करोड़ कोयला रॉयल्टी के दावे पर जनता को सच्चाई जानने का हक़ है.

बाबूलाल ने मुख्यमंत्री से सवाल पूछा कि सरकार बताए, यह बकाया किस-किस साल का है और किस किस योजना/परियोजना का है?

दूसरा सवाल कि १.३६ लाख करोड़ की राशि का आधार क्या है?

और तीसरा सवाल कि यूपीए शासनकाल और शिबू सोरेन जी के कोयला मंत्री रहते हुए कितनी राशि वसूली गई थी?

इससे आगे बाबूलाल ने कहा कि पारदर्शिता क्यों नहीं? झारखंड के भ्रष्टाचार से भरे इतिहास को देखते हुए, जनता सबकुछ जानना चाहती है. सही दस्तावेज और तथ्यों को पारदर्शिता के साथ सामने रखें तब बात करें.

भाजपा झारखंड और झारखंडियों के हर अधिकार के लिए खड़ी है, जहां भी ज़रूरत होगी हम आपके साथ खड़े होंगे. लेकिन झूठे आंकड़े और फर्जी दावे बर्दाश्त नहीं होंगे. सच्चाई पर चलिएगा तो हम हर हमेशा सहयोग के लिए तैयार हैं. बकाया-बकाया का हौव्वा खड़ा कर कहीं आप जान बूझकर आगे मंईयां सम्मान योजना की राशि देने में विफलता के दोषारोपण की भूमिका तो तैयार नहीं कर रहे? झूठी राजनीति छोड़िए, झारखंड के असली मुद्दों पर ध्यान दीजिए.

अल्पसंख्यकों के अधिकार दिलाने के लिए राज्य सरकार संकल्पित : सुरेश बैठा

रांची (एजेंसी): विश्व अल्पसंख्यक अधिकार दिवस के अवसर पर ह्यूमन वेलफेयर एंड डेवलपमेंट सोसाइटी द्वारा मिल्लत कालोनी कांके में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कांके के नवनिर्वाचित विधायक सुरेश कुमार बैठा थे, जिन्होंने अपने संबोधन में कहा कि राज्य सरकार अल्पसंख्यकों के अधिकार दिलाने के लिए निष्पक्षता से कार्य करेगी.

विधायक सुरेश बैठा ने इस दौरान स्पष्ट किया कि अल्पसंख्यकों के विकास, स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाएगा. उन्होंने कहा कि समाज में फैली बुराइयों को हम सबको मिलकर दूर करना होगा. नशे के कारोबारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की आवश्यकता है.

कार्यक्रम में विधायक सुरेश बैठा और शहर काजी मौलाना जियाउल हक फैजी को ह्यूमन वेलफेयर एंड डेवलपमेंट सोसाइटी द्वारा सम्मानित भी किया गया. इसके साथ ही, सोसाइटी ने गरीब और असहाय लोगों के बीच कंबल बांटने का कार्य भी किया.

इस अवसर पर कांके अंजुमन के सदर अब्दुल रहमान, समाजसेवी गोरी शंकर महतो, तनवीर आलम, ह्यूमन वेलफेयर एंड डेवलपमेंट सोसाइटी के सदर अफजल मंसूरी, मौलाना मो सफीउल्लाह, साहिल शमीम, शमीम अंसारी, मो फुरकान, संजर खान, तारिक अनवर, फिरोज अहमद, जमील अख्तर, आमिर होदा, अनवर खान, एडवोकेट मो अफ़सर, शाहिद हुसैन, अनीस अहमद और मो अशरफ ने भी अपने विचार प्रकट किए.

हर मौसम में लाभदायक है विटामिन-सी से भरपूर आंवला

विटामिन-सी से भरपूर आंवला, हर मौसम में लाभदायक होता है। यह आंखों, बालों और त्वचा के लिए तो फायदेमंद है ही, साथ ही इसके और भी कई फायदे हैं, जो आपके शरीर को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करते हैं। आमतौर पर आंवले का प्रयोग अचार, मुरब्बा या चटनी के रूप में किया जाता है,लेकिन इसका अलग-अलग तरह से सेवन आपके लिए बेहद उपयोगी है। अगर आप नहीं जानते इस अनमोल फल के बारे में तो जरूर पढ़िए -

- डायबिटीज के मरीजों के लिए आंवला बहुत काम की चीज है। पीड़ित व्यक्ति अगर आंवले के रस का प्रतिदिन शहद के साथ सेवन करे तो बीमारी से राहत मिलती है।
- एसिडिटी की समस्या होने पर आंवला बेहद फायदेमंद होता है। आंवला का पाउडर, चीनी के साथ मिलाकर खाने या पानी में डालकर पीने से एसिडिटी से राहत मिलती है। इसके अलावा आंवले का जूस पीने से पेट की सारी समस्याओं से निजात मिलती है।
- पथरी की समस्या में भी आंवला कारगर उपाय साबित होता है। पथरी होने पर 40 दिन तक आंवले को सुखाकर उसका पाउडर बना लें, और उस पाउडर को प्रतिदिन मूली के रस में मिलाकर खाएं। इस प्रयोग से कुछ ही दिनों में पथरी गल जाएगी।
- रक्त में हीमोग्लोबिन की कमी होने पर, प्रतिदिन आंवले के रस का सेवन करना काफी लाभप्रद होता है। यह शरीर में लाल रक्त कोशिकाओं के निर्माण में सहायक होता है, और खून की कमी नहीं होने देता।
- आंखों के लिए आंवला अमृत समान है, यह आंखों की रौशनी को बढ़ाने में सहायक होता है। इसके लिए रोजाना एक चम्मच आंवला के पाउडर को शहद के साथ लेने से लाभ मिलता है और मोतियाबिंद की समस्या भी खत्म हो जाती है।
- बुखार से छुटकारा पाने के लिए आंवले के रस में छींक लगाकर इसका सेवन करना चाहिए, इसके अलावा दांतों में दर्द और कैविटी होने पर आंवले के रस में थोड़ा सा कपूर मिला कर मसूड़ों पर लगाने से आराम मिलता है।
- शरीर में गर्मी बढ़ जाने पर आंवल सबसे बेहतर उपाय है। आंवले के रस का सेवन या आंवले को किसी भी रूप में खाने पर यह ठंडक प्रदान करता है। हिचकी तथा उल्टी होने की पर आंवले के रस को मिश्री के साथ दिन में दो-तीन बार सेवन करने से काफी राहत मिलेगी।
- याददाश्त बढ़ाने में आंवला काफी फायदेमंद होता है। इसके लिए सुबह के समय आंवला के मुरब्बा गाय के दूध के साथ लेने से लाभ होता है, इसके अलावा आप प्रतिदिन आंवले के रस का प्रयोग भी कर सकते हैं।
- चेहरे के दाग-धब्बे हटाकर उसे खूबसूरत बनाने के लिए भी आंवला आपके लिए उपयोगी होता है। इसका पेस्ट बनाकर चेहरे पर लगाने से त्वचा साफ, चमकदार होती है और झुर्रियां भी कम हो जाती हैं।

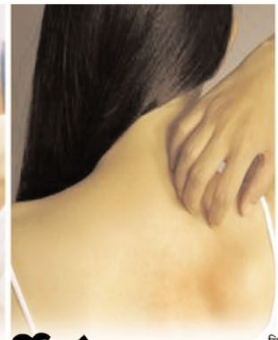

स्किन एलर्जी से राहत पाने के लिए ट्राई करें ये उपाय

बढ़ते प्रदूषण, गलत खानपान व स्किन केयर में लापरवाही बरतने से स्किन एलर्जी होने लगती है। इसके कारण त्वचा में खुजली, दाने, जलन, रैशेज की समस्या का सामना करना पड़ता है। कई बार तो दर्द का भी सामना करना पड़ता है।

एक्सपर्ट्स के अनुसार, कई बार तो यह एलर्जी कुछ दिनों में ठीक हो जाती है। मगर कई मामलों में यह गंभीर रूप ले लेती है। ऐसे में किसी स्किन एक्सपर्ट्स से सलाह लेने में ही भलाई है। मगर लाइट एलर्जी को कुछ देसी उपायों द्वारा दूर किया जा सकता है।

एलोवेरा जेल

स्किन एलर्जी होने पर जलन, खुजली, रैशेज, दर्द आदि होने लगता है। आप इन समस्याओं से बचने के लिए एलोवेरा का इस्तेमाल कर सकती है। एलोवेरा में एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-फंगल, एंटी-वायरल गुण होते हैं। यह स्किन को गहराई से पोषित करके इससे जुड़ी समस्याओं से छुटकारा दिलाता है। इसके साथ ही त्वचा की रंगत निखरी व जवां नजर आती है। आप दिनभर में कभी भी एलोवेरा जेल से चेहरे व एलर्जी वाली जगह पर मसाज कर सकती है। सोने से पहले इसे लगाने बेस्ट माना जाता है।

टी ट्री ऑयल

टी ट्री ऑयल स्किन के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। इसे लगाने से पिंपल्स, दाग, धब्बे, झाइयां, झुर्रियां आदि की समस्या से छुटकारा मिलता है। इसके साथ ही यह त्वचा को कोमलता से पोषित करके स्किन संबंधी समस्याओं से राहत दिलाता है। इसमें मौजूद एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-फंगल, एंटी-इंफ्लेमेट्री और एंटी-माइक्रोबियल तत्व एलर्जी की परेशानी को कम करते हैं। एक्सपर्ट्स के अनुसार, स्किन में जलन, खुजली, रेडनेस आदि एलर्जी होने पर टी ट्री ऑयल लगाना फायदेमंद माना जाता है। इसके लिए कॉटन में टी ट्री ऑयल की कुछ बूंदें लेकर प्रभावित जगह पर लगाएं।

एप्पल साइडर विनेगर

एप्पल साइडर विनेगर खाने के साथ स्किन के लिए भी फायदेमंद माना जाता है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, यह एक बेहतर स्किन केयर एजेंट की तरह काम करता है। इसमें मौजूद एसिटिक एसिड स्किन एलर्जी को दूर करने में कारगर होता है। स्किन में जलन, रैशेज, खुजली आदि होने पर आप एप्पल साइडर विनेगर यूज कर सकती है। इसके लिए एक कप गुनगुने पानी में 1 बड़ा चम्मच सेब का सिरका मिलाएं। तैयार मिश्रण को प्रभावित जगह पर कॉटन की मदद से लगाकर सूखने दें। बाद में ठंडे पानी से साफ करके सूखा लें। ऐसा कुछ दिनों तक करने से एलर्जी की परेशानी दूर हो जाएगी। मगर सेंसिटिव स्किन वालों को इसके इस्तेमाल से बचना चाहिए।

ब्लड प्रेशर लो हो जाने पर खानी चाहिए ये चीजें, जल्द मिलेगा आराम

लो ब्लड प्रेशर एक ऐसी स्थिति है जब व्यक्ति के रक्तचाप के स्तर में अचानक से कमी आ जाती है। वैसे तो यह बहुत आम समस्या बन गई है लेकिन इसे अनदेखा नहीं करना चाहिए।

इस स्थिति में शरीर के सभी अंगों में ब्लड सप्लाई कम हो जाती है जो कि सेहत के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। ऐसे में कई बार चक्कर आना, झुंझलाहट होना, आंखों के सामने धुंधलापन, मितली, कमजोरी और थकान महसूस होने लगती है। खराब दिनचर्या और खान-पान में लापरवाही की वजह से भी लो ब्लड प्रेशर की समस्या हो सकती है। इसके लिए आपको अपने आहार में हेल्दी और पौष्टिक चीजें शामिल करनी चाहिए।

अंडा - वैसे तो अंडा शरीर की बहुत सी समस्याएं दूर कर सकता है लेकिन हाइपोटेंशन यानी लो बीपी के मरीजों के लिए यह सबसे अच्छा आहार माना जाता है। इसमें मौजूद विटामिन बी-12 रेड ब्लड सेल्स का उत्पादन बढ़ाता है।

डार्क चॉकलेट - डार्क चॉकलेट खाना भी इस समस्या से राहत दिला सकती है। डार्क चॉकलेट में ऐसे गुण भी पाए जाते हैं जो ब्लड प्रेशर को कंट्रोल कर उसे सामान्य बनाने में मदद करती है।

अंगूर - अंगूर का जूस हाइपोटेंशन के लक्षणों का इलाज करने में बहुत असरदार है। बीपी लो होने पर यदि अंगूर या अंगूर का रस दिया जाए तो आराम मिलता है। अंगूर के रस में पाया जाने वाला पोटेशियम ब्लड वैसल्स वॉल को आराम देकर रक्तचाप को कम करने में मदद करता है।

पनीर - लो बीपी की समस्या होने पर पनीर खाना बेहद फायदेमंद होता है। लो बीपी होने पर अक्सर अधिक नमक वाले खाद्य पदार्थों का सेवन करने की सलाह दी जाती है। ऐसे में आप पनीर पर चाट मसाला या फिर हल्का नमक डालकर खा सकते हैं। इससे आपके शरीर को ताकत भी मिलेगी और लो बीपी की समस्या में भी राहत मिलेगी।

कॉफी - लो बीपी को मेंटेन करने के लिए कैफीन को सबसे फायदेमंद माना गया है। यदि अचानक से बीपी लो हो जाए तो मरीज को कॉफी देने के कुछ सेकंड बाद ही वह एक्टिव हो जाता है। खासतौर से अगर ब्लैक कॉफी उपलब्ध है तो यह बेहद फायदेमंद होती है। यह आपकी हार्ट रेट को बढ़ाएगी जिससे ब्लड प्रेशर भी सामान्य हो जाएगा।

छाछ - लो ब्लड प्रेशर के मरीज को सुबह के नाश्ते या उसके बाद छाछ का सेवन करना चाहिए। छाछ में नमक, भुना हुआ जीरा और हींग मिलाकर पिएं, इससे बीपी नियंत्रित रहेगा।

नींबू पानी - लो ब्लड प्रेशर की समस्या में नींबू पानी में थोड़ा ज्यादा नमक डालकर पीना बहुत फायदेमंद साबित हो सकता है। नमक ब्लड प्रेशर को बढ़ाता है जिससे लो बीपी सामान्य स्थिति में आ जाता है।

खराब कोलेस्ट्रॉल कम करने में मदद करता है लहसुन, डाइट में करें शामिल

भारतीय रसोई में खाने बनाने में लहसुन का खासतौर पर इस्तेमाल किया जाता है। इसमें एंटी-सेप्टिक, एंटी-आक्सीडेंट, एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-वायरल, एंटी-फंगल व औषधीय गुण होते हैं। इसका कच्चा सेवन करने से इम्यूनिटी बूस्ट होने के साथ बीमारियों से बचाव रहता है। आयुर्वेद में भी लहसुन का इस्तेमाल कई बीमारियों के इलाज में होता है। आप इसे सब्जी में मिलाकर या कच्चा खाने की जगह पर इसका अचार बनाकर डेली डाइट में शामिल कर सकती है। चलिए जानते हैं लहसुन का अचार खाने के फायदे.

कोलेस्ट्रॉल करें कम

एक्सपर्ट्स के अनुसार, लहसुन में मौजूद औषधीय गुण शरीर से खराब कोलेस्ट्रॉल कम करने में मदद करता है। ऐसे में दिल स्वस्थ रहता है।

कैंसर का खतरा करें कम

लहसुन में ऑर्गेनो-सल्फर सेरेब्रम होता है। यह ट्यूमर में जोखिम भरी कोशिकाओं में से एक को नष्ट करने मे मदद्गार होता है। इसके सेवन से प्रोस्टेट और ब्रेस्ट कैंसर से बचाव रहता है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, इसकी तेज गंध कैंसर और दिल संबंधी रोगों के लिए सुरक्षा कवच की तरह काम करती है।

फेफड़े का बेहतर विकास

एक्सपर्ट्स के अनुसार, हर हफ्ते कच्ची लहसुन खाने से फेफड़ों का बेहतर विकास होता है। वहीं लोग इसे कच्चा नहीं खाना पसंद करते वे लहसुन का अचार खा सकते हैं। अध्ययनों के मुताबिक फेफड़ों को स्वस्थ रखने के लिए लहसुन एक रसायन-निवारक विशेषज्ञ की तरह काम कर सकता है।

पेट संबंधी समस्याओं से राहत

लहसुन पोषक तत्व, एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-वायरल व औषधीय गुणों से भरपूर होता है। आयुर्वेद के अनुसार, लहसुन खाने से अपच, गैस, एसिडिटी, कब्ज, पेट में जलन आदि पेट संबंधी समस्याओं से छुटकारा मिलता है। आप इसे कच्चा खाने की जगह पर इसका अचार बना कर खा सकती है।

आंखों की सेहत रखें दुरुस्त

लहसुन इम्यूनिटी बूस्ट करने के साथ आंखों के लिए भी फायदेमंद माना जाता है। लहसुन के अचार में बीटा कैरोटीन अधिक होने से आंखों से जुड़ी समस्याओं से बचाव रहता है।

जोड़ों के दर्द में राहत

लहसुन खाने से जोड़ों के दर्द से भी राहत मिलती है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, लहसुन में मौजूद पोषक तत्व व एंटी-ऑक्सीडेंट्स गुण जोड़ों के दर्द फायदेमंद माने जाते हैं। नियमित रूप से इसका सेवन करने से जोड़ों में दर्द, सूजन की से बचाव रहता है। इसके लिए आप कच्चा लहसुन, नमकीन लहसुन या इसका अचार खा सकती है।

सर्दी, खांसी व मौसमी बीमारियों से दिलाएं आराम

सर्दी, खांसी, जुकाम व अन्य मौसमी बीमारियों की चपेट में आने का खतरा अधिक रहता है। ऐसे में इस दौरान एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-वायरल व औषधीय से भरपूर लहसुन का अचार खाना फायदेमंद माना जाता है। वहीं दुनियाभर में फैले कोरोना वायरस से बचने व इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए लहसुन का अचार खाना बेहद फायदेमंद माना गया है।

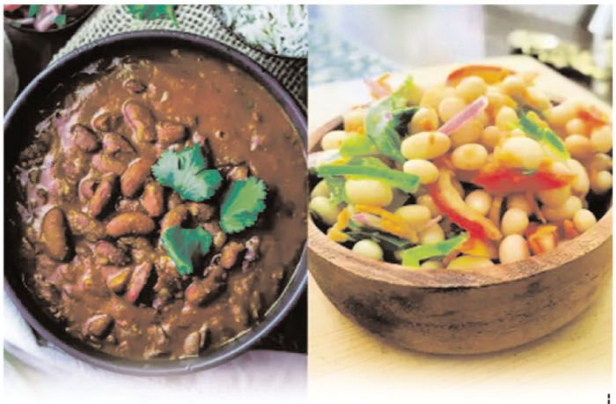

ओमेगा-3 के लिए अपनी डाइट में शामिल करें ये फूड

शरीर में ओमेगा-3 की कमी से आपको थकान, याददाश्त कमजोर होना, ड्राई स्किन, दिल के रोग, मूड स्विंग, तनाव, ब्लड सर्कुलेशन का बिगड़ना जैसे गंभीर लक्षण महसूस हो सकते हैं। ओमेगा-3 सबसे बढ़िया स्रोत मछली को माना जाता है। अगर आप मछली नहीं खाते हैं, तो नीचे बताए प्लांट बेस्ड फूड को अपनी डाइट में शामिल करें।

प्रोटीन, कैल्शियम और आयरन की तरह ओमेगा-3 फैटी एसिड भी एक ऐसा पोषक तत्व है, जो शरीर और दिमाग के बेहतर कामकाज के लिए बहुत जरूरी है। ओमेगा 3 फैटी एसिड क्यों जरूरी है? एक्सपर्ट्स मानते हैं कि शरीर में इसकी कमी से त्वचा ड्राई हो सकती है, आप तनाव की चपेट में आ सकते है, आंखें ड्राई हो सकती हैं, जोड़ों में दर्द और अकड़न आ सकती है, बाल कमजोर और बेजान हो सकते हैं।

शरीर में ओमेगा-3 फैटी एसिड की कमी के लक्षण?

शरीर में इस पोषक तत्व की कमी से आपको थकान, याददाश्त कमजोर होना, ड्राई स्किन, दिल के रोग, मूड स्विंग, तनाव, ब्लड सर्कुलेशन का बिगड़ना जैसे गंभीर लक्षण महसूस हो सकते हैं।

शरीर को रोजाना कितने ओमेगा-3 फैटी एसिड की जरूरत होती है?

ऐसा माना जाता है कि एक स्वस्थ व्यक्ति को रोजाना कम से कम 250-500 मिलीग्राम ओमेगा-3 फैटी एसिड लेना चाहिए।

क्या खाएं?

ओमेगा-3 सबसे बढ़िया स्रोत मछली को माना जाता है। लेकिन समस्या यह है कि बहुत से लोग मछली नहीं खाते हैं। न्यूट्रिशनिस्ट एंड डाइटीशियन बता रही हैं कि मछली के अलावा किन-किन चीजों में ओमेगा-3 पाया जाता है।

अलसी के बीज

ये छोटे भूरे या पीले बीज ओमेगा-3 का खजाना हैं। आप ओमेगा-3 की कमी पूरी करने के लिए इसका तेल इस्तेमाल कर सकते हैं। अलसी फाइबर, मैग्नीशियम और अन्य पोषक तत्वों का भी अच्छा स्रोत है। चम्मच (10.3 ग्राम) अलसी के बीज में 2,350 मिलीग्राम ओमेगा-3 पाया जाता है।

चिया के बीज

चिया के बीजहर तरह से पौष्टिक होते हैं. इनमें ओमेगा-3 के अलावा मैगनीज, सेलेनियम, मैग्नीशियम और कुछ अन्य पोषक तत्व भी पाए जाते हैं। 1-औंस (28-ग्राम) चिया सीड्स में 5 ग्राम प्रोटीन होता है, जिसमें सभी आठ आवश्यक अमीनो एसिड शामिल हैं। इतनी ही मात्रा में 5,050 मिलीग्राम ओमेगा-3 पाया जाता है।

अखरोट

अखरोट बहुत पौष्टिक होते हैं और फाइबर से भरपूर होते हैं। इसमें हाई मात्रा में तांबा, मैंगनीज और विटामिन ई जैसे पोषक तत्व भी पाए जाते हैं। अखरोट के फिनोल एंटीऑक्सिडेंट गुण कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करते हैं। 28 ग्राम या लगभग 14 अखरोट में 2,570 मिलीग्राम ओमेगा-3 पाया जाता है।

सर्दियों में लगातार गर्म पानी पी रहे हैं आप? जानें इसके फायदे और नुकसान

सर्दियों में गर्म पानी पीना शरीर को आराम देने और ठंड से बचाने का एक आम तरीका है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि जरूरत से ज्यादा गर्म पानी पीना आपकी सेहत पर बुरा असर डाल सकता है? आइए विस्तार से समझते हैं कि सर्दियों में गर्म पानी के फायदे और इसके अधिक सेवन से होने वाले नुकसान क्या हैं।

गर्म पानी पीने के फायदे

पाचन में सुधार

गर्म पानी पाचन तंत्र को सक्रिय करने का एक प्राकृतिक तरीका है। यह भोजन को तेजी से तोड़ने में मदद करता है और गैस, अपच या पेट में भारीपन जैसी समस्याओं को कम करता है। इसके अलावा, यह मेटाबॉलिज्म को भी बढ़ाता है, जिससे वजन घटाने में सहायता मिलती है। सुबह खाली पेट गर्म पानी पीने से टॉक्सिन्स बाहर निकलते हैं और पेट साफ रहता है।

ब्लड सर्कुलेशन

गर्म पानी पीने से रक्त वाहिकाएं फैलती हैं, जिससे रक्त का प्रवाह बेहतर होता है। यह शरीर के अंगों को पर्याप्त ऑक्सीजन और पोषक तत्व पहुंचाने में मदद करता है। साथ ही, ब्लड सर्कुलेशन ठीक होने से त्वचा में निखार आता है और हृदय से जुड़ी समस्याओं का खतरा कम होता है। नियमित रूप से गर्म पानी पीना हाथ-पैरों की ठंडक को भी कम करता है।

स्ट्रेस कम करता है

गर्म पानी पीने से मांसपेशियों को आराम मिलता है, जो मानसिक और शारीरिक तनाव को कम करता है। गर्म पानी शरीर में कोर्टिसोल (तनाव हार्मोन) के स्तर को नियंत्रित करने में सहायक है। इसके साथ ही, यह मांसपेशियों में खिंचाव को कम करता है और माइग्रेन या सिरदर्द जैसी समस्याओं से राहत देता है।

सर्दियों में आराम

ठंड के मौसम में गर्म पानी पीना शरीर को अंदर से गर्म रखने का सबसे अच्छा तरीका है। यह सर्दी, खांसी और गले की खराश जैसी समस्याओं में राहत प्रदान करता है। गुनगुना पानी पीने से शरीर का तापमान संतुलित रहता है और ठंड लगने का खतरा कम होता है। इसके अलावा, यह इम्यून सिस्टम को भी मजबूत करता है, जिससे सर्दियों में बीमारियों से बचाव होता है।

गर्म पानी पीने के नुकसान

जरूरत से ज्यादा गर्म पानी पीना फायदे की बजाय नुकसान पहुंचा सकता है।

पानी के बैलेंस का असंतुलन

बहुत ज्यादा गर्म पानी पीने से शरीर का हाइड्रेशन बैलेंस बिगड़ सकता है, जिससे डिहाइड्रेशन की स्थिति भी उत्पन्न हो सकती है। शरीर को जरूरत के अनुसार पानी की मात्रा चाहिए होती है, और अगर पानी का संतुलन बिगड़ता है, तो यह थकान, सिरदर्द, और चक्कर आने जैसी समस्याओं का कारण बन सकता है। इसके अलावा, पानी का असंतुलन शरीर के पाचन और रक्त संचार प्रक्रिया को भी प्रभावित करता है।

नींद पर असर

रात में अधिक गर्म पानी पीने से बार-बार पेशाब करने की जरूरत महसूस हो सकती है, जिससे आपकी गहरी नींद टूट सकती है। नींद पूरी न होने से शरीर की ऊर्जा कम हो जाती है और दिनभर थकान महसूस हो सकती है। इसके अलावा, नींद में खलल मस्तिष्क की कार्यक्षमता पर भी नकारात्मक प्रभाव डालता है। लंबे समय तक नींद का बिगड़ना स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है, जैसे तनाव और अनिद्रा।

किडनी पर दबाव

गर्म पानी को बार-बार पीने से किडनी को शरीर से अतिरिक्त पानी बाहर निकालने के लिए अधिक मेहनत करनी पड़ती है। इससे किडनी पर दबाव बढ़ता है, जिससे इसके कार्य करने की क्षमता प्रभावित हो सकती है। लंबे समय तक ऐसा करने से किडनी फेलियर जैसी गंभीर समस्याएं भी हो सकती हैं। इसके अलावा, यह इलेक्ट्रोलाइट्स का असंतुलन पैदा कर सकता है, जो किडनी की कार्यप्रणाली के लिए हानिकारक है।

अंदरूनी जलन

हद से ज्यादा गर्म पानी पीने से गले, जीभ और मुंह में जलन हो सकती है, जिससे घाव या छाले बनने का खतरा होता है। बार-बार बहुत गर्म पानी पीने से यह जलन शरीर के आंतरिक अंगों, जैसे अन्नप्रणाली और पेट की दीवारों पर भी नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। यह आंतरिक सूजन, दर्द और अपच जैसी समस्याओं को जन्म दे सकता है। लंबे समय तक इस आदत को अपनाने से पाचन तंत्र की कार्यक्षमता प्रभावित हो सकती है।

गर्म पानी पीने के सेवन से होने वाली जलन से कैसे बचें?

- हमेशा पानी पीने से पहले उसका तापमान जांच लें।
- उबलते हुए पानी के बजाय हल्का गुनगुना पानी पिएं।
- इंसुलेटेड कप का इस्तेमाल करें ताकि पानी ज्यादा गर्म न हो।

गर्म पानी और कैफीन का संबंध

अगर आप चाय या कॉफी का सेवन ज्यादा करते हैं, तो ध्यान दें कि यह कैफीन की मात्रा बढ़ा सकता है। ज्यादा कैफीन लेने से नींद और मानसिक शांति पर असर पड़ सकता है। ठंडे और गर्म पानी का संतुलन बनाए रखें। शरीर के तापमान के हिसाब से पानी का सेवन करें।

गर्म पानी पीना सर्दियों में स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद हो सकता है, लेकिन जरूरत से ज्यादा गर्म पानी पीने से नुकसान हो सकता है। इसलिए, अपने पानी का तापमान जांचकर और सही मात्रा में इसका सेवन करें। यह आपके स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद रहेगा और आप हानिकारक प्रभावों से बच पाएंगे।

सिर्फ 1 फल हफ्ता खा लें, खून की कमी हो जाएगी दूर बिना कोई दवाई खाए

आपका शरीर थक्का रहता है और कमजोरी के साथ चिड़चिड़ापन भी महसूस होता है तो इसकी वजह शरीर में खून की कमी हो सकती है। एनीमिया की ज्यादा शिकार महिलाएं होती हैं क्योंकि पीरियड्स और प्रेग्नेंसी-स्तनपान के दौरान महिला के शरीर में इसकी कमी होने लगती है। वहीं जिन लोगों की डाइट में आयरन-कैल्शियम फोलिक एसिड, विटामिन बी12 जैसे तत्वों की कमी होती है, उनके शरीर में भी खून की कमी आ जाती है लेकिन ये खून की कमी कई बीमारियों की वजह बन सकती है। इसके लिए डॉक्टर आपको आयरन फोलिक एसिड जैसी कई दवाइयां और सप्लीमेंट्स खाने की सलाह दे सकते हैं लेकिन नैचुरल हैल्दी डाइट और खून बनाने वाले आहार खाकर इस कमी को आप हफ्ते से 10 दिन के भीतर पूरा कर सकते हैं।

एनीमिया क्या है?

एनीमिया एक ऐसी स्थिति है जिसमें शरीर में लाल रक्त कोशिकाओं की संख्या एक कम हो जाती है। एनीमिया होने पर आपको थकान, दिल की धड़कन बढ़ना, त्वचा का पीला पड़ना या सांस लेने में कठिनाई जैसे लक्षण हो सकते हैं जो दो सप्ताह तक ठीक नहीं होते।

एनीमिया के लक्षण क्या हो सकते हैं?

जल्दी थकान और कमजोरी होना।

त्वचा का रंग सफ़ेद या पीला होना।

त्वचा में रूखापन और आसानी से नील पड़ना

अनियमित दिल की धड़कन और सांस लेने में कठिनाई

जीभ में छाले होना

चक्कर आना या बेहोशी जैसा महसूस होना

हाथ और पैर ठंडे होना और लगातार सिरदर्द

मांसपेशियों और नसों का दुर्बल होना

भूख ना लगना या खाने का स्वाद ना आना।

खून की कमी होने पर यह लक्षण दिखने लगते हैं। अगर सही समय पर इन लक्षणों की पहचान कर ली जाए तो समस्या गंभीर नहीं होती लेकिन अगर समस्या बहुत ज्यादा बढ़ जाए तो यह गठिया, कैंसर, किडनी से संबंधित गंभीर समस्याएं हो सकती हैं।

खून की कमी हो जाए तो क्या खाएं?

आपकी डाइट खून की कमी को पूरा करने में सबसे अहम रोल अदा करती है। आयरन से भरपूर चीजें खून बनाने में मदद करती हैं। जैसे पालक में आयरन होता है। इसके सेवन से शरीर में खून की कमी दूर होती है। अगर आप एनीमिया के शिकार हैं तो आपको खाने में टमाटर जरूर खाना चाहिए। तिल, कद्दू, तरबूज, सूरजमुखी, काजू और अलसी के बीज शरीर में हीमोग्लोबिन के स्तर को बढ़ाने में मदद करते हैं। खाने के बाद गुड़ खाएं। तांबे के बर्तन में पानी पीएं। अंडा, दूध, चीज, मीट, मछली, सोयाबीन, चावल , हरी पत्तेदार सब्जियां शरीर में खून की कमी दूर करते हैं। इस बारे में अधिक जानकारी डॉक्टर की सलाह ले सकते हैं।

खून की कमी के कारण

खून की कमी के बहुत से कारण हो सकते हैं जैसे डाइट सही ना होना। आप आयरन, फोलिक एसिड और विटामिन बी 12 जैसे पोषक तत्वों से भरपूर खाना नहीं खा रहे।

कुछ बीमारियों या ब्लड सर्कुलेशन से जुड़ी दिक्कतों के कारण भी ऐसा हो सकता है, जैसे अंगों में रक्त की कमी, कैंसर, थालस्सेमिया आदि।

किसी सर्जरी के दौरान खून का बह जाना, दुर्घटना के कारण रक्त निकलना या अनुवांशिक कारणों से रक्त की नष्ट हो सकती है।

बहुत से इंफेक्शन बॉडी में खून की कमी का कारण बन सकते हैं। उदाहरण के लिए, मलेरिया, टाइफाइड, हेपेटाइटिस इत्यादि।

ऑटोइम्यून विकार के चलते शरीर में खून की कमी हो सकती है। जैसे ऑटोइम्यून विकार लुपस, रेक्टम अर्थराइटिस, सेलियक रोग आदि भी खून की कमी के कारण बन सकते हैं।

याद रखिए कि अगर आपको इनमें से कोई लक्षण अनुभव हो रहे हैं तो आपको विशेषज्ञ डॉक्टर से परामर्श करना चाहिए।

खून की कमी में क्या नहीं खाना चाहिए?

खून की कमी है तो दोपहर या रात के खाने में दूध पीने से बचना चाहिए, जबकि आयरन युक्त खाद्य पदार्थ खाते रहे। आयरन युक्त भोजन के दौरान कॉफी, काली चाय पीने से परहेज करें क्योंकि इनमें फाइटेट्स और टैनिन प्रचुर मात्रा में होते हैं, जो आंतों में आयरन के अवशोषण को कम करता हैं।

एक हफ्ते में शरीर में खून कैसे बढ़ाएं?

आयरन युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन करके हीमोग्लोबिन का स्तर बढ़ाया जा सकता है। आयरन युक्त कुछ खाद्य पदार्थ जैसे मांस और मछली, टोफू सहित सोया फूड्स, अंडे, सूखे मेवे, जैसे खजूर, अंजीर आदि। इसी के साथ ब्रोकली, हरी पतेदार सब्जियाँ जैसे पालक, हरी बीन्स, मेवे, बीज, चुकंदर, गाजर, अनार और पीनट बटर खाएं, खून की कमी जल्दी पूरी होगी।

सबसे ज्यादा खून बढ़ाने वाला फल कौन सा होता है?

अनार को खून बढ़ाने में सबसे ज्यादा असरदार माना जाता है क्योंकि अनार में आयरन और विटामिन ए भरपूर होता है जो शरीर में लाल रक्त कोशिकाओं के निर्माण के लिए आवश्यक है जबकि अनार विटामिन सी अब्जॉर्पशन में भी मदद करता है। रोज अनार खाने से शरीर में खून की कमी को जल्दी दूर किया जा सकता है। इसके अलावा फलों में सेब, तरबूज का भी सेवन करें। खजूर खाएं। किशमिश वाला पानी पीएं।

खून की कमी दूर करेंगे घर के देसी इलाज

खून की कमी का इलाज उसके कारणों पर निर्भर करता है। अगर आपका खान-पान सही है और फिर भी आपको खून की कमी है तो डाक्टरी सलाह लेना ना भूलें। इसके अलावा आप घर पर अपनी डाइट सही करके खून की कमी को दूर कर सकते हैं। खून की कमी के उपचार के लिए आहार में आयरन, फोलिक एसिड, विटामिन सी और विटामिन बी 12 फूड्स का सेवन बढ़ा दें। अनाज, फल और सब्जियां, दूध और दूध से बनी चीजें, मांस आदि खाद्य पदार्थों के सेवन से आपको जरूरी पोषक तत्व मिलते हैं।

आयुर्वेद में खून की कमी के लिए कई जड़ी-बूटियों का उपयोग किया जाता है। जैसे शिलाजीत, अश्वगंधा आदि विशिष्ट आयुर्वेदिक आश्वासन खून की कमी में लाभकारी होते हैं लेकिन कोई भी उपचार करने से पहले डाक्टरी सलाह जरूरी है। डॉक्टर खून की कमी के कारण, लक्षण, पहले से चल रही आपकी दवा और संपूर्ण स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए उपचार आपको बताएंगे।

खून की कमी से बचने के उपाय

शरीर को खून की कमी से बचाए रखने के लिए आहार में आयरन, फोलिक एसिड, विटामिन सी, विटामिन बी 12 लेते रहे। तंबाकू या अल्कोहल से दूर रहें। नियमित रूप से व्यायाम करें और पर्याप्त नींद लें। समय पर खाना खाएं और आराम करें।

आप डॉक्टर द्वारा दी गई विटामिन सप्लीमेंट्स खा सकते हैं। नियमित चेकअप कराएं ताकि आप खून की कमी या किसी भी अन्य स्वास्थ्य समस्या का समय पर पता चल सके।

बच्चों में बढ़ रहा है मधुमेह

मधुमेह पहले आमतौर पर 18 वर्ष की आयु के बाद ही होता था, लेकिन अब यह किसी भी उम्र में, यहां तक कि बच्चों में भी हो सकता है। अस्वास्थ्यकर जीवनशैली, शारीरिक गतिविधि की कमी और अनुचित आहार के कारण बच्चों में टाइप 2 डायबिटीज के मामलों में तेजी से वृद्धि हो रही है। समस्या इस बात की है कि टाइप-2 मधुमेह टाइप-1 की तुलना में धीरे-धीरे विकसित होता है। कई लोगों में इसके लक्षण वर्षों तक नजर नहीं आते, लेकिन उनका रक्त शर्करा स्तर धीरे-धीरे ख़तरनाक सीमा की ओर बढ़ता रहता है।

इसलिए बढ़ रहा है टाइप-2

अस्वस्थ आहार- बच्चों का आहार अब ज्यादा प्रोसेस्ड फूड, तले हुए खाद्य पदार्थ, शक्कर और जंक फूड पर आधारित हो गया है। इनमें उच्च मात्रा में कैलोरी, शक्कर और वसा होती है, जो शरीर के लिए नुक़सानदेह हो सकती है। फल, सब्जियां और पूरी तरह से पोषक आहार की कमी के कारण शरीर में शर्करा का स्तर बढ़ जाता है, जो मधुमेह का कारण बन सकता है।

गतिविधि की कमी- बच्चों का अधिकतर समय स्क्रीन के सामने ही गुजरता है। शारीरिक व्यायाम कम होने के कारण उनका वजन बढ़ सकता है और मोटापे की समस्या पैदा हो सकती है। अधिक वसा और वजन शरीर के इंसुलिन को सही तरीक़े से काम करने में बाधा डाल सकते हैं, जिससे टाइप 2 डायबिटीज हो सकती है। अनियमित दिनचर्या, देर से सोना, सही समय पर भोजन न करना और नींद की कमी भी मधुमेह की वजह बन सकती है।

आनुवंशिक कारण- परिवार में किसी को मधुमेह है या रहा है तो बच्चों में भी इसका जोखिम बढ़ जाता है। यह आनुवंशिक कारणों से होता है, जहां बच्चों को माता-पिता से मधुमेह का जीन मिल सकता है।

तनाव होना- बच्चों में बढ़ता मानसिक तनाव, पढ़ाई, पारिवारिक समस्याएं भी शारीरिक स्वास्थ्य पर असर डाल सकती हैं। तनाव के कारण हॉर्मोनल बदलाव होने से शर्करा का स्तर प्रभावित होता है।

यह भी एक बड़ी वजह- कुछ बीमारियों, जैसे उच्च रक्तचाप, उच्च कॉलेस्ट्रॉल या हॉर्मोनल असंतुलन से भी मधुमेह का ख़तरा बढ़ सकता है।

ये लक्षण दिखाई दे सकते हैं- मधुमेह टाइप-1 और 2 के लक्षण लगभग समान हैं, जैसे अत्यधिक प्यास लगना, बार-बार पेशाब आना, थकान महसूस होना, वजन कम होना, धुंधला दिखाई देना, जख्म या संक्रमण का धीरे-धीरे ठीक होना, त्वचा पर काले धब्बे आदि।

बच्चों के संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए 5 आसान क़दम

स्वस्थ आहार लें- आहार में ताजे फल और हरी-भरी सब्जियां शामिल करें। रोज जंकफूड के सेवन से बचें। इनके अलावा, दलिया और दालें जैसे फाइबर युक्त खाद्यों का सेवन जरूरी है क्योंकि ये रक्त शर्करा को नियंत्रित करने में मदद करता है।

खानपान पर ध्यान- उनके सुबह का नाश्ता और दोपहर-रात का खाना समय पर होना चाहिए। छोटे-छोटे पौष्टिक स्नैक्स जैसे फल, नट्स, दही आदि के सेवन की आदत डालवाएं। सोने और जागने का समय सही रखें। बच्चे के लिए भरपूर नींद लेना बहुत जरूरी है।

शक्कर और वसा- बच्चों को कम शक्कर वाले खाद्य दें। स्वस्थ वसा जैसे ओमेगा-3 फैटी एसिड (मछली, अखरोट, अलसी के बीज) को आहार में शामिल करें।

शारीरिक गतिविधि- रोज कम से कम 1 घंटा शारीरिक गतिविधि जैसे दौड़ना, खेल-कूद, साइकिल चलाना आदि के लिए प्रेरित करें।

तनाव से दूरी- बच्चों को ध्यान लगाने के लिए कहें। परिवार के साथ समय बिताने से भी तनाव दूर होगा। बच्चों पर अधिक पढ़ाई का दबाव, परीक्षा का तनाव आदि ना डालें।

संक्षिप्त समाचार

महिलाएं नाजुक फूल हैं जहां हिजाब ना पहनने पर मिलती है मौत, क्या बोले ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई

तेहरान, एजेंसी। ईरान का नाम दुनिया के उन देशों में शामिल है जिन देशों ने महिलाओं पर सबसे अधिक प्रतिबंध लगाए हैं। बीते सप्ताह ही ईरान में ऐसे नियमों को लागू करने की खबरें सामने आई थीं जिसके तहत हिजाब ना पहनने पर महिलाओं को मौत की सजा तक दी जा सकती है। हालांकि बवाल के बाद ईरान ने इन कानूनों पर फिलहाल रोक लगाई है। इस बीच ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने एक ऐसा बयान दिया है जो आपको बेहद हैरान कर सकता है। खामेनेई ने कहा है कि महिलाएं 'नाजुक फूल' हैं और उनके साथ नौकरानी की तरह व्यवहार नहीं होना चाहिए।

बुधवार को खामेनेई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, च्यमहिला एक नाजुक फूल है, न कि घरेलू नौकरानी।ज उन्होंने आगे कहा, च्च्यक महिला को घर में फूल की तरह रखा जाना चाहिए। एक फूल की देखभाल करने की जरूरत होती है। इसकी ताजगी और मीठी खुशबू का लाभ उठाया जाना चाहिए और हवा को सुगंधित करने के लिए इसका इस्तेमाल किया जाना चाहिए।ज

हालांकि इस बयान को लेकर लोग खुश नहीं दिखे। कई लोग इसे दोगला व्यवहार बता रहे हैं। पिछले कुछ सालों से ईरान में महिलाओं पर लगाए गए प्रतिबंधों को लेकर लगातार विरोध प्रदर्शन हुए हैं। ईरान की महिलाएं भी सड़कों पर उतरी हैं। 2022 में 22 वर्षीय महसा अमिनी की मौत के बाद यह महिलाएं और मुखर हुई हैं। महीसा अमिनी को सख्त हिजाब कानूनों की अवहेलना करने के लिए गिरफ्तार किया गया था और पुलिस हिरासत में उनकी मौत हो गई थी।

कई कार्यकर्ताओं और मानवाधिकार समूहों ने दावा किया है कि ईरान में सख्त कानूनों का विरोध करने वाली महिलाओं के साथ यातना, हिंसा और जबरन दवा देने के सबूत मिले हैं। ईरान में ड्रेस कोड का पालन न करने पर महिलाओं को सख्त सजा दी जाती है। पिछले कुछ दिनों पहले ईरान ने हिजाब का विरोध करने वाली महिलाओं के मानसिक इलाज के लिए क्लिनिक खोलने की भी बात की थी।

बाइडन प्रशासन ने एच-बी वीजा के नियमों में दी ढील, भारतीय स्टूडेंट्स और वर्कर्स को मिलेगा फायदा

वाशिंगटन एजेंसी। । अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने एच-1बी वीजा के नियमों में ढील देने का फैसला लिया है जिससे भारतीय स्टूडेंट्स और वर्कर्स के लिए अमेरिका जाने का रास्ता आसान हो जाएगा। यह बदलाव 17 जनवरी 2025 से प्रभावी होगा।

1. एच-1बी वीजा पर काम करने वाले विदेशी वर्कर्स के लिए फायदा होगा। खासकर उन लोगों के लिए जो आईटी, फाइनेंस और टेक्नोलॉजी सेक्टर में काम करते हैं। इससे अमेरिकी कंपनियों को विशेष कौशल वाले वर्कर्स की भर्ती में आसानी होगी।

2. एफ-1 छात्र वीजा से एच-1बी वीजा में बदलने की प्रक्रिया भी सरल हो जाएगी। यानी जो छात्र अमेरिका में पढ़ाई करने आते हैं वे आसानी से वर्क वीजा प्राप्त कर सकेंगे।

पहले एच-1बी वीजा का एक्सटेंशन कराने के लिए पूरा प्रोसेस दोबारा करना पड़ता था। अब प्रायर डेफरेंस पॉलिसी के तहत यह प्रक्रिया जल्द पूरी हो सकेगी। इसका मतलब है कि वीजा का एक्सटेंशन सरल और तेजी से हो सकेगा।

अमेरिकी दूतावास से जुड़ी नई जानकारी

1. 1 जनवरी 2025 से, अमेरिकी गैर-प्रवासी वीजा आवेदक एक बार बिना किसी फीस के इंटरव्यू की अपॉइंटमेंट को फिर से तय कर सकेंगे।

2. अपॉइंटमेंट चूकने या पुनर्निर्धारण करने पर एक नई अपॉइंटमेंट बुक करनी होगी और फीस फिर से चुकानी होगी।

रूसी लड़की से मोहब्बत, फिर किया निकाह

बांग्लादेश छोड़ने पर मजबूर हुई मोहम्मद यूनुस की पहली पत्नी

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश के केयरटेकर पीएम और नोबेल शांति पुरस्कार विजेता के रूप में प्रसिद्ध मोहम्मद यूनुस की जिंदगी सिर्फ उनके प्रशासनिक और सामाजिक योगदान के लिए ही नहीं, बल्कि उनके निजी जीवन के अनोखे और उलझे पहलुओं के लिए भी चर्चा में रही है। हाल ही में उनकी बेटी मोनिका यूनुस से जुड़े विवादों ने उनके जीवन के पुराने पन्नों को फिर से खोल दिया, जिसमें उनकी पहली पत्नी वेरा फोरेस्टेंको का जिक्र भी प्रमुखता से हुआ। आइए जानते हैं मोहम्मद यूनुस की निजी जिंदगी से जुड़े दिलचस्प किस्से।

रूसी लड़की से प्रेम और निकाह: साल 1967 में, जब मोहम्मद यूनुस पीएचडी करने के लिए अमेरिका के वेंडरबिल्ट यूनिवर्सिटी गए तो उनकी मुलाकात एक रूसी लड़की वेरा फोरेस्टेंको से हुई। पहली ही मुलाकात में दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं और यह रिश्ता जल्द ही प्यार में बदल गया। तीन साल के प्रेम संबंध के बाद 1970 में दोनों ने शादी कर ली। शादी के बाद यूनुस और वेरा ने 1972 में बांग्लादेश का रुख किया। शुरुआत में सबकुछ ठीक चल रहा था और 1977 में उनके घर एक बेटी मोनिका यूनुस का जन्म हुआ। लेकिन कुछ ही समय बाद उनके रिश्ते में खटास आने लगी।

वतन छोड़ने पर मजबूर हुई यूनुस की पहली पत्नी: शादी के कुछ साल बाद ही वेरा और यूनुस के रिश्ते में दरार गहराने लगी। हालात इतने बिगड़ गए कि वेरा को तीन महीने की बेटी को लेकर अमेरिका के न्यू जर्सी जाना पड़ा। इसके बाद वेरा ने यूनुस से दूरी बना ली और उनके साथ संपर्क लगभग खत्म कर दिया। खबरों के मुताबिक, वेरा के रूस के बड़े-बड़े उद्योगपतियों से गहरे संबंध थे। माना जाता है कि बांग्लादेश में यूनुस द्वारा चलाए जा रहे कई प्रोजेक्ट्स के लिए फंडिंग रूस से आती थी और यह फंड जुटाने में वेरा की अहम भूमिका रहती थी।

भले ही मोनिका ने बचपन में अपने पिता को करीब से नहीं देखा लेकिन 2004 में उन्होंने खुद मोहम्मद यूनुस से संपर्क साधा। इसके बाद 2005 में वह पहली बार अपने पिता से मिलने बांग्लादेश भी आईं। मोनिका ने अपनी पहचान खुद बनाई। वह पेशे से एक प्रतिष्ठित ओपेरा सिंगर हैं और न्यूयॉर्क की कई बड़ी ग्रुप्स के साथ काम कर चुकी हैं।

दूसरी शादी से शुरू हुआ नया अध्याय: वेरा से अलग होने के तीन साल बाद यूनुस की जिंदगी में आफरीजी आईं। वह मैनचेस्टर यूनिवर्सिटी में फिजिक्स की शोधकर्ता थीं। यूनुस से शादी के बाद आफरोजी ने बांग्लादेश में उनके साथ काम करना शुरू कर दिया और उनके नए जीवन का एक अहम हिस्सा बन गईं।

अफगानिस्तान में दो भयानक बस हादसों से मचा कोहराम, 52 लोगों की मौत व 65 घायल

काबुल एजेंसी। अफगानिस्तान के काबुल-कंधार हाईवे पर हुए दो बड़े सड़क हादसों में कम से कम 52 लोगों की मौत हो गई, जबकि 65 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसे गजनी प्रांत के अलग-अलग इलाकों में गुरुवार को हुए। अधिकारियों ने इस घटना की पुष्टि की है। पहली दुर्घटना गजनी प्रांत के शाहवाज गांव के पास हुई। एक यात्री बस ईंधन से भरे टैंकर से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस और टैंकर दोनों में आग लग गई। 20यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कई गंभीर रूप से झुलस गए।

दूसरी घटना गजनी के अंदर जिले में हुई, जहां एक बस एक बड़े ट्रक से टकरा गई। इस हादसे में भी कई लोगों की जान गई और दर्जनों घायल हो गए। हादसों के तुरंत बाद राहत और बचाव दल मौके पर पहुंचे और घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया। अधिकारियों ने बताया कि घायलों में से कई की हालत गंभीर है, जिससे मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है।

अफगानिस्तान में काबुल-कंधार हाईवे पर इस तरह के हादसे अक्सर होते हैं। खराब सड़कें, ट्रैफिक नियमों का पालन न करना और ओवरलोड वाहन इन दुर्घटनाओं के प्रमुख कारण माने जाते हैं। खासकर, ईंधन से भरे टैंकरों की मौजूदगी हादसों की गंभीरता को और बढ़ा देती है। यह पहली बार नहीं है जब इस हाइवे पर इतना बड़ा हादसा हुआ हो। पिछले कुछ वर्षों में इसी तरह के कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं, जिनमें सैकड़ों लोग अपनी जान गंवा चुके हैं।

पाकिस्तान की हरकत से भड़का अमेरिका, सरकारी एयरोस्पेस एवं रक्षा एजेंसी सहित 4 पाक कंपनियों पर लगाया प्रतिबंध

वाशिंगटन एजेंसी। अमेरिका ने पाकिस्तान के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम में मदद के आरोप में सरकारी एयरोस्पेस एवं रक्षा एजेंसी नेशनल डेवलपमेंट कॉम्प्लेक्स समेत चार पाकिस्तानी कंपनियों पर बुधवार को प्रतिबंध लगा दिए। विदेश मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तान के लंबी दूरी के मिसाइल कार्यक्रम से होने वाले खतरे के मद्देनजर अमेरिका ने चार संस्थाओं पर प्रतिबंध लगा रहा है।

एनडीसी के अलावा, तीन अन्य संस्थाएं 'अख्तर एंड संस प्राइवेट लिमिटेड, 'एफिलिएट्स इंटरनेशनल और 'रॉकसाइड एंटरप्राइज हैं। ये तीनों कराची में स्थित हैं, जबकि एनडीसी इस्लामाबाद में है। एनडीसी ने पाकिस्तान के लंबी दूरी के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम को आगे बढ़ाने के लिए सामग्री हासिल करने के वास्ते काम किया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि अमेरिका का आकलन है कि एनडीसी पाकिस्तान की बैलिस्टिक मिसाइलों के विकास के लिए जिम्मेदार है, जिसमें शाहीन सीरीज की बैलिस्टिक मिसाइल भी शामिल हैं। वहीं, अख्तर एंड संस प्राइवेट लिमिटेड ने पाकिस्तान के लंबी दूरी के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम के लिए उपकरणों की आपूर्ति के वास्ते एनडीसी के लिए काम किया है। एफिलिएट्स इंटरनेशनल ने पाकिस्तान के बैलिस्टिक-मिसाइल कार्यक्रम की खातिर एनडीसी और अन्य के लिए उपकरण खरीदे हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि रॉकसाइड एंटरप्राइज ने पाकिस्तान के लंबी दूरी के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम के लिए उपकरणों की आपूर्ति के लिए एनडीसी के लिए काम किया है।

अमेरिका में भारतीय शख्स ने नाबालिग को यौन गतिविधि में शामिल होने का दिया लालच, अब होगी 10 साल की सजा

वाशिंगटन एजेंसी। भारतीय नागरिक कीर्तन पटेल (24) ने एक नाबालिग को यौन गतिविधि में शामिल होने का लालच देने की कोशिश करने का दोष स्वीकार कर लिया है। एक अमेरिकी वकील ने बुधवार को यह जानकारी दी। पटेल को न्यूनतम 10 साल से अधिकतम उम्रकैद तक की सजा हो सकती है। वह फ्लोरिडा में रहता है। उसे सजा सुनाये जाने की तारीख अभी तय नहीं हुई है। अपराध स्वीकारोक्ति समझौते के तहत 22 मई से 24 मई के बीच पटेल ने यह सोचकर एक व्यक्ति से संवाद किया कि वह 13 वर्षीय बालिका है। हालांकि, वह व्यक्ति 'होमलैंड सिक्योरिटी इन्वेस्टिगेशन (एचएसआई) का विशेष एजेंट था। पटेल ने अंडरकवर एजेंट के साथ यौन-उत्पीड़न संबंधी बातचीत की। अमेरिकी अटॉर्नी रोजर बी हैंडबर्ग ने बताया कि अंततः पटेल को उस समय गिरफ्तार कर लिया गया जब वह बच्ची के साथ यौन क्रियाकलाप करने के लिए मैरियन काउंटी में एक स्थान पर गया था।

नाइजीरिया में स्कूल मेले में मची भगदड़, 30 बच्चों की मौत

लागोस , एजेंसी। दक्षिण-पश्चिमी नाइजीरिया में बुधवार को एक स्कूल द्वारा छुट्टियों पर आयोजित मेले के दौरान मची भगदड़ में 30 बच्चों की मौत हो गई। स्थानीय गवर्नर ने यह जानकारी दी। ओयो राज्य के गवर्नर सेई मकिंडे ने बताया कि भगदड़ राज्य के इस्लामिक हाई स्कूल बसोरुन में हुई। उन्होंने बताया कि घटना के मद्देनजर सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है। राज्य के गवर्नर सेई मकिंडे ने एक दुखद घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए फेसबुक पर एक बयान जारी किया। यह घटना इस्लामिक हाई स्कूल बसोरुन में आयोजित एक पारिवारिक कार्यक्रम के दौरान हुई, जहां भगदड़ मचने के कारण कई लोगों की जान चली गई और कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

इस्लामिक हाई स्कूल बसोरुन में यह कार्यक्रम परिवारों के लिए आयोजित किया गया था, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए थे। हालांकि, कुछ कारणों से कार्यक्रम स्थल पर स्थिति अचानक अनियंत्रित हो गई और भगदड़ मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, भारी भीड़ के बीच अव्यवस्था फैलने से लोगों ने अपना आपा खो दिया, जिससे यह त्रासदी हुई। गवर्नर सेई मकिंडे ने कहा, च्च्यह एक अत्यंत दुखद घटना है, जिसमें हमने कई अनमोल जानें खो दी हैं। इस त्रासदी ने पूरे राज्य को झकझोर कर रख दिया है। इस घटना के कारण जो परिवार और प्रियजन प्रभावित हुए हैं, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। उन्होंने आगे कहा कि प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि कार्यक्रम के मुख्य आयोजकों की लापरवाही इस भगदड़ का प्रमुख कारण हो सकती है। उन्होंने यह भी बताया कि आयोजकों को हिरासत में ले लिया गया है और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। गवर्नर मकिंडे ने भरोसा दिलाया कि घटना की पूरी तरह से निष्पक्ष और गहन जांच की जा रही है। उन्होंने कहा, च्च्मैं लोगों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि इस आपदा के लिए जिम्मेदार हर व्यक्ति को न्याय के दायरे में लाया जाएगा। चाहे वह सीधे तौर पर शामिल हो या परोक्ष रूप से, दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

मिर्ची खाओ, बॉस के लिए नारे लगाओ... कर्मचारियों को ऐसी अनोखी सजा क्यों दे रही चीनी कंपनियां

बीजिंग , एजेंसी। चीन में लोग किस हालात नौकरी कर रहे हैं, हाल ही में इसकी बानगी सामने आई। ऐसी दो कंपनियों के बारे में जानकारी सामने आई है, जिनके कारनामे सुनकर यहां कोई भी काम करने से दूर भागेगा। दो चीनी कंपनियां अपनी बेतुकी कार्य संस्कृति और खराब ऑफ़िस माहौल के लिए सुर्खियों में हैं। रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि ये कंपनियां अपने कर्मचारियों को फर्श पर लोटकर अपने बॉस का सम्मान करने के लिए मजबूर करते हैं। बॉस के लिए नारे लगवाए जा रहे हैं। वहीं, मामूली सी सजा के लिए भी तीखी लाल मिर्ची खाने के लिए मजबूर किया जा रहा है।

चीन के गुआंगझोउ में स्थित एक कंपनी कथित तौर पर अपने कर्मचारियों को कार्यालय में असामान्य व्यवहार करने के लिए मजबूर कर रही है। अपने बॉस को 'च्युड मॉर्निंगज या 'च्चेलोज कहने के बजाय फर्म ने अपने कर्मचारियों को सीनियर्स का स्वागत करने के लिए फर्श पर लोटने के लिए कहा है। उन्हें बॉस और कंपनी की तारीफ करते हुए नारे लगाने के लिए भी कहा गया।

मिर्च खाने के लिए कर रहे मजबूर: एक अन्य घटना में, चीन की दूसरी कंपनी ने कथित तौर पर अपने कर्मचारियों से कहा कि अगर वे अपने किसी भी कार्य में विफल हो जाते हैं तो उन्हें सबसे तीखी लाल मिर्च खानी होगी। हाल ही में महिला कर्मी को अपना काम पूरा न कर पाने पर कंपनी के मैनेजर ने तीखी मिर्च खाने का आदेश दिया।

सीरिया के बहाने आपस में फिर टकरा रहे दो पुराने दुश्मन, खुलेगा जंग का चौथा मोर्चा

दश्मिक , एजेंसी। सीरिया में बशर अल-असद के शासन का अंत होने के बाद पश्चिमी एशिया के पुराने दो दुश्मनों के बीच एक बार फिर से टकराव उभर रहा है। सीरिया के भविष्य के बहाने इजरायल और तुर्की अपने परस्पर विरोधी राष्ट्रीय और क्षेत्रीय सुरक्षा हितों को आगे बढ़ाने का अवसर तलाश रहे हैं। ऐसा माना जा रहा है कि सीरिया के विद्रोहियों ने तुर्की की मदद से ही सीरिया में तख्तापलट किया। ईरान तुर्की के इस कदम को गद्दारी मानता है। सीरिया में तख्तापलट से तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोआन सुन्नी मुस्लिम दुनिया के लिए खुद को नेता के रूप में स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं। उधर, इजरायल भी सीरिया में कोई शासन न होने का अवसर देखते हुए इलाकों पर लगातार कब्जा कर रहा है।

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और तुर्की के राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोआन के नेतृत्व में हाल के वर्षों में दोनों देशों के बीच संबंध तेजी से खराब हुए हैं। इससे दोनों देशों के बीच सीरिया को लेकर कटु टकराव की स्थिति उत्पन्न हुई है। ऐसा माना जा रहा है कि तुर्की ने सीरिया के विद्रोही गुट 'हयात तहरीर अल-शाम' समूह (एचटीएस) के नेतृत्व में असद को सत्ता से हटाने के लिए किए गए हमले का समर्थन का किया है जिससे सीरिया के सहयोगी ईरान और रूस को धोखा मिला है। तेहरान का मानना है कि तुर्की के समर्थन के बिना एचटीएस यह नहीं कर पाता।

मौके की तलाश में इजरायल: तुर्की ने असद के शासन का अंत होने के तुरंत बाद दमिश्क में अपना दूतावास फिर से खोल दिया और उसने सीरिया का शासन चलाने में एचटीएस को मदद करने की भी पेशकश की। दूसरी ओर, इजरायल ने अपनी क्षेत्रीय और सुरक्षा महत्वाकांक्षाओं को आगे बढ़ाने के लिए सीरिया में किसी का भी शासन न होने का लाभ उठाया। इसने सीरिया के गोलान हाइट्स क्षेत्र में घुसपैठ की और देश भर में इसकी सैन्य संपत्तियों पर बड़े पैमाने पर बमबारी की।

तुर्की ने सीरिया और गोलान हाइट्स पर इजराइल की कार्रवाई को जमीन हड़पने का प्रयास माना। अरब देशों ने इजरायल की इस कार्रवाई की निंदा की और सीरिया की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करने की मांग की। इजरायल, सीरिया के एक जिहादी राज्य में तब्दील होने तथा वहां स्पष्ट रूप से एक इस्लामी समूह के सत्ता पर काबिज हो जाने से चिंतित है। हालांकि, एचटीएस के नेता अहमद अल-शरा ने संकेत दिया है कि वह इजरायल के साथ संघर्ष नहीं चाहते। उन्होंने यह भी वचन दिया है कि वे किसी भी समूह को इजरायल पर हमले के लिए सीरिया का उपयोग करने की अनुमति नहीं देंगे।

पश्चिम एशिया के दो कट्टर दुश्मन: तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोआन लंबे समय से फलस्तीन का समर्थन और इजरायल की घोर आलोचना करते आए हैं। गाजा में हमास के साथ युद्ध शुरू हो जाने के बाद से इजरायल और तुर्की के बीच तनाव काफी बढ़ गया है। नेतन्याहू पिछले कई वर्षों से एर्दोआन पर निशाना साधते रहे हैं। उन्होंने एर्दोआन को ''तानाशाह'' कहा, उनकी जेलों में सबसे ज्यादा पत्रकार और राजनीति से जुड़े लोग बंद हैं। उन्होंने एर्दोआन पर कुर्द लोगों का ''नरसंहार'' करने का भी आरोप लगाया था।

क्या करेगा अमेरिका: दुनिया की नजरें अमेरिका पर भी टिकी हैं, क्योंकि अमेरिका तुर्की और इजरायल दोनों का सहयोगी है। ऐसे में अमेरिका ने यह सुनिश्चित करने के लिए गहन कूटनीतिक प्रयास शुरू कर दिए हैं कि एचटीएस सीरिया के भविष्य को सही दिशा में ले जाए। वह असद के शासन का अंत होने के बाद सत्ता पर काबिज हुई सरकार से चाहता है कि वह अमेरिका के हितों के अनुसार ही काम करे। अमेरिका को सीरिया में इजरायल और तुर्की के बीच उभरती भू-राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता का भी मैनेज करना होगा।

ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष तीन बल्लेबाजों की फॉर्म गंभीर चिंता का विषय : दिग्गज विकेटकीपर इयान हीली

मेलबर्न (एजेंसी)। अपने जमाने के दिग्गज विकेटकीपर बल्लेबाज इयान हीली ने भारत के खिलाफ 26 दिसंबर से शुरू होने वाले चौथे टेस्ट मैच से पहले ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष क्रम के तीन बल्लेबाजों की फॉर्म को गंभीर चिंता का विषय करार देते हुए उन्हें अपने 'बेसिक्स' पर ध्यान देने की सलाह दी। ऑस्ट्रेलिया ने बारिश से प्रभावित तीसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में ट्रैविस हेड और स्टीव स्मिथ के शतकों की मदद से 445 रन बनाए, लेकिन दूसरी पारी में उसके बल्लेबाज लड़खड़ा गए, जिसे उसने सात विकेट पर 89 रन बनाकर समाप्त घोषित किया था। यह मैच ड्रॉ रहा, जिससे पांच मैच की श्रृंखला अभी 1-1 से बराबरी पर है। हीली ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि ऑस्ट्रेलिया मेलबर्न टेस्ट से पहले उन पर किसी तरह का दबाव बनाएगा लेकिन वे फॉर्म में नहीं है। वे गंभीर रूप से फॉर्म से बाहर हैं।

सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा और नाथन मैकस्वीनी तथा तीसरे नंबर के बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। हीली ने कहा, 'चयन समिति के अध्यक्ष जॉर्ज बेली से पूछा जाना चाहिए कि क्या यह तीनों बल्लेबाज फॉर्म में वापसी कर सकते हैं। क्या उन्हें विश्वास है कि हमारे शीर्ष क्रम के तीन बल्लेबाज फॉर्म में वापसी करेंगे।

उन्होंने कहा कि मेलबर्न टेस्ट मैच फॉर्म में वापसी करने के लिए इन तीनों बल्लेबाजों के लिए सर्वश्रेष्ठ मौका होगा। हीली ने कहा, 'मेलबर्न के विकेट से बल्लेबाजों को भी मदद मिलती है और यहां उनके पास फॉर्म में वापसी करने का सर्वश्रेष्ठ मौका होगा। इसके लिए उन्हें अपने बेसिक्स पर ध्यान देना होगा।

श्रीलंका की टी-20 टीम घोषित, असलांका करेंगे कप्तानी

माउंट माउंगानुई (एजेंसी)। श्रीलंका ने न्यूजीलैंड श्रृंखला के लिए अपनी टी20 टीम की घोषणा कर दी है। चरित असलांका 3 टी20 और 3 वनडे मैचों की श्रृंखला में श्रीलंका की 16 सदस्यीय टी20 टीम का नेतृत्व करेंगे। नवंबर में घरेलू टी20 सीरीज में न्यूजीलैंड का सामना करने वाली टीम की तुलना में टीम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। हाल ही में समाप्त हुए अबू धाबी टी10 टूर्नामेंट और श्रीलंका

की कीवी टीम के खिलाफ आखिरी सीरीज में अपने असाधारण प्रदर्शन के बाद भानुका राजपक्षे ने टीम में अपना स्थान बरकरार रखा है।

नवंबर में, श्रीलंका और न्यूजीलैंड ने दो मैचों की टी20ई श्रृंखला लड़ी। श्रीलंका ने पहले मैच में 4 विकेट से जीत हासिल की, जबकि न्यूजीलैंड ने पांच रन की करीबी जीत के साथ श्रृंखला बराबर की। श्रृंखला की मेजबानी दांबुला के रंगिरी दांबुला अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में की गई थी। आईसीसी के मुताबिक श्रीलंका की टी20 टीम शुक्रवार को न्यूजीलैंड के लिए रवाना होगी। टी20 के बाद, दोनों टीमें 5, 8 और 11 जनवरी को होने वाले 3 वनडे मैचों में भी आमने-सामने होंगी।

श्रीलंका और न्यूजीलैंड के बीच टी20 सीरीज 28 दिसंबर से शुरू होगी, जबकि दूसरा और तीसरा मैच क्रमशः 30 दिसंबर और 2 जनवरी को होगा। पहले दो टी20 मैच माउंट माउंगानुई में खेले जाएंगे, जबकि अंतिम मैच नेल्सन में आयोजित किया जाएगा। हाल ही में श्रीलंका को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 2-0 से हार का सामना करना पड़ा।

श्रीलंका की टी20 टीम - चरित असलांका (कप्तान), पथुम निसांका, कुसल मेंडिस, कुसल परेरा, अविष्का फर्नांडो, कामिंदु मेंडिस, दिनेश चांडीमल, भानुका राजपक्षे, वानिंदु हसरंगा, महीश थीक्षाना, जेफरी वेंडरसे, चामिंदु विक्रमसिंघे, मथीशा पथिराना, नुवान तुषारा, असिथा फर्नांडो, बिनुरा फर्नांडो।

भारत-पाकिस्तान की टीमें एक-दूसरे के देश में नहीं खेलेंगी

● आईसीसी मीटिंग में फैसला ● चैंपियंस ट्रॉफी में भारत के सभी मैच न्यूट्रल वेन्यू पर होंगे

दुबई (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान की टीमें एक-दूसरे के देश में जाकर क्रिकेट नहीं खेलेंगी। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत के सभी मैच न्यूट्रल वेन्यू पर खेले जाएंगे। पाकिस्तानी टीम भी 2027 तक किसी भी टूर्नामेंट के लिए भारत नहीं आएगी। उसके मैच भी न्यूट्रल वेन्यू पर होंगे। आईसीसी की इस फैसले की जानकारी गुरुवार को सामने आई। मीटिंग में यह फैसला पहले ले लिया गया था। भारत में 2025 विमेंस वनडे वर्ल्ड कप, 2026 में टी-20 वर्ल्ड कप भारत और श्रीलंका में होना है। इससे पहले जब आईसीसी ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 को हाइब्रिड मॉडल में कराने की बात पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को बताई थी। तब पीसीबी ने आईसीसी के सामने भारत में टीम न भेजने की मांग रखी थीं, जिसे अब आईसीसी ने मान लिया है।

2028 विमेंस वर्ल्ड कप पाकिस्तान में

आईसीसी बोर्ड ने कन्फर्म किया कि विमेंस वर्ल्ड कप 2028 पाकिस्तान में खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट में भी भारतीय और पाकिस्तान महिला टीम के मैच न्यूट्रल वेन्यू पर खेले जाएंगे।

सभी 15 मेंबर्स हाइब्रिड मॉडल के लिए माने

आईसीसी के नए चेयरमैन जय शाह की मौजूदगी में 5 दिसंबर को सभी बोर्ड मेंबर्स की मीटिंग हुई थी। शाह इसी महीने दुबई स्थित हेडक्वार्टर भी पहुंचे थे। मीटिंग में सभी 15 बोर्ड मेंबर्स हाइब्रिड मॉडल के लिए मान गए। पाकिस्तान ने भी मीटिंग में फैसले का विरोध नहीं किया।

पीसीबी की मांगें

- पीसीबी ने भारत के साथ ट्राई सीरीज कराने की मांग की पीसीबी ने भविष्य में भारत के साथ किसी न्यूट्रल वेन्यू पर ट्राई सीरीज कराने की मांग की, लेकिन बीसीसीआई और आईसीसी दोनों ने इस पर हामी नहीं भरी। भारत और पाकिस्तान के बीच 2012 से कोई सीरीज नहीं हुई है, दोनों टीमें आईसीसी और एसीसी टूर्नामेंट में ही भिड़ी हैं।
- भारत में कोई टूर्नामेंट हो तो उसके मैच भी न्यूट्रल वेन्यू पर हों पाकिस्तान की यह मांग आईसीसी ने मान ली है। अब भारत

में कोई टूर्नामेंट होगा तो पाकिस्तानी टीम के मैच भी न्यूट्रल वेन्यू पर होंगे। हालांकि, बीसीसीआई ने पहले कहा था कि भारत में सिक्योरिटी को लेकर कोई परेशानी नहीं है, इसलिए पाकिस्तान के मैच न्यूट्रल वेन्यू पर न हो। चैंपियंस ट्रॉफी के 5 मैच पाकिस्तान से छीने गए, पीसीबी ने इसके लिए कॉम्पनसेशन भी मांगा, इस डिमांड को आईसीसी ने पहले ही मान लिया था।

- भारत के रूप में नहीं रहना चाहता पाकिस्तान पीसीबी ने यह भी डिमांड रखी कि अगर भारत न्यूट्रल वेन्यू पर ही खेलना चाहता है तो पाकिस्तान को उसके रूप से अलग कर दिया जाए। ताकि पाकिस्तान अपने सभी रूप मैच होम ग्राउंड पर ही खेले, लेकिन आईसीसी और बीसीसीआई के साथ ब्रॉडकास्टर्स ने भी उनकी इस मांग का विरोध कर दिया, क्योंकि किसी भी टूर्नामेंट में भारत-पाकिस्तान मैच ब्लॉकबस्टर इवेंट की तरह रहता है। चैंपियंस ट्रॉफी में दोनों टीमें 1 मार्च को दुबई में भिड़ सकती हैं।
- फाइनेंशियल ईयर का रेवेन्यू बढ़ाया जाए पीसीबी चाहता है कि उसके फाइनेंशियल ईयर का रेवेन्यू 5.75 परसेंट से बढ़ाया जाए। साथ ही 2031 तक भारत में होने वाले सभी बड़े इवेंट्स हाइब्रिड मॉडल में ही हों।

फैसले में देरी क्यों हुई

शुरुआत में भारत ने इस टूर्नामेंट के लिए अपनी टीम पाकिस्तान भेजने से इनकार कर दिया था। पाकिस्तान पहले तो इस बात पर अड़ा रहा कि भारत को पाकिस्तान आना ही होगा, लेकिन भारत के सख्त रुख के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड आखिरकार हाइब्रिड मॉडल के लिए तैयार हो गया है।

संन्यास पर पिता रविचंद्रन ने लगाए गंभीर आरोप

अश्विन को बेइज्जत किया गया, कब तक अपमान सहता...

चेन्नई (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया में जारी सीरीज के बीच रविचंद्रन अश्विन का अचानक संन्यास लेना कई लोगों को पच नहीं रहा है। महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर भी संन्यास की टाइमिंग पर सवाल उठा चुके हैं। रिटायरमेंट लेते ही आनन-फानन में अश्विन का भारत लौट आना भी चर्चा में बना हुआ है। इस बीच अश्विन के पिता रविचंद्रन ने आरोप लगाया कि उनके बेटे को टीम में लगातार अपमानित किया जा रहा था। एक मीडिया चैनल से खास बातचीत में ये गंभीर आरोप लगाए।

अपमानित किया जाता हो,रविचंद्रन ने सीएनएन न्यूज18 से कहा, मुझे भी आखिरी मिनट में पता चला। मैं उसके लिए खुश हूं, लेकिन जिस तरह से उन्होंने संन्यास लिया, उससे नाखुश हूं। संन्यास लेना उनकी इच्छा है, मैं इसमें हस्तक्षेप नहीं कर सकता, लेकिन अचानक उठाए फैसले के कई कारण हो सकते हैं। केवल अश्विन ही जानते हैं, शायद उन्हें अपमान किया जाता हो।

मां रोने लगी तो पिता ने चूमा गाल, गले लगाया... अश्विन का घर पहुंचने पर हुआ स्वागत - ऑस्ट्रेलिया से भारत लौटने पर रविचंद्रन अश्विन का शानदार अंदाज में हुआ स्वागत। घर पर पिता ने गाल चूमा तो गले लगाकर नेशनल ड्यूटर से रिटायर हुए बेटे का किया वेलकम। मां की आंखों में आंसू थे और अश्विन के लिए बैंड बजा रहे थे फैंस। बता दें कि एक दिन पहले ही अश्विन ने इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कहा।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के बीच में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा करने के एक दिन बाद भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन गुरुवार को बिना किसी शोरशराबे के स्वदेश लौट आए। चेन्नई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के स्थानीय अधिकारी अश्विन को बाहर लेकर आए। इस बीच प्रशंसकों ने उनकी तस्वीरें लीं और उन्होंने एक बाइट दी। इसके बाद वह काली कार में बैठकर बाइक और बच्चों संग अपने घर चले गए। जब अश्विन घर पहुंचे तो वहां पूरी तैयारी थी। कार से उतरते ही उनका गाजे-बाजे के साथ स्वागत किया गया।

नेशनल ड्यूटी से रिटायर हुए अश्विन जब घर पहुंचे तो उनके पिता बिल्कुल देसी अंदाज में उनके स्वागत में खड़े थे। उन्होंने बेटे के गाल को चूमा और गले लगाया। साथ में अश्विन की मां भी थीं। वह भावुक नजर आ रही थीं। उनकी आंखों में आंसू थे। दूसरी ओर, भीड़ ने अपने हीरो का माला पहनाकर स्वागत किया। अश्विन से लोगों ने ऑटोग्राफ भी लिए। बता दें कि अश्विन ने बुधवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ब्रिस्बेन में बारिश से प्रभावित तीसरा टेस्ट मैच ड्रॉ छूटने के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के घोषणा करके सभी को चौंका दिया था।

अश्विन हालांकि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सहित क्लब क्रिकेट में खेलते रहेंगे। आईपीएल के अगले सत्र में वह चेन्नई सुपर किंग्स का प्रतिनिधित्व करेंगे। वह अनिल कुंबले के बाद भारत की तरफ से टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर हैं। उन्होंने 106 मैच में 537 विकेट लिए। कुंबले ने टेस्ट क्रिकेट में 619 विकेट लिए हैं। अश्विन ने भारत के लिए 116 एकदिवसीय मैच खेले, जिसमें उन्होंने 156 विकेट लिए, जबकि 65 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में उन्होंने 72 विकेट हासिल किए। अश्विन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने करियर की शुरुआत 2010 में एक दिवसीय प्रारूप से की थी। इसके एक साल बाद उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था।

'किसी तरह का कोई खेद नहीं' - अश्विन ने संन्यास के बाद स्वदेश लौटने पर दिया पहला बयान - ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के बीच में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा करने के एक दिन बाद रविचंद्रन अश्विन गुरुवार को जब स्वदेश लौटे तो यहां फूलों की पंखुड़ियों और बैंड बाजे के साथ उनका स्वागत किया गया जिसके बाद इस ऑफ स्पिनर ने कहा कि उन्हें अपने फैसले को लेकर किसी तरह का खेद नहीं है।

मेलबर्न पहुंचते ही ऑस्ट्रेलियाई मीडिया से हुई विराट कोहली की भिड़ंत, एयरपोर्ट पर गरमा गया माहौल

आप बिना पूछे मेरे परिवार की फोटो नहीं ले सकते

मेलबर्न (एजेंसी)। विराट कोहली और ऑस्ट्रेलियाई मीडिया के बीच तीखी बहस हुई। बॉक्सिंग डे टेस्ट में हिस्सा लेने के लिए भारतीय टीम मेलबर्न पहुंच गई है। वहीं एयरपोर्ट पर यह घटना हुई। कोहली को लगा कि मीडिया उनके परिवार, खासकर उनके बच्चों की तस्वीरें ले रहा है। इससे कोहली नाराज हो गए। बाद में गलतफहमी दूर हुई। कोहली ने साफ किया कि उन्होंने कैमरों को अपने बच्चों की ओर इशारा करते हुए देखा था, जिससे उन्हें गुस्सा आया।

7 न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, विराट कोहली ने एक टीवी रिपोर्टर पर गुस्सा जाहिर किया। कोहली को लगा कि कैमरे उनके बच्चों की फोटो और वीडियो कैप्चर कर रहा है। इससे कोहली चिढ़ गए। कोहली ने कहा, 'मेरे बच्चों के साथ, मुझे थोड़ी प्राइवेसी चाहिए। आप बिना पूछे फिल्म नहीं कर सकते।'

रिपोर्ट में एक पत्रकार के हवाले से कहा गया है, कैमरों को देखकर कोहली थोड़े गरम हो गए। यह एक गलतफहमी थी। उन्हें लगा कि मीडिया उनके बच्चों के साथ उनकी फिल्म बना रहा है। बाद में, गलतफहमी दूर हो गई। पता चला कि कैमरे बच्चों की तरफ नहीं थे। कोहली ने मीडिया से बातचीत करके मामला सुलझा लिया। कोहली हमेशा से अपने बच्चों की प्राइवेसी को लेकर सख्त रहे हैं।

26 दिसंबर से चौथा टेस्ट

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टेस्ट सीरीज का चौथा मुकाबला मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर होना है। इस मैच की शुरुआत 26 दिसंबर से होगी। इस मैच को बॉक्सिंग डे टेस्ट भी कहा जाता है। 5 मैचों की सीरीज अभी 1-1 की बराबरी पर है। पर्थ में हुए पहले टेस्ट को भारत ने अपने नाम किया था। इसके बाद एडिलेड में हुए डे नाइट टेस्ट पर ऑस्ट्रेलिया ने कब्जा जमाया। ब्रिस्बेन में हुआ टेस्ट सीरीज का तीसरा मुकाबला बारिश की वजह से ड्रॉ रहा। बॉक्सिंग डे टेस्ट जितने वाली टीम से सीरीज हारने का खतरा हट जाएगा।

रियाल मैड्रिड ने इंटरकॉन्टिनेंटल कप जीता, कोच एंसेलोटी ने बनाया रिकॉर्ड

लुसैल (कतर) (एजेंसी)। रियाल मैड्रिड ने मैक्सिको की टीम पचुका को 3-0 से हराकर इंटरकॉटिनेंटल कप फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब जीता, जिससे कार्लो एंसेलोटी क्लब के इतिहास में सर्वाधिक ट्रॉफियां जीतने वाले कोच बन गए। रियाल मैड्रिड ने एंसेलोटी के कोच रहते हुए अपना 15वां खिताब जीता। एंसेलोटी ने इस तरह से मिगुएल मुनोज को पीछे छोड़ा जिन्होंने 1960 और 70 के दशक में स्पेन के इस क्लब का कोच रहते हुए 14 खिताब जीते थे। एंसेलोटी ने मैच के बाद कहा, 'मैं इस जीत से बहुत खुश हूं। हमारी शुरुआत बहुत अच्छी नहीं रही लेकिन हमने अच्छा अंत किया। किलियन एम्बाप्पे, रोड्रिगो और विनीसियस जूनियर ने एक-एक गोल किया जिससे रियाल मैड्रिड चार खिताबों के साथ प्रतियोगिता में सबसे सफल क्लब बन गया।

ऑस्ट्रेलिया टीम ने अश्विन को दी स्पैशल टीशर्ट, कमिंस बोले- वह बेहतरीन खिलाड़ी है

ब्रिस्बेन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस नहीं मानते कि यहां तीसरा टेस्ट मैच ड्रॉ रहने के बाद 5 मैच की श्रृंखला में लय भारत के पक्ष में बन गई है और उन्हें इस बात की खुशी है कि उनकी टीम ने बल्लेबाजी के लिए अनुकूल परिस्थितियों में पहली पारी में भारतीय टीम को बड़ा स्कोर नहीं बनाने दिया। तीसरे टेस्ट मैच में अधिकतर समय अपना पलड़ा भारी रखने वाले ऑस्ट्रेलिया ने बुधवार को यहां अपनी दूसरी पारी 7 विकेट पर 89 रन पर समाप्त घोषित करके भारत के सामने 275 रन का लक्ष्य रखा था लेकिन बारिश के कारण आखिर में यह मैच ड्रॉ रहा। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के सभी सदस्यों ने अश्विन को एक विशेष जर्सी भेंट की जिसपर सभी क्रिकेटरों के हस्ताक्षर थे।

कमिंस ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मैं यह नहीं कह सकता कि मैं कभी

लय को लेकर परेशान रहा। वास्तव में मैं इसकी कभी परवाह नहीं करता। मुझे लगता है कि इस सप्ताह के अपने प्रदर्शन से हम काफी कुछ हासिल कर सकते हैं। हमारे बल्लेबाजों ने दो शानदार साझेदारियां निभाईं। हमने नए विकेट पर बल्लेबाजी के लिए भेजे जाने पर 450 (445) रन बनाए और जब विकेट से बल्लेबाजों को थोड़ा मदद मिल रही थी तब भारत को 250 (260) रन पर आउट करने में सफल रहे। अपने इस प्रदर्शन से हम काफी प्रेरणा ले सकते हैं।

अब जबकि श्रृंखला 1-1 से बराबर है तब भारत के स्टार ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने संन्यास की घोषणा करके सबको चौंका दिया, जिनमें कमिंस भी शामिल हैं। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान ने कहा कि निश्चित तौर पर यह थोड़ा चौंकाने वाला रहा। वह निश्चित तौर पर बेहतरीन खिलाड़ी है। ऐसे बहुत कम ऑफ स्पिनर हैं जिन्होंने इतने लंबे समय तक अपनी छाप छोड़ी।

पिकलबॉल खेलते हुए टेनिस स्टार यूजिनी बूचार्ड को आंख में लगी चोट

जर्मन (एजेंसी)। पिकलबॉल प्रशिक्षण सत्र के दौरान पूर्व टेनिस प्लेयर यूजिनी बूचार्ड की आंख में अचानक चोट लग गई। 30 वर्षीय बूचार्ड को अस्पताल ले जाया गया और इलाज के बाद उनकी आंखों पर पट्टी बांधनी पड़ी। बताया जा रहा है कि कैनेडा मूल की यूजिनी पिकलबॉल का अभ्यास कर रही थी कि प्लास्टिक की एक गेंद उनकी आंख पर लग गई। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर फैंस के लिए चोट पर अपडेट भी दिया है। बूचार्ड ने पोस्ट किया- आज प्रशिक्षण के दौरान पिकलबॉल से आंख में चोट लग गई। शुक्र है, यह कुछ ही दिनों में ठीक हो जाएगी। गेंद मेरे साथी के हाथ में पकड़े डंडे से छिटकी गेंद के कारण लगी। इससे मेरी आंख की कॉर्निया में हल्की खरोंच आ गई है। हालांकि उम्मीद है कि यह कुछ ही दिनों में ठीक हो जाएगी। कम लोगों को पता है कि बूचार्ड की एक जुड़वा बहन बीट्राइस भी है जिसके साथ बीते साल उन्होंने जन्मदिन भी मनाया था। दोनों बहनों में दूरियां भी चर्चा में रही हैं। 2021 में जर्मन मीडिया हाउस ब्लिक के साथ एक साक्षात्कार में, यूजिनी बूचार्ड की बहन बीट्राइस बूचार्ड ने अपने रिश्ते के बारे में कई खुलासे किए थे।

ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज ने की जमकर तारीफ

अश्विन हमारे लिए हमेशा परेशानी का सबब रहे

ब्रिस्बेन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क ने बुधवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले रविचंद्रन अश्विन की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि भारत के खिलाफ कुछ यादगार मुकाबलों में इस ऑफ स्पिनर ने उनकी टीम के सामने कड़ी चुनौती पेश की।

अश्विन ने भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला के तीसरे मैच के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा करके सभी को चौंका दिया था। अश्विन ने 2011 से 2024 के बीच ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 23 टेस्ट मैच में 115 विकेट लिए। इस बीच उन्होंने एक बार मैच में 10 या इससे अधिक विकेट तथा सात बार पारी में पांच या इससे अधिक विकेट लेने का कारनामा किया।

स्टार्क ने तीसरा मैच ड्रॉ रहने के बाद कहा, 'वह (अश्विन) भारत में हमेशा हमारी टीम के लिए परेशानी का सबब रहे हैं और उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में भी श्रृंखला में अहम भूमिका निभाई। उनका करियर शानदार रहा। उनके आंकड़े सारी कहानी बयां करते हैं। वह लंबे समय तक

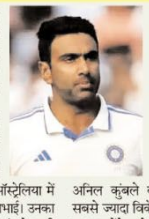

भारत के प्रमुख गेंदबाज रहे और उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 500 से अधिक विकेट लिए।

गौर हो कि अश्विन ने 106 टेस्ट मैचों में 24 की औसत से 537 विकेट के साथ अपने करियर का अंत किया और दिग्गज लेग स्पिनर अनिल कुंबले के बाद भारत के दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए। उन्होंने बल्ले से छह टेस्ट शतक और 14 अर्द्धशतक भी लगाए। उनका आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच एडिलेड में खेला गया डे-नाइट टेस्ट था जिसमें उन्होंने 1-53 रन बनाए थे।

स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर ने भारत के लिए 116 वनडे मैच भी खेले जिसमें उन्होंने 156 विकेट लिए। अश्विन 2011 वनडे विश्व कप और 2013 चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली टीमों के सदस्य थे। उन्होंने 65 टी20 मैच भी खेले और 72 विकेट लिए। 38 वर्षीय अश्विन को 2016 में आईसीसी पुरुष क्रिकेटर ऑफ द ईयर और पुरुष टेस्ट क्रिकेटर ऑफ द ईयर चुना गया था। उन्हें आईसीसी टेस्ट टीम ऑफ द डिकेड 2011-20 में भी शामिल किया गया था।